{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 27 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 181
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	75,273.45
निफ्टी	-	23,306.45
सोना	-	1,46,890
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	93.96

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भारत-रूस समेत 5 देशों के जहाज गुजरेंगे होर्मुज से

नई दिल्ली। युद्ध के बीच ईरान ने भारत समेत 5 देशों के जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की इजाजत दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि भारत उन पांच देशों में से एक है जिन्हें कमर्शियल शिपिंग के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई है।

भारत के अलावा, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को भी होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत मिली है। पांचों देश को दोस्त बताते हुए ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी साफ कर दिया कि ईरान के विरोधियों से जुड़े जहाजों को इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की इजाजत नहीं दी जाएगी। भारत के लिए यह घटनाक्रम बहुत अहम है, क्योंकि पश्चिम एशिया उसके ऊर्जा आयात का एक बड़ा जरिया बना हुआ है। भारत का मानना है कि होर्मुज में लंबे समय तक रुकावट के चलते देश में ईंधन और उर्वरक की कमी हो सकती है।

बस में आग, 13 लोग जिंदा जले

मरकापुरम। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सडक़ हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। मरकापुरम के एसपी वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, डंपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

दिल्ली-लंदन फ्लाइट में खराबी, वापस लौटी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का ए350 विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस दिल्ली लौट आया। यह विमान करीब सात घंटे तक हवा में रहा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने गुरुवार सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। करीब चार घंटे बाद, जब वह सऊदी अरब के एयरस्पेस में था, तब उसे वापस लौटाने का फैसला लिया गया। कुल मिलाकर विमान करीब सात घंटे तक हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे दिल्ली वापस पहुंचा। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से लंदन जाने वाली फ्लाइट एआई111 ने संदिग्ध तकनीकी समस्या के चलते एहतियातन वापस लौटने का फैसला किया। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और अब उसकी तकनीकी जांच की जा रही है, जिसमें कुछ समय लग सकता है।

पश्चिम एशिया में जंग : सरकार बोली- भारत में तेल और एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में

देश में 60 दिन का तेल भंडार मौजूद

-पीएम मोदी सभी राज्यों के सीएम से आज करेंगे बात

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक और दुष्प्रचार पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कवर्न) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण दुनिया भर में संकट गहराता जा रहा है। देश में भी इसे लेकर लोगों में पैनिक फैल रहा है। हालांकि सरकार की ओर से परेशान न होने और स्थिति कंट्रोल में होने की बात कही गई है। इसी बीच बड़ी खबर सामने आई है। पीएम मोदी शुक्रवार शाम को पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी जंग को लेकर मुख्यमंत्रियों से बात करने वाले हैं। पीएम मोदी की ये बातचीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये होने वाली है। सामने आया है कि इस बैठक में राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक का उद्देश्य 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सभी प्रयासों में आपसी तालमेल सुनिश्चित करना है। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों को इस बैठक में शामिल नहीं किया जाएगा। इन राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से आयोजित की जाएगी। वहीं सरकार ने कहा, हर भारतीय के लिए लगभग दो महीने की निरंतर आपूर्ति उपलब्ध है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। साथ ही अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद भी पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कुछ देशों में जहां ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि, राशनिंग, ऑड-ईवन नियम और पेट्रोल पंप बंद होने जैसी स्थिति है, वहीं भारत में ऐसी किसी भी आपातकालीन उपाय की जरूरत नहीं है।

एलपीजी आपूर्ति भी पूरी तरह सुरक्षित

एलपीजी को लेकर भी सरकार ने किसी तरह की कमी से इनकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, घरेलू उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे रोजाना उत्पादन 50 हजार मीट्रिक टन(टीएमटी) तक पहुंच गया है, जो कुल आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक है। अब आयात की दैनिक जरूरत घटकर 30 टीएमटी रह गई है। इसके अलावा, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों से 800 टीएमटी एलपीजी की खेप पहले से रास्ते में है, जो देश के 22 आयात टर्मिनलों पर पहुंचेगी। सरकार ने कहा, लगभग एक महीने की एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सुनिश्चित है और अतिरिक्त खरीद लगातार जारी है। तेल कंपनियां रोजाना 50 लाख से अधिक सिलिंडर की आपूर्ति कर रही हैं। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए व्यावसायिक सिलिंडरों का आवंटन 50 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है।

पेट्रोल पंप मालिकों को राहत

सरकार की ओर से कहा गया है कि कुछ जगहों पर घबराहट में ईंधन खरीदने की घटनाएं सामने आईं, लेकिन सरकार ने इसे सोशल मीडिया पर फैलाए गए भ्रामक वीडियो का परिणाम बताया। इसके बावजूद सभी उपभोक्ताओं को ईंधन उपलब्ध कराया गया और तेल कंपनियों ने रातभर डिपो चलाकर सप्लाई बढ़ाई। सरकार ने पेट्रोल पंप मालिकों को राहत देते हुए क्रेडिट सीमा 1 दिन से बढ़ाकर 3 दिन कर दी है, ताकि कार्यशील पूंजी की कमी के कारण किसी भी पंप पर ईंधन की कमी न हो। मंत्रालय ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की मौजूदा स्थिति के बावजूद भारत को अपने 41 से अधिक वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से पहले की तुलना में अधिक कच्चा तेल मिल रहा है। देश की सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही हैं और अगले 60 दिनों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले से तय है।

छिंदवाड़ा में सीएम के कार्यक्रम से लौट रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 11 की मौत

पिकअप से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरी थी बस

छिंदवाड़ा, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम से लौट रही एक बस गुरुवार शाम दुर्घटना का शिकार हो गई। बस में सवार 41 यात्री घायल हुए जबकि 11 की मौत होने की खबर मिल रही है। जिसमे 7 पुरूष 3 महिलाएं एवं 1 बच्चा शामिल है। मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव छिंदवाड़ा जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के लोकार्पण समारोह में हिस्सा लेने आए हुए थे इस दौरान उनके कार्यक्रम से वापस लौट रही एक बस सिमरिया के पास चिखली में हादसे का शिकार हो गई। दरअसल बस क्रमांक एमपी28पी0321 सामने से आ रही एक पिकअप क्रमांक एमपी28जेडडी1209 से टकरा गई। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर नजदीकी गड्ढे में जा गिरी। बताया जाता है कि बस में लगभग 55 यात्री सवार थे इनमें से 41 यात्री चोटिल हुए थे जिसमें गंभीर रूप से घायल होने पर दो दर्जन से अधिक लोगों को जिला अस्पताल लाया गया जहां पर पहुंचने के बाद 11 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। बताया जाता है कि हादसे का शिकार हुए ग्रामीण मोहखेड़ जनपद के अंतर्गत ग्राम करेल, भंडारकुंड और ग्वारा गांव से सीएम के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

ग्रीन कोरिडोर बनाकर पहुंचाया अस्पताल

हादसे की खबर लगने के बाद प्रशासनिक अमला तत्काल हरकत में आया जिसके बाद मौके पर लगभग 20 से अधिक एंबुलेंस को पहुंचाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रीन कोरिडोर बनाकर घायलों को जिला अस्पताल तक लाया। अस्पताल में घायलों के उपचार के लिए तत्काल चिकित्सकों की टीम तैयार की गई मौके पर कलेक्टर हरेंद्र नारायन, एसपी अजय पांडे, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार, परासिया एसडीएम शुभम कुमार यादव, छिंदवाड़ा एसडीएम सुधीर जैन सहित जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

आईपीएस रतन लाल डांगी निलंबित

आपत्तिजनक फोटो वायरल होने पर राज्य सरकार ने की कार्रवाई

रायपुर। राज्य सरकार ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आईजी आईपीएस रतन लाल डांगी को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है। इसका आदेश गृह (पुलिस) विभाग, छग शासन ने जारी किया है। प्रारंभिक तौर पर यह पाया गया है कि आईपीएस रतन लाल डांगी ने अपने पद की गरिमा के अनुरूप आचरण नहीं किया और ऐसा व्यवहार किया जो नैतिकता और सेवा नियमों के खिलाफ है। उन पर पद के प्रभाव का दुरुपयोग करने और स्थापित सामाजिक मानकों का उल्लंघन करने के आरोप भी लगे हैं।

आदेश में कहा गया है कि उनकी गतिविधियां सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं, जिससे पुलिस विभाग की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा। इस आधार पर उनके खिलाफ अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। फिलहाल आईपीएस रतन लाल डांगी को निलंबित कर विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निलंबन अवधि के दौरान रतन लाल डांगी का मुख्यालय पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर निर्धारित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। साथ ही सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना वे मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। शासन की इस कार्रवाई को प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने की दिशा में सख्त कदम माना जा रहा है।

भूमि अधिग्रहण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, आर्थिक बोझ के नाम पर उचित मुआवजा नहीं रोक सकते

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि मुआवजे और ब्याज की राशि सरकार या किसी प्राधिकरण पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ के आधार पर तय नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर कहा कि उचित मुआवजा देना एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह मामला 2019 के फैसले से जुड़ा था, इसमें कहा गया था कि राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा और ब्याज के प्रावधान केवल भविष्य में लागू होगा। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 4 फरवरी 2025 के अपने फैसले में इस पूर्वव्यापी रूप से लागू करने का आदेश दिया, जिससे पहले से अधिग्रहित जमीन के मालिकों को भी लाभ मिल सके।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत किसानों और भूस्वामियों को 9 प्रतिशत ब्याज का अधिकार है, न कि एनएचएआई अधिनियम के तहत सीमित 5 प्रतिशत। इस फैसले के खिलाफ एनएचएआई ने यह कहकर पुनर्विचार याचिका दायर की थी कि इससे उस पर लगभग 29,000 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा, जबकि पहले यह आंकड़ा केवल 100 करोड़ रुपये बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने तर्क को खारिज किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि भले ही वित्तीय अनुमान में बदलाव हो, इससे पहले दिए गए फैसले के गुण-दोष पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता नहीं बनती। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि आर्थिक बोझ मुआवजे से इंकार करने का वैध आधार नहीं हो सकता। इस फैसले से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में प्रभावित लोगों के अधिकार सर्वोपरि हैं। सरकार या एजेंसियां वित्तीय कठिनाइयों का हवाला देकर उचित मुआवजा देने से बच नहीं सकतीं। यह निर्णय किसानों और जमीन मालिकों के हितों को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

शिवपुरी के मेगा हेल्थ कैंप ने बनाया नेशनल रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मिली जगह

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में आयोजित भव्य निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर ने सेवा और समर्पण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर राष्ट्रीय स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया। 17 से 24 मार्च 2026 तक चले शिविर को 'एक ही स्थान पर आयोजित सबसे बड़ा निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी मेडिकल कैंप' के रूप में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई। यह आयोजन शिवपुरी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मार्गदर्शन में श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन और मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त प्रयासों से सम्पन्न हुआ। इस शिविर में हजारों मरीजों को एक ही स्थान पर उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। देशभर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को परामर्श, आधुनिक जांच, आवश्यक दवाइयां और जटिल उपचार सेवाएं प्रदान कीं। शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहां नेत्र, दंत, हड्डी सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज के साथ हाई-टेक रोबोटिक सर्जरी जैसी उन्नत सुविधाएं भी उपलब्ध थीं।

अब पेट्रोल पंप पर भी मिलेगी शराब

-नई एक्साइज पॉलिसी को मिली मंजूरी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में अब शराब खरीदना और भी आसान हो जाएगा. चंडीगढ़ प्रशासन ने नई एक्साइज पॉलिसी 2026-27 को मंजूरी दे दी है. इस नई नीति में बड़ा बदलाव ये है कि अब शराब सिर्फ पुरानी ठेकों पर ही नहीं, बल्कि पेट्रोल पंपों, शॉपिंग मॉल्स और लोकल मार्केट्स में भी बिक सकेगी. इसके अलावा बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर्स भी विदेशी शराब, वाइन और बीयर बेच सकेंगे. इसके साथ ही सरकार ने कुछ जरूरी नियम भी बनाए हैं. अब हर शराब की दुकान पर डिजिटल पेमेंट अनिवार्य कर दिया गया है. बार, होटल और रेस्टोरेंट में अल्कोहल मीटर (शराब जांचने वाली मशीन) लगाना भी जरूरी होगा, ताकि लोग जिम्मेदारी से शराब पी सकें. कुल मिलाकर नई नीति में सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ पारदर्शिता और बेहतर नियंत्रण पर भी जोर दिया गया है.

चंडीगढ़ में कुल 97 शराब की दुकानें मंजूर की गई हैं. भारतीय शराब, बीयर और वाइन पर अधिकतम 2 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है. शराब ले जाने वाली गाडियों में जीपीएस ट्रैकिंग लगाना अनिवार्य होगा. बोतलिंग प्लांट अब हफ्ते में 6 दिन काम कर सकेंगे. सीसीटीवी और लाइव मॉनिटरिंग के जरिए निगरानी सख्त की जाएगी. सरकार का कहना है कि नई पॉलिसी से लोगों को शराब आसानी से मिल सकेगी और साथ ही अवैध कामों पर भी लगाम लगेगी. प्रशासन का उद्देश्य इससे न केवल शराब की खरीद को आसान बनाना है, बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित करना है. संगठित खुदरा स्थानों पर बिक्री की अनुमति से उपभोक्ताओं को एक सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिलेगा, जहां वे आसानी से शराब खरीद सकेंगे।

पीथमपुर की कंपनी ने किया 250 करोड़ का घोटाला, ईडी ने लंदन में 7.5 करोड़ रुपए की संपत्ति की कुर्क

इंदौर। इंदौर से सामने आए बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कार्रवाई करते हुए लंदन में स्थित करीब 7.5 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क की है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। जांच में खुलासा हुआ है कि पीथमपुर से जुड़ी कंपनियों ने बैंक से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी कर उस रकम को विदेशों में निवेश के नाम पर भेजा।

यह मामला दो प्रमुख कंपनियों पाली लॉजिक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और निओ कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल लिमिटेड—से जुड़ा हुआ है। पहली कंपनी के निदेशक उत्कर्ष त्रिवेदी और उनके सहयोगियों पर पंजाब नेशनल बैंक के साथ 57.47 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है। वहीं दूसरी कंपनी के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार त्रिवेदी और अन्य पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को 249.97 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। दोनों मामलों को मिलाकर कुल घोटाले की राशि लगभग 307.44 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इस पूरे मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज दो अलग-अलग मामलों के आधार पर शुरू हुई थी, इसके बाद ईडी ने जांच को आगे बढ़ाया। जांच एजेंसियों को पता चला कि आरोपियों ने फर्जी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क तैयार किया था। इन डमी कंपनियों को कर्मचारियों और करीबी लोगों के नाम पर रजिस्टर कराया गया था, ताकि असली लाभार्थियों की पहचान छिपाई जा सके। इन कंपनियों के माध्यम से धन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर घुमाया गया, जिसे वित्तीय भाषा में 'लेयरिंग' कहा जाता है।

कुछ ना कहना

1 अप्रैल से 1000 दवाएं हो जाएंगी महंगी, छोटी-बड़ी बीमारियों पर पड़ेगा इसका असर

एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से दर्द की दवाएं, एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल एक हजार से ज्यादा दवाओं के दामों में मामूली बढ़ोतरी की इजाजत दे दी है। यह बढ़ोतरी डब्ल्यूपीआई के आधार पर हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एनपीपीए ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक 2025 में डब्ल्यूपीआई में पिछले साल की तुलना में 0.64956 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी आधार पर इन दवाओं की कीमतों में करीब 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी की जा रही है। यह बढ़ोतरी हर साल नियमित रूप से की जाती है ताकि दवा कंपनियां बढ़ती लागत को कुछ हद तक संभाल सकें। समायोजित कीमतें एनएलईएम की 1000 से ज्यादा दवाओं पर लागू होंगी। इस बढ़ोतरी से कई आम दवाएं प्रभावित होंगी। इनमें दर्द निवारक दवाएं जैसे पैरासिटामॉल शामिल हैं। बुखार और सिरदर्द में इस्तेमाल होने वाली यह दवा सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। इसके अलावा एंटीबायोटिक दवाएं जैसे एजिथ्रोमाइसिन और सिप्रोफ्लॉक्सासिन भी महंगी होंगी। एनीमिया की दवाएं, विटामिन और मिनरल्स की दवाएं, कोविड-19 मरीजों के लिए कुछ दवाएं और स्टेरॉयड्स भी महंगी हो जाएंगी।

दवा कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान-इजराइल युद्ध के कारण एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स और सॉल्वेंट्स की कीमतें 30-35 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ग्लिसरीन की कीमत में तो 64 फीसदी का उछाल आया है। पैकेजिंग मटेरियल जैसे पॉलीविनाइल क्लोराइड और एल्युमिनियम फॉइल भी 40 फीसदी महंगे हो गए हैं। एक फार्मा लॉबी के प्रतिनिधि ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हर तरल दवा जैसे सिरप और ड्रॉप्स में इस्तेमाल होने वाले ग्लिसरीन, प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल और सॉल्वेंट्स महंगे हो गए हैं।

पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई थी याचिका

फिर खुलेंगी व्यापमं घोटाले की फाइलें

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और मप्र सरकार से पूछा- 320 पेजों की शिकायत पर अब तक क्या हुआ?

दिल्ली/भोपाल। व्यापमं महाघोटाले की जांच की आंच एक बार फिर तेज होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक पारस सकलेचा की याचिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए सीबीआई और मध्य प्रदेश सरकार को स्पष्ट आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि सकलेचा द्वारा दी गई 320 पन्नों की डिटेल शिकायत पर अब तक क्या एक्शन लिया गया?

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने आदेश दिया कि जांच एजेंसी और राज्य शासन अब तक की गई पूरी जांच और दाखिल चार्जशीट का ब्यौरा शपथ पत्र (एफिडेविट) के साथ पेश करें। मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल 2026 को तय की गई है। सकलेचा की ओर से सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा, सर्वम रितम खरे, विपुल तिवारी, इंद्रदेव सिंह मौजूद थे। वहीं शासन की ओर से अतिरिक्त एडवोकेट जनरल श्रीधर पोटराजू, सीबीआई की ओर से दविंदर पाल सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखा।

हाईकोर्ट ने कर दी थी याचिका खारिज

दरअसल, इंदौर हाईकोर्ट ने अप्रैल 2024 में सकलेचा की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वे इस मामले में सीधे तौर पर प्रभावित पक्ष नहीं हैं। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सकलेचा के वकील विवेक तन्खा और उनकी टीम ने दलील दी कि भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायतकर्ता की भूमिका अहम होती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए जवाब तलब किया है।

रामनवमी पर निकाली गयी शोभायात्रा, आतिशबाजी बनी आकर्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामनवमी के पावन अवसर पर शहर में विश्व हिंदू परिषद और श्री राम मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में पुराने राम मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की आकर्षक पालकी के साथ विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां शामिल रहीं, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान उज्जैन से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई डमरू आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। शोभायात्रा पुराने राम मंदिर से प्रारंभ होकर कालीपुतली चौक, राजघाट चौक, हनुमान चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। हनुमान चौक में विशेष रूप से भव्य लाइटिंग और आतिशबाजी का आयोजन किया गया, जहां आकाश में रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया। यह आयोजन पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बना रहा। शोभायात्रा के दौरान शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीराम की पालकी का स्वागत किया। विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं और संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। डीजे की धुन पर श्रद्धालु भक्ति में

झूमते नजर आए और पूरे मार्ग में जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।

जिले में 19 मार्च से प्रारंभ हुए चैत्र नवरात्र पर्व के साथ ही भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी रही। इसी क्रम में 26 मार्च को रामनवमी के पावन अवसर पर पूरे शहर में श्रद्धा, आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। पुराना श्रीराम मंदिर ट्रस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए और संपूर्ण नगरीय क्षेत्र को आकर्षक लाइटिंग से सजाकर रोशनी से जगमगाया गया। गुरुवार सुबह से ही पुराना श्रीराम मंदिर एवं नया श्रीराम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, महाआरती और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और भक्तों ने विधि-विधान से पूजा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। शाम करीब 5 बजे पुराना श्रीराम मंदिर परिसर से रामजी की शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा रामगली, प्राचीन संकट मोचन हनुमान मंदिर मार्ग, कालीपुतली चौक, अहिंसा द्वार, मेन रोड, राजघाट चौक, महावीर चौक, सुभाष चौक, सराफा बाजार, हनुमान चौक और आंबेडकर चौक सहित विभिन्न मार्गों से गुजरी। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्रीराम की पालकी का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। विभिन्न सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। डीजे की भक्ति धुनों पर युवा और श्रद्धालु झूमते नजर आए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र

इस वर्ष शोभायात्रा को विशेष भव्यता प्रदान करने के लिए लगभग 20 प्रकार की आकर्षक झांकियां शामिल की गईं, जिनमें भगवान श्रीराम, राम दरबार और अन्य देवी-देवताओं के विविध स्वरूपों का सजीव चित्रण किया गया। उज्जैन से आए डमरू दल की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण रही, वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से आई राम दरबार की झांकी ने सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा स्थानीय आदिवासी संस्कृति की झलक भी शोभायात्रा में देखने को मिली। हनुमान चौक और आंबेडकर चौक में विशेष रूप से आकर्षक लाइटिंग और भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया, जहां आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और उपस्थित जनसमूह ने इस दृश्य का भरपूर आनंद लिया।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

रामनवमी के आयोजन को लेकर पुलिस एवं जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शोभायात्रा के पूर्व कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धुमकेती और यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने रामगली मार्ग को सुव्यवस्थित कराया। ताकि शोभायात्रा में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। शोभायात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। यातायात को समय-समय पर डायवर्ट किया गया और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी सहित अन्य अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे।

राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रकृति मंडलेकर ने पाई सफलता

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला की छात्रा कु. प्रकृति मंडलेकर ने वर्ष 2025 की राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है प्रकृति की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती मोनिका यादव सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उज्वल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि इस सफलता के फलस्वरूप छात्रा प्रकृति को कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

एक ही दिन अष्टमी-नवमी, श्रद्धालुओं ने किया विशेष पूजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 26 मार्च को जिले में इस बार अष्टमी और नवमी दोनों तिथियां एक ही दिन पड़ने से धार्मिक माहौल खासा उत्साहपूर्ण रहा। सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों और घरों में श्रद्धालुओं ने अष्टमी के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना कर माता रानी को भोग अर्पित किया। वहीं कई श्रद्धालुओं ने इसी दिन नवमी का पूजन भी संपन्न किया। इस दौरान हवन-पूजन, महाआरती और कन्या पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। पूजा के बाद श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रसाद का वितरण भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता निभाई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस बार तिथियों के संयोग और शुभ मुहूर्त के चलते अष्टमी और नवमी का पूजन एक ही दिन करना शुभ माना गया, जिसके चलते श्रद्धालुओं ने दोनों पर्वों का लाभ एक साथ उठाया। दिनभर मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखने को मिली और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

जिले में इस वर्ष चैत्र नवरात्र पर्व विशेष संयोग के साथ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। अष्टमी और नवमी तिथि एक ही दिन पड़ने के कारण 26 मार्च को ही दोनों पर्वों की पूजा-अर्चना एक साथ की गई। ज्योतिषीय दृष्टि से अगले दिन उपयुक्त मुहूर्त नहीं होने के चलते अधिकांश श्रद्धालुओं ने एक ही दिन विधि-विधान से अष्टमी और नवमी का पूजन कर मां दुर्गा के नौ

दिवसीय पर्व का समापन किया। 19 मार्च से प्रारंभ हुए इस पावन पर्व के दौरान पूरे नौ दिनों तक श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। सुबह-शाम मंदिरों में आरती, दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन-पूजन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। शहर के प्रमुख मंदिरों में त्रिपुर सुंदरी मंदिर, काली पाठ मंदिर, हनुमान मंदिर तथा हनुमान चौक स्थित दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में प्रतिदिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। अष्टमी-नवमी के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कन्या पूजन, हवन और महाआरती में शामिल हुए। काली पाठ मंदिर में माता काली को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालुओं ने मनोकामना पूर्ण होने की कामना के साथ चुनरी, साड़ियां और श्रृंगार सामग्री अर्पित की। वहीं कई मंदिरों में भंडारे और महाप्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

रामनवमी को लेकर सजा शहर

चैत्र नवरात्र के साथ ही रामनवमी के उत्सव को लेकर भी शहर में विशेष तैयारियां देखने को मिलीं। प्रमुख चौक-चौराहों और मार्गों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई। भगवान श्रीराम, हनुमान और अन्य देवी-देवताओं की झांकियां स्थापित की गईं, जबकि कई स्थानों पर भव्य प्रतिमाएं विराजित की गईं। शहर का कालीपुतली चौक, मुख्य बाजार क्षेत्र, हनुमान चौक और अन्य प्रमुख स्थान रंग-बिरंगी रोशनी और धार्मिक सजावट से जगमगा उठे। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखा अपार उत्साह

शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी चैत्र नवरात्र की विशेष धूम रही। गांव-गांव में श्रद्धालुओं ने माता के जगराते, भजन-कीर्तन, हवन-पूजन और मंडली का आयोजन किया। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर देवी मां का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नवरात्र मनाया गया, जहां महिलाओं और युवक-युवतियों विशेष रूप से धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

ज्योति कलश और जवारे विसर्जन शुरू

अष्टमी-नवमी पूजन के साथ ही अब ज्योति कलश और जवारे विसर्जन का क्रम भी प्रारंभ हो गया है। कई श्रद्धालुओं ने 26 मार्च की शाम को ही अपने घरों और मंदिरों में स्थापित ज्योति कलश एवं जवारे का विसर्जन नदियों और जलस्रोतों में किया। वहीं कुछ श्रद्धालु 27 मार्च को विधि-विधान के साथ विसर्जन करेंगे। घर-घर में स्थापित ज्योति कलश की पूजा के बाद विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने माता के

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी 12वीं पास युवती की आवश्यकता है, बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें।

वेतन-12000+

मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्टस, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)

मो. 9244872544/9201340520

रामनवमी पर मांझापुरटोला में दो दिवसीय बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामनवमी के पावन अवसर पर ग्राम मांझापुरटोला में नवयुवक पट समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय वर्ष आयोजित यह प्रतियोगिता 27 एवं 28 मार्च को संपन्न होगी। आयोजन को लेकर समिति द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं तथा बैल जोड़ियों की एंट्री लेने का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के किसानों एवं पशुपालकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में प्रतिभागी अपनी बैल जोड़ियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन करा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत पहले दिन 27 मार्च को प्रारंभिक एवं सेकेंड दौड़ आयोजित होगी, जबकि 28 मार्च को फाइनल मुकाबला कराया जाएगा। प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा हजारों रुपए के नगद पुरस्कार घोषित किए गए हैं। प्रथम, द्वितीय सहित विभिन्न स्थानों पर आने वाली बैल जोड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 30 हजार रुपए से प्रारंभ किया गया है, अंतिम 30 जोड़ियों तक को भी पुरस्कार देकर सम्मानित करने की व्यवस्था की गई है। इससे प्रतिभागियों में खासा उत्साह बना हुआ है। आयोजन समिति के अनुसार इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि कार्य के प्रति प्रोत्साहित करना तथा पारंपरिक ग्रामीण खेलों को जीवंत बनाए रखना है। समिति का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता के साथ-साथ पशुपालन एवं कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत मांझापुर की सरपंच श्रीमती रुखमणी मर्सकोले एवं उपसरपंच घनश्याम चौधरी उपस्थित रहेंगे। उनके अलावा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अध्यक्ष संजय कटरे के नेतृत्व में कार्यकारी अध्यक्ष दीपक चौहान, सुरेश बोरीकर एवं प्रकाश कटरे, उपाध्यक्ष राकेश गौतम, महेन्द्र मर्सकोले व संजय बिसेन, सचिव सनेश भलावी, लखनलाल भगत, नेतलाल पारधी, नितिन मेहरबान तथा कोषाध्यक्ष महेश सिंह मर्सकोले व दिपांशु बिसेन (रिंकू) सहित पूरी टीम जुटी हुई है। इसके साथ ही आयोजन में संरक्षकगण एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों का भी विशेष सहयोग मिल रहा है, जिनमें यशवंत पारधी, हिरेन्द्र बिसेन, मदनलाल टेम्भरे, धनलाल पारधी, महिपाल कटरे, गंगाराम बिसेन, रोखी राम कटरे, ईश्वरदयाल ठाकरे, रामचरण बोपचे, नारायण ठाकरे, जगदीश सोनगड़े, सावन डहरवाल, राजकुमार सोनगड़े, लक्ष्मीप्रसाद सोनगड़े, शम्भूदयाल ठाकरे, नरबद चौहान सहित अन्य अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हैं। नवयुवक पाट समिति, मांझापुर टोला ने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पारंपरिक और रोमांचक प्रतियोगिता का आनंद लें तथा आयोजन को सफल बनाएं।

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं ललित पिता स्व. मोतीलाल चौरसिया जाति बरई ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरी माताजी स्व. शिवकुमारी चौरसिया पति स्व. मोतीलाल चौरसिया की मृत्यु 25/09/2025 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं ललित चौरसिया, पुत्री अनिता, त्रिवेणी, अंजू व संजू चौरसिया वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक

ललित पिता स्व. मोतीलाल चौरसिया

निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.

तहसील - लालबर्रा

जिला - बालाघाट।

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं सपना शाहू पिता स्व. देवेंद्र कुमार शाहू जाति कलार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट की निवासी हूं। मेरे पिता जी स्व. देवेंद्र कुमार शाहू पिता स्व. कुंदनलाल शाहू की मृत्यु 25/12/2013 एवं मेरी माता जी श्रीमती स्व. संध्या उर्फ सरोजनी पति स्व.देवेंद्र कुमार शाहू की मृत्यु दिनांक 03.07.2023 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं पुत्री सपना शाहू व पुत्र नरेंद्र शाहू वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक

सपना शाहू पिता स्व. देवेंद्र कुमार शाहू

निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.

तहसील - लालबर्रा

जिला - बालाघाट।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0052/ब-154/2025-26

मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक महबूब खान पिता हबीब खान जाति मुसलमान, निवासी ग्राम टेकाड़ी लो., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेकाड़ी लो., रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक अपने पिता हबीब पिता सिकन्दर का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.06.1999 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम टेकाड़ी लो. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 06.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा

दिनांक - 27.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार

तहसीलदार

तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत मानपुर

जनपद पंचायत लालबर्रा जिला बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक/क्यू/2026	दिनांक 20.03.2026

निविदा

विषयांकित लेख है कि ग्राम पंचायत मानपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, बिबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेंस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यों के लिए दिनांक 22/03/2026 से 30/03/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित है। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत मानपुर में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेंगें और मुहरबंद निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी।

टीप: निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

बलराम गौतम	श्रीमती मनोरमा खैरवार	जगराम राउत
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

महेश गायकवाड़ - रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मानपुर तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत पारडी

जनपद पंचायत किरनापुर, जिला बालाघाट

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तिय वर्ष 2026-27 मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,(विधायक) सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेस ग्रांट, एसबीएम, जनपद एवं जिला स्तर के कार्य एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यो हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत, खराड़ी, मुरम, मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी, लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, टेंकर, ट्राली, पम्प, सेनेटरी, पानी टंकी,नल जल फिटिंग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री, हाईमास्क, एलईडी, लैम्प, बल्ब, स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

लालचंद बारबुदे	घनश्याम आठोडे	रुक्मणि भगत
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पारडी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत बूढ़ी

जनपद पंचायत किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तिय वर्ष 2026-27 मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,(विधायक) सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेस ग्रांट, एसबीएम, जनपद एवं जिला स्तर के कार्य एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यो हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत, खराड़ी, मुरम, मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी, लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, टेंकर, ट्राली, पम्प, सेनेटरी, पानी टंकी,नल जल फिटिंग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री, हाईमास्क, एलईडी, लैम्प, बल्ब, स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

द्रोपती डॉ.रामप्रसाद मानेश्वर	कृष्णा वाघाड़े	सेवकराम लिल्हारे
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

नंदकिशोर कावरे- ग्राम रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बुढ़ी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत जराही

जनपद पंचायत किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तिय वर्ष 2026-27 मे मनरेगा,5 वां वित्त राज्य आयोग,15 वां वित्त आयोग,(विधायक) सांसद विकास निधि,सर्व शिक्षा,परफार्मेस ग्रांट, एसबीएम, जनपद एवं जिला स्तर के कार्य एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत निर्माण कार्यो हेतु आरसीसी पाईप,पुलिया,चेक डैम/स्टॉप डेम, सीसी सड़क, आरसीसी नाली निर्माण, शासकीय भवन निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत, खराड़ी, मुरम, मिट्टी परिवहन, सीमेंट गिट्टी, लोहा आदि क्रय करने तथा वाईब्रेटर, मिक्सर मशीन, सेंट्रिंग, टेंकर, ट्राली, पम्प, सेनेटरी, पानी टंकी,नल जल फिटिंग सामग्री, नल जल मोटर रिपेयर सामग्री, हाईमास्क, एलईडी, लैम्प, बल्ब, स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर,कंप्यूटर सामग्री,लैपटॉप, प्रिंटर क्रय व मरमत एवं स्टेशनरी अभिलेख की सामग्री उपलब्ध कराने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

दशरथ दशमेर	आशा कटरे	रामेश्वर सिहोरे
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

प्रीति गजभिये- ग्राम रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत जराही तह. किरनापुर जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत मौरिया

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक -	दिनांक 26.03.2026

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मौरिया में वित्तीय वर्ष 2026-27 में किये जाने वाले विभिन्न मदों (15 वा वित्त आयोग, 5 वा वित्त, विधायक निधि, सांसद निधि,गौण खनिज, sbm, वी बी जी राम जी, राज्य वित्त, स्टाम्प शुल्क अन्य)से निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री सीमेंट गिट्टी रेत,लोहा,पेंट, गार्डन सामग्री, डिजिटल बोर्ड, तार, जाली,पोल मुरुम,मिट्टी,ईंट, पाइप व अन्य सामग्री क्रय किया जाना व सेंटरिंग, मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर किराए पर लिया जाने ग्राम पंचायत कार्यालय हेतु फर्नीचर, ई कक्ष संबंधित कंप्यूटर सामग्री,स्वच्छता संबंधी चेयर और कचरा पेटी क्रय किया जाने स्ट्रीट लाइट संबंधी नवीन कार्य व मरम्मत कार्य किया जाने हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

उक्त निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय में 27 मार्च 2026 से 01अप्रैल 2026 तक कार्यालय समय पर जमा की जा सकती है अधिक जानकारी के लिए कार्यालय ग्राम पंचायत से संपर्क किया जा सकता है।

श्रीमती श्यामकला इंदुलकर	श्री कीर्तिपुरी गोस्वामी	निखिल परिहार
सरपंच	उपसरपंच	सचिव

शरद जायसवाल- सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मौरिया जिला बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

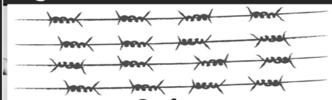

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

बाघ नदी मुंडेसरा किरनापुर से रेत का अवैध खनन करते पकड़े गए दो ट्रैक्टर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुंडेसरा बाघ नदी से 25 मार्च 2026 की रात्रि मे रेत के अवैध खनन करने के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर जब्त कर लिया है ।नायब तहसीलदार किरनापुर सुश्री बबीता सूर्या, खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल तथा किरनापुर पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से ग्राम मुंडेसरा स्थित बाघ नदी में आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान टीम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में हो रहे अवैध रेत खनन, परिवहन और भंडारण पर नियंत्रण करना था। जांच के दौरान अधिकारियों ने नदी क्षेत्र में दो ट्रैक्टरों को अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। मौके पर ही दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया। पहला ट्रैक्टर क्रमांक MP 50 Z) 5527 था, जिसे सचिन बाहे, निवासी ग्राम परसवाड़ा, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट चला रहा था। वहीं दूसरा ट्रैक्टर स्क्क 50 6295 था, जिसका चालक लंकेश पटले, निवासी ग्राम परसाटोला, तहसील किरनापुर, बालाघाट पाया गया ।कार्रवाई के तहत दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना किरनापुर परिसर में सुरक्षित रखा गया है। वही प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन वाहनों के खिलाफ मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी ।इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है और प्रशासन ने ऐसे मामलों में सख्ती जारी रखने के संकेत दिये हैं।

नगर पालिका में कांग्रेसी पार्षदों के बीच पोस्टर वार शुरू

होल्डिंग से एक पार्षद की फोटो गायब, अंदरूनी खींचतान आई सामने, होर्डिंग विवाद से बढ़ी सियासी सरगर्मी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका में कांग्रेसी पार्षदों के बीच अब पोस्टर वार की राजनीति खुलकर सामने आने लगी है। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चला विवाद जैसे-तैसे शांत हुआ ही था कि अब सामाजिक जयंती और शहर में लगाई जा रही होल्डिंग्स को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। नगर पालिका में 11 कांग्रेसी पार्षदों में से 10 पार्षदों और स्थानीय विधायक व जिला अध्यक्ष की फोटो विभिन्न होल्डिंग्स में प्रमुखता से लगाई जा रही है, जबकि एक पार्षद को इनसे अलग रखा जा रहा है। इससे साफ तौर पर गुटबाजी और आपसी मतभेद सामने आ रहे हैं। नगर पालिका के सामने और काली पुतली क्षेत्र में लगी होल्डिंग्स में यह स्थिति स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जहां 11 में से एक पार्षद की फोटो नदारद रही। हालांकि यह होल्डिंग किसी सामाजिक जयंती कार्यक्रम के तहत व्यक्ति विशेष द्वारा लगाई गई बताई जा रही है, लेकिन इसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेसी पार्षदों के बीच आपसी तालमेल और एकजुटता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

अब यह देखना होगा कि पार्टी स्तर पर इस मामले में कोई हस्तक्षेप होता है या नहीं।

नगर पालिका की राजनीति में अब तक सत्ता पक्ष के पार्षदों के बीच गुटबाजी की चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन अब कांग्रेस के पार्षदों में भी अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आने लगी है। हालिया घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के 11 पार्षदों के बीच भी आपसी समन्वय की कमी और गुटीय राजनीति हावी है। यह पूरा विवाद नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर शुरू हुआ था। वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद योगराज लिल्हारे ने अभी कुछ दिन पहले नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया हैं । इसके बाद कई कांग्रेस पार्षदों ने इस पद के लिए अपनी दावेदारी जताई, लेकिन जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा यह स्पष्ट कर दिया गया कि नगर पालिका में इस तरह का कोई अधिकृत पद पार्टी स्तर से तय नहीं किया गया है। इस बयान के बाद मामला कुछ समय के लिए शांत हो गया। लेकिन हाल ही में शहर में विभिन्न जयंती कार्यक्रमों के दौरान लगाए गए होर्डिंग्स ने एक बार फिर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को उजागर कर दिया। नगर पालिका कार्यालय के सामने और कालीपुतली चौक क्षेत्र में लगाए गए होर्डिंग्स में कांग्रेस के 11 पार्षदों में से 10 के फोटो तो प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए, लेकिन वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल की तस्वीर को शामिल नहीं किया गया। यह होर्डिंग्स भले ही पार्षदों के समर्थकों द्वारा लगाई जाना बताई जा रही हो , लेकिन एक पार्षद की तस्वीर का अभाव कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। विशेष रूप से इसलिए भी, क्योंकि आशुतोष ने नेता प्रतिपक्ष पद को लेकर सबसे पहले अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस पार्षदों के बीच गुटबाजी की चर्चा फिर तेज हो गई है। राजनीतिक गलियारों में इसे आपसी मतभेद और समन्वय की कमी के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव से पहले चुनौती

नगर पालिका चुनाव में अब लगभग एक वर्ष का समय शेष है, ऐसे में कांग्रेस पार्षदों के बीच इस प्रकार की गुटबाजी पार्टी के लिए चिंता का विषय बन सकती है। यदि समय रहते संगठनात्मक स्तर पर स्थिति को नहीं संभाला गया, तो इसका असर आगामी चुनावी रणनीति और परिणामों पर पड़ सकता है।

संगठन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस संगठन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी के भीतर अनुशासन और एकजुटता को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। फिलहाल, होर्डिंग विवाद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि नगर पालिका में कांग्रेस के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं है। अब नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी नेतृत्व इस स्थिति को कैसे संभालता है और आने वाले समय में संगठन को किस दिशा में ले जाता है।

करणी ज्वेलर्स पर जीएसटी कार्रवाई पूरी, 1.5 करोड़ की स्टॉक कमी उजागर

दो दिन चली जांच में सोना-चांदी के स्टॉक में मिली अनियमितता, विभागीय कार्रवाई जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के करणी ज्वेलर्स पर केंद्रीय जीएसटी विभाग की टीम द्वारा 25 मार्च से शुरू की गई कार्रवाई 26 मार्च को पूर्ण हो गई। दो दिन तक चली इस जांच में आठ सदस्यीय टीम ने दुकान के दस्तावेज, बिल और स्टॉक का गहन निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सोने एवं चांदी के स्टॉक में महत्वपूर्ण कमी पाई गई है। अधिकारियों के अनुसार लगभग 1.5 करोड़ रुपए के स्टॉक में अंतर सामने आया है, जो गंभीर अनियमितता की ओर संकेत करता है। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि करदाता द्वारा वस्तुओं के लेखांकन और कर निर्धारण में भी गंभीर त्रुटियां की गई हैं। विभाग ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल यह मामला जांचाधीन है और दस्तावेजों

की विस्तृत जांच के बाद ही अंतिम कर निर्धारण और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शहर में पिछले कुछ महीनों से केंद्रीय जीएसटी विभाग द्वारा कर चोरी के मामलों को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 25-26 मार्च को शहर के पुराने श्रीराम मंदिर क्षेत्र स्थित करणी ज्वेलर्स में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग की टीम ने सघन निरीक्षण कार्रवाई की। यह कार्रवाई आयुक्त लोकेश कुमार लिल्हारे (केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, जबलपुर) के मार्गदर्शन में की गई। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह निरीक्षण विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर किया गया था, जिसमें करदाता द्वारा जीएसटी रिटर्न और स्टॉक संबंधी अनियमितताओं की शिकायत सामने आई थी। कार्रवाई के दौरान केंद्रीय जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर अनूपसिंह गौर के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम ने 25 मार्च की दोपहर लगभग 3 बजे से दुकान परिसर में जांच शुरू की। टीम ने शटर बंद कर अंदर गहन निरीक्षण किया, जो देर रात तक चलता रहा और 26 मार्च की सुबह तक जारी रहा।

स्टॉक में भारी अंतर मिला

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकान में उपलब्ध सोने एवं चांदी के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया और उसकी तुलना अभिलेखों में दर्ज स्टॉक से की। इस जांच में अभिलेखों की तुलना में वास्तविक स्टॉक में उल्लेखनीय कमी पाई गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सोने-चांदी के स्टॉक में लगभग 1.5 करोड़ रुपये का अंतर सामने आया है। विभाग का मानना है कि यह अंतर वस्तुओं के लेखांकन और कर देयता के निर्धारण में गंभीर अनियमितताओं की ओर संकेत करता है।

जांच जारी, आगे होगी विधिसम्मत कार्रवाई

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार की गई है और मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है। जांच पूर्ण होने के बाद आवश्यकतानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में हलचल देखी जा रही है। जीएसटी विभाग की लगातार कार्रवाई से व्यापारी वर्ग में सतर्कता बढ़ गई है और कर नियमों के पालन को लेकर गंभीरता नजर आ रही है।

55 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले के बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति को 55 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किये। गिरफ्तार दोनों व्यक्ति समारु पिता बाम्हन मरावी 35 वर्ष ग्राम बाजार चौक मछुरदा थाना बिरसा और रामचंद्र पिता महंगू धुर्वे 21 वर्ष ग्राम भगवानडीह ग्राम गंजेसरा चौकी पाथरी थाना मलाजखंड निवासी है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

बिरसा पुलिस के मुताबिक 25 मार्च की रात्रि जब सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धन सिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ रात्रि ग्रस्त कर रहे तभी सूचना मिली कि मोटरसाइकिल में दो व्यक्ति अवैध रूप से हाथ भट्टी की कच्ची शराब लेकर मछुरदा तरफ से सालेटेकरी की ओर आ रहे हैं। मुखबीर की इस सूचना चौकी प्रभारी धनसिंह धुर्वे ने अपने स्टाफ के साथ ग्राम तोरगा मेन रोड पर घेराबबंदी की और मछुरदा तरफ से आ रही मोटरसाइकिल को रोके

।मोटरसाइकिल में दो व्यक्ति थे पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम समारू मरावी और रामचंद्र धुर्वे बताएं जिनके पास दो पीले रंग की दो जरीकेन में हाथ भट्टी की कच्ची शराब पाई गई। दोनों जरीकेन में 55 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब थी।इन दोनों व्यक्ति से शराब को रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए। जिनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए।मौके पर ही शराब का पहचान पंचनामा तैयार कर अवैध शराब और इस शराब में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त कर दोनों आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 26 मार्च को सालेटेकरी पुलिस ने दोनों आरोपी को बैहर की अदालत में पेश कर दिए ।जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

हाथ भट्टी की कच्ची शराब को पकड़ने की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रेवलसिह बरडे के मार्गदर्शन में सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धनसिंह धुर्वे, आरक्षक तोमेश बघेल और आरक्षक विक्रम जर्मन की सराहनीय भूमिका रही।

देशी शराब 16 कार्टून के साथ एक आरोपी गिरफ्तार- फरार आरोपी की तलाश दो वाहन जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चांगोटोला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना चांगोटोला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देसी शराब के 16 कार्टून जप्त किये। और दो चारपहिया वाहन जप्त किए हैं। गिरफ्तार आरोपी संदीप चौधरी 36 वर्ष नैनपुर जिला मंडला निवासी बताया गया है। 16 कार्टून में 134 लीटर डीसी शराब पाई गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना चांगोटोला पुलिस को 25 मार्च को सूचना मिली कि दो चारपहिया वाहन टवेरा MP51CA1105 और वेगनार MH31CR0313 में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने रेलवे फाटक के पास घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोका। इस दौरान वेगनार वाहन का चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। जबकि टवेरा वाहन चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। जिसे अपना नाम संदीप चौधरी नैनपुर निवासी बताया दोनो ।वाहनों की तलाशी लेने पर देसी शराब के 16 कार्टून पाए गए ।जिनमे(कुल 134 लीटर) अवैध देशी शराब बरामद हुई ।जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.50 लाख रुपये है। साथ ही दोनों वाहनों कीमत लगभग 5.50 लाख रुपये को भी जप्त किया गया ।इस मामले में थाना चांगोटोला में अपराध क्रमांक 28/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जबकि फरार आरोपी की तलाश जारी है।

इनकी सराहनीय भूमिका

अवैध देशी शराब को पकड़ने की इस कार्रवाई में चांगोटोला थाना प्रभारी उप निरीक्षक शशांक राणा सहायक उप निरीक्षक मुन्नालाल पटले प्रधान आरक्षक अजय बनवाले आरक्षक गणेश और आरक्षक गोपाल की सराहनीय भूमिका रही।

जिला शिक्षा अधिकारी ने ली प्राचार्यों की समीक्षा बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी ए. के. उपाध्याय द्वारा 26 मार्च 2026 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के सभा कक्ष में जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक एवं हाई स्कूल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नए शिक्षा सत्र 2026-27 की तैयारियों, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि नवीन शिक्षा सत्र 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर प्रवेश उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाने के लिए सभी प्राचार्यों को विद्यालयों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, सजावट, रंगोली, पेंटिंग एवं सेल्फी पॉइंट तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं पालकों को आमंत्रित करने के लिए भी कहा गया।

बैठक में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए तिथिवार कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर एवं रंगोली, जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण एवं पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी प्राचार्यों को कार्यक्रम के बाद प्रतिवेदन, फोटो एवं पेपर कटिंग भेजना अनिवार्य किया गया। विकासखंड कार्यालयों में प्राप्त पाठ्यपुस्तकों एवं साइकिलों का वितरण शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्राचार्यों को कहा गया कि वे सामग्री प्राप्त कर विद्यार्थियों में वितरण करें तथा इसकी ऑनलाइन एंट्री भी पोर्टल पर दर्ज करें। बैठक में कक्षा 9वीं एवं 11वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम की समीक्षा की गई। अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए मई माह में आयोजित होने वाली द्वितीय परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए। टाइमटेबल मंडल कार्यालय द्वारा जारी किया जा चुका है। बैठक में लंबित MPTAASC एवं छात्रवृत्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण, 'हमारे शिक्षक' एप पर शिक्षकों की 100 प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित करने, प्रवेश प्रक्रिया 24 मार्च से प्रारंभ, 31 मार्च तक शत-प्रतिशत नामांकन पूरा करने, किसी भी विद्यालय में ड्रॉपआउट की स्थिति न बनने देने के सख्त निर्देश दिये गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल ढलान में घुसी-मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत समनापुर रोड पर ग्राम धापेवाड़ा के आगे सोनबीरी नाला के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान वाल्मिक पिता भोलाराम गौतम 50 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 33 गायखुरी बालाघाट के नाम से की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाल्मिक गौतम मूलत: ग्राम घोटी (लालबर्रा) के निवासी थे और वर्तमान में अपने परिवार के साथ गायखुरी में रह रहे थे। उनके परिवार में पत्नी और एक पुत्र है। वे पेशे से किसान थे और कृषि कार्य के सिलसिले में अक्सर अपने गांव घोटी आते-जाते रहते थे। बताया गया कि 26 मार्च की सुबह वे मोटरसाइकिल से अपने गांव घोटी कृषि कार्य के लिए गए थे। शाम को लगभग 7:30 बजे वे घोटी से बालाघाट लौट रहे थे। तभी समनापुर से बालाघाट मार्ग पर सोनबीरी नाला के पास मोड़ (गोलाई) में उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ढलान में जा घुसी। दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए ।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया ।जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि उनकी मृत्यु अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में हो चुकी थी ।जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम 27 मार्च को किया जाएगा।

सम्राट अशोक की जन्म जयंती पर मरारमाली समाज ने निकाली रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की जयंती के अवसर पर 26 मार्च को जिला मरार माली समाज, बालाघाट के तत्वावधान में भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान समाज द्वारा एक विशाल एवं ऐतिहासिक वाहन रैली निकाली गई, जिसमें जिलेभर से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए।

रैली का शुभारंभ माता सावित्री बाई फुले कन्या छात्रावास, बूढ़ी बालाघाट से हुआ, जहां से मोटरसाइकिल एवं चारपहिया वाहनों के साथ समाजजन झंडे-बैनर लेकर निकले। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रानी अवंती बाई चौक, बैहर रोड, बायपास, सरेखा, कोसमी, उड़ान पुल, हनुमान चौक, नया सराफा, महावीर चौक, मुख्य बाजार, गुजरी चौक और काली पुतली चौक होते हुए अंबेडकर चौक पहुंची। यहां समाज के पदाधिकारियों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पूर्व सरेखा में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले की प्रतिमाओं पर भी पुष्प अर्पित किए गए। इसके पश्चात रैली कमला नेहरू प्रांगण पहुंची, जहां मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्राट अशोक, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने सम्राट अशोक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका शासनकाल प्रेम, सहिष्णुता और अहिंसा का प्रतीक रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कुशवाहा समाज महासभा के प्रदेश सचिव राजेश हरदहा ने कहा कि सम्राट अशोक ने युद्ध के बाद मानवता और शांति का मार्ग अपनाकर विश्व को एक नई दिशा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मरार माली समाज के अध्यक्ष रमेश पंचे ने की। इस अवसर पर आत्माराम पांचे, एल.सी. लांजेवार, भरतलाल बढमे, उदयसिंह पंचेश्वर, सालिकराम मौर्य सहित अन्य सामाजिक चिंतकों एवं पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि सम्राट अशोक केवल एक महान शासक ही नहीं, बल्कि मानवता के पुजारी थे, जिन्होंने सत्य, अहिंसा, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उनके द्वारा स्थापित अशोक स्तंभ आज भी देश की पहचान बना हुआ है। कार्यक्रम में जिले के सभी दस विकासखंडों से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। आयोजन की भव्यता और अनुशासित व्यवस्था को लेकर उपस्थित लोगों ने समाज के पदाधिकारियों की सराहना की।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पीजी कॉलेज में स्लोगन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशानुसार वर्ष 2026 के जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 25 मार्च 2026 को जल ही जीवन है विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 8 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में हर्ष शिववंशी (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, अंग्रेजी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कु. रजनी पांडे (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) रहीं, जबकि कु. सोनम डहाटे (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन में सहायक प्राध्यापक नाज़ली कुरैशी एवं ऋषभ भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जल संरक्षण के महत्व को रचनात्मक स्लोगन के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए जल ही जीवन है का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसे जनआंदोलन बनाने की दिशा में प्रेरित करना रहा।

आस-पास की खबरें

चैत नवरात समापन पर जवारा विसर्जन की तैयारियां पूर्ण, प्रशासन ने लिया जायजा

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, नायब तहसीलदार, पुलिस और सरपंच ने किया विसर्जन घाट का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित ग्राम पंचायत पांढरवानी के लालबर्रा गार्डन स्थित बड़ा तालाब विसर्जन घाट पर चैत नवरात्र पर्व के अंतिम दिन 27 मार्च को श्रध्दा और उत्साह के

साथ कलश एवं जवारों का विसर्जन किया जायेगा। कलश एवं जवारों के विसर्जन के एक दिन पूर्व गुरूवार की शाम में नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं पुलिस बल ने विसर्जन घाट का सघन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपस्थित अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। वहीं निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विसर्जन के दौरान उमड़ने वाली श्रध्दालुओं की भीड़ को नियंत्रित करना और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। साथ ही ग्राम पंचायत के द्वारा विसर्जन घाट में श्रध्दालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किये गये है। जिसमें पंचायत के द्वारा विसर्जन घाट और पहुंच मार्ग की पूर्णत: सफाई करवा दी गई है। सड़क के दोनों ओर चूने से मार्किंग की गई है ताकि श्रध्दालु सुव्यवस्थित तरीके से घाट तक पहुंच सके। साथ ही गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए सांकेतिक सीमाएं निर्धारित की गई हैं। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से विसर्जन के दौरान घाट पर पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस कर्मियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि वे इस बात की निगरानी रखें कि कोई भी व्यक्ति उत्साह में गहरे पानी की ओर न जाये। वहीं सरपंच अनीस खान ने श्रध्दालुओं से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करें और शांतिपूर्वक विसर्जन संपन्न करें।

फांसी पर लटकी लाश पुलिस ने किया बरामद

पोस्टमार्टम नही होने से परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था पर जताई नाराजगी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां64 वर्षीय वृध्द राधेलाल चावरपानी का शव उनके ही घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला है। पुलिस ने घटना स्थल से शव बरामद कर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल दोपहर में लाया गया था लेकिन चिकित्सक के समय पर नही पहुंचने एवं शाम हो जाने के कारण पोस्टमार्टम दुसरे दिन किया जायेगा। यह बात सुनकर मृतक के परिजन अस्पताल की व्यवस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शाम के पहले ही बॉडी शव वि%छेदन गृह ला लिया गया था किन्तु चिकित्सक समय पर नही आये और बाद में कहा जा रहा है कि अब शाम हो गई है दुसरे दिन शुक्रवार को पोस्टमार्टम किया जायेगा। जो गलत है जबकि लालबर्रा अस्पताल में शासन-प्रशासन को पर्याप्त चिकित्सक की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि क्षेत्रीयजनों को उपचार एवं अन्य कार्य के लिए परेशान न होना पड़े।

फंदे पर लटका देख पत्नि के उड़े होश

प्राप्त जानकारी के अनुसार धरपीवाड़ा निवासी 64 वर्षीय राधेलाल कृषि और मजदूरी का कार्य करता था। जिसके परिवार में उसकी पत्नि, बेटा और बहू हैं। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। गुरूवार सुबह करीब 10 बजे राधेलाल का बेटा काम पर निकल गया था और पत्नि पड़ोस में गई हुई थी। घर में राधेलाल अकेला था, जिसने अकेलेपन का फायदा उठाकर किसी मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। जब उनकी पत्नि घर लौटी, तो पति को फंदे से लटका देख उसके होश उड़ गये। जिसके बाद रोते हुए परिजन व पड़ोसियों को जानकारी दी और जब पड़ोसी मौके पर पहुंचे तब तक राधेलाल की मौत हो चुकी थी। वहीं घटना की सूचना तत्काल लालबर्रा पुलिस को दी गई। जिसके बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक चेतन उइके पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और आवश्यक पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक के द्वारा मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि राधेलाल कुछ दिनों से मानसिक तनाव में रह रहा था, जिससे ऐसा लग रहा है कि किसी मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फ्रीजर की नही है व्यवस्था - यशवंत

मृतक का दामाद यशवंत मंडलेकर ने बताया कि दोपहर से लेकर शाम हो गई परंतु पोस्टमार्टम नहीं किया गया है और आश्वासन दिया जा रहा था कि मैडम आ रही है। शाम होने के बाद पीएम नही करने की बात कही गई और बिना फ्रीजर के लाश को शव विच्छेदन ग्रह में रखकर बाहर से ताला लगा दिया गया है, लालबर्रा अस्पताल में फ्रीजर की नही है व्यवस्था। साथ ही शव विच्छेदन गृह में प्रकाश की भी नही है व्यवस्था, जबकि समय पर पोस्टमार्टम होना चाहिए।

योजना का दिलवाया जायेगा लाभ - संजय

धरपीवाड़ा सरपंच संजय कटरे ने बताया कि मुझे दोपहर में जानकारी मिली थी कि राधेलाल की मौत हो चुकी है, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और अस्पताल पहुंचा तो पता चला कि फांसी लगाने से उसकी मौत हुई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्री कटरे ने बताया कि लालबर्रा अस्पताल में चिकित्सकों की कमी है और समय पर पीएम के लिए बॉडी आने के बाद भी पीएम नही हो पाया, प्रशासन से मांग है कि लालबर्रा अस्पताल में पर्याप्त एमबीबीएस चिकित्सक की नियुक्ति करें एवं मृतक के परिजनों को शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

इनका कहना है-

धरपीवाड़ा से दोपहर में सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने स्वयं के मकान में फांसी लगा लिया है, जिसकी मौत हो चुकी है। घटना स्थल से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लाया गया किन्तु शाम हो जाने के बाद शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया है। शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम किया जायेगा और मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

चेतन उइके
सहायक उपनिरीक्षक
थाना - लालबर्रा।

अष्टमी पर्व पर हुआ हवन पूजन, चढ़ाई अठवाईयां

पद्मेश न्यूज। लांजी । शक्ति व भक्ति के आराधना का चैत्र नवरात्र पर्व संपूर्ण जिले में श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। सप्ताह भर से नगर व क्षेत्र के मंदिरों में देवी गीत भजनों व विविध कार्यक्रमों की गूंज के अलावा माता का जगराता कर भेंटे भी गाई जा रही है। 26 मार्च को चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर नगर के मां शीतला माता मंदिर, मां लंजकाई माता मंदिर, मां काली माता मंदिर के अलावा सभी देवी मंदिरों व घरों में रखे ज्योति कलश स्थल पर भोर से ही अष्टमी चढ़ाने का क्रम प्रारंभ हुआ जो दोपहर एवं देर शाम तक चलता रहा। माता रानी के दरबार में श्रंगार के साथ ध्वजा, अठवाईयां, चुनरी चढ़ाकर विशेष आराधना की गई। घरों व देवी मंदिरों में कन्या पूजन कर उन्हें माता का स्वरूप मानकर कन्या भोज भी कराया गया। नगर के मां लंजकाई मंदिर में अष्टमी पर्व पर दोपहर 12.30 बजे से हवन प्रारंभ किया गया जो कि 2.30 बजे सम्पन्न हुआ। इसी तरह मंदिरों व घरों में अष्टमी हवन के साथ पूर्णाहुति पश्चात सामूहिक भंडारे किए गए। वहीं आज 27 मार्च को रामनवमी पर्व पर नगर व क्षेत्र के मंदिरों में तथा घरों में दोपहर 12 बजे से राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जावेगा। नगर के नया व पुराना राम मंदिर में घंटे घड़ियाल की गूंज व भजनों के साथ राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा इसके लिए मंदिरों में तैयारियां पूरी हो गई है।

आज ज्योति कलशों की शोभायात्रा

चैत्र नवरात्र पर्व के चलते देवी मंदिरों एवं घरों में ज्योत जवारा स्थापित कर पूजा अर्चना की जा रही है। आज नवमी पर्व के चलते नगर के देवी मंदिरों से कलश शोभायात्रा निकालकर जल दर्शन कराया जाएगा। नगर के मां लंजकाई मंदिर में 558 ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। संध्या में कलश शोभायात्रा निकालकर गणेशी तालाब में ज्वारों का विसर्जन किया जाएगा। साथ ही शीतला माता मंदिर, दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला, निमटोला स्थित दुर्गा मंदिर से भी कलश शोभायात्रा निकालकर गणेशी में ज्वारों का विसर्जन किया जाएगा। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिए नगर परिषद द्वारा गणेशी तालाब में सफाई एवं लाईटिंग की व्यवस्था की जाएगी।

माँ सतबहनी मंदिर में हुआ हवन-पूजन, कलश विसर्जन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पूरे क्षेत्र में नौ दिवसीय चैत नवरात्र पर्व श्रध्दा व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है जिसमें अष्टमी के अवसर पर 26 मार्च को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में देवी मंदिरों व घरों में बोये गये जवारे स्थलों में हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किये गये। जहां श्रध्दालु भक्तों द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डाली गई जिसके बाद आरती कर प्रसादी वितरण व विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं द्वारा अपने घरों में पकवान बनाकर माता रानी को भोग भी लगाया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय स्थित माँ सतबहनी मंदिर में शाम 4 बजे से हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पंडित के द्वारा मुख्य जजमान मनीष शास्त्री सहपत्नि की मौजूदगी में हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रध्दालुजनों ने हवनकुण्ड में पूर्णाहूति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया एवं 27 मार्च को प्रात: 9 बजे आरती के पश्चात विधि-विधान से पूजा अर्चना कर मातारानी के 62 कलशों व जवारों का विसर्जन किया जायेगा। जिसके बाद शाम 6 बजे से नवयुवक भंडारा समिति के द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। माँ सतबहनी मंदिर समिति लालबर्रा सदस्य पवन नामदेव ने बताया कि गत 19 मार्च को मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना कर 62 कलश प्रज्वलित कर जवारे बोकर चैत नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं प्रतिदिन सुबह-रात 8 बजे आरती की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि 26 मार्च को अष्टमी पर्व के अवसर पर हवन-पूजन संपन्न हुआ एवं 27 मार्च को प्रात: 9 बजे कलश व जवारे विसर्जित किया जायेगा एवं शाम 6 बजे से नवयुवक भंडारा समिति के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने की है।

पांढरवानी पंचायत के तालाब निर्माण कार्य में मनमानी का आरोप

जनपद उपाध्यक्ष, सभापति एवं स्थानीयजनों ने तालाब के जीर्णोध्दार कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के महुआ तालाब का पंचायत के द्वारा प्रशासन से स्वीकृति मिलने के बाद तालाब का जीर्णोध्दार कार्य करवाया जा रहा है और तालाब में जमी गंदगी (गाद) की सफाई करवाने के लिए तालाब के पानी को खाली करवाने के लिए एक स्थान से पार फोड़ी गई। साथ ही पार में उगे झाड़ियों एवं पेड़ की सफाई भी करवाई गई है किन्तु जनपद उपाध्यक्ष, सभापति एवं कुछ ग्रामीणों ने इस कार्य में सरपंच पर मनमानी करते हुए तालाब की पार को फोड़कर व्यर्थ में पानी बहाने एवं कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से शिकायत कर जांच की मांग की है। वहीं शिकायतकर्ता गुरूवार को निर्माण स्थल पहुंचकर कार्य का विरोध करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य स्थल पर बुलाया। जिसके बाद नायब तहसीलदार, मनरेगा एसडीओं, उपयंत्री निर्माण स्थल पहुंचकर शिकायतकर्ताओं को प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद पंचायत की स्वयं की व्यय से तालाब का जीर्णोध्दार कार्य की जानकारी दी परन्तु शिकायतकर्ता पंचायत स्तर के काम में जेसीबी मशीनों के उपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंचायत के कार्यों में मशीनों का उपयोग नही होना चाहिए। इस गर्मी में जल संकट को देखते हुए जिला कलेक्टर के द्वारा सभी को जल संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश

दिये गये है। उसके बाद भी पंचायत के द्वारा तालाब के पानी को व्यर्थ में बहा जा रहा है जो गलत है और कार्य में भी अनियमितता बरती जा रही है जिसकी जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जाये। वहीं पांढरवानी सरपंच का कहना है कि पंचायत के द्वारा तकनीकी स्वीकृति ग्रामीण यांत्रिकी विभाग बालाघाट और प्रशासकीय की स्वीकृति जिला कलेक्टर महोदय के द्वारा दी गई है और जिला पंचायत बालाघाट के द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई उसके बाद ही तालाब का जीर्णोध्दार कार्य करवाया जा रहा है। जनपद उपाध्यक्ष, सभापति एवं कुछ लोगों के द्वारा आपसी वैमनस्यता के चलते झूठी शिकायत कर विकास कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है और जो आरोप लगाये जा रहे है सभी आरोप निराधार है।

नियम विरूध्द किया जा रहा काम - नीरज

नीरज पसीने ने बताया कि पांढरवानी सरपंच के द्वारा तालाब की पार फोड़कर व्यर्थ में पानी बहाया जा रहा है जो गलत है। जिसकी शिकायत कलेक्टर एवं एसडीएम से की गई है और जिला कलेक्टर के आदेश है कि जल को संरक्षित रखना है व्यर्थ में पानी नहीं बहाना है परंतु सरपंच के द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी मनमानी से व्यर्थ में पानी बहाया जा रहा है। साथ ही नियम विरूध्द तालाब का जीर्णोध्दार कार्य किया जा रहा है, हमारी मांग है कि मामले की जांच कर कार्यवाही की जाये।

बिना भेदभाव के जिम्मेदारों पर की जाये कार्यवाही - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि ग्रामीणों से जानकारी मिली थी कि पांढरवानी तालाब की पार को फोड़कर पानी को पंचायत के द्वारा व्यर्थ में बहाया जा रहा है, जिसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को सूचना दी गई और मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। श्री पालीवाल ने बताया कि एक ओर जहां जिला कलेक्टर जल संरक्षण की बात कर रहे हैं। वहीं दुसरी ओर पांढरवानी पंचायत के सरपंच व्यर्थ में पानी को बहा रहे है। यदि यह पानी हमारे किसानों के काम आता तो हमें कोई आपत्ति नहीं थी परंतु पानी व्यर्थ में बहाया जा रहा है जो गलत है। वही जनपद के अधिकारी कर्मचारियों को कहना है कि हमारे द्वारा इस काम को लेकर कोई अनुमति नहीं दी गई है, हमारी मांग है कि लापरवाह अधिकारी-कर्मचारियों और जिम्मेदार लोगों पर बिना किसी भेदभाव के कार्यवाही की जाये।

वैमनस्यता के चलते कुछ लोगों ने की है झूठी शिकायत - अनीस

सरपंच अनीस खान ने बताया कि जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत होने वाले सामूहिक कार्यक्रम में आवेदकों से आवेदन लेने में जनपद उपाध्यक्ष एवं सभापतियों के द्वारा भारी अनियमितता बरती गई है। पिछले वर्ष भी सामूहिक विवाह में उनके द्वारा अनियमिता व कमीशन खोरी के चलते कार्यक्रम को रोकना पड़ा था। फिर विधायक महोदय के प्रयासों से सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हो पाया था । इस बार भी सामूहिक विवाह में अनियमितता की शिकायत मिल रही थी। जिसके संबंध में मेरे द्वारा गत दिवस जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में इस मुद्दा को उठाया गया था और मांग की गई थी कि उपाध्यक्ष एवं सभापतियों के मनमानी के अनुसार कार्यक्रम नहीं होना चाहिए। इस बात से ही नाराज होकर उनके द्वारा तालाब के कार्य में अनियमितता का झूठा आरोप लगाया जा रहा है। आगे बताया कि नीरज पशीने पूर्व में जिला बदल रह चुका है, जिनके द्वारा सड़क निर्माण में व्यवधान उत्पन्न कर मजदूरों के साथ मारपीट, गाली गलौज भी किया था, जिसके खिलाफ थाने में मामला दर्ज है। श्री खान ने बताया कि वैमनस्यता के चलते कुछ लोगों के द्वारा झूठी शिकायत की गई है, जबकि जो काम किये जा रहे है सभी नियमानुसार किये जा रहे है और तालाब का जीर्णोध्दार होने से मछुआरों को लाभ मिलेगा एवं जल संरक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

माँ महागौरी की उपासना कर मनाया गया अष्टमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र में शक्ति की भक्ति का महापर्व चैत नवरात्र पर्व श्रध्दा व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। चैत नवरात्र पर्व

के अष्टमी के अवसर पर 26 मार्च को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में देवी मंदिरों एवं घरों में बोये गये जवारे स्थलों में हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किये गये जहां श्रध्दालु भक्तों द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डाली गई। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही अष्टमी पर देवी मंदिरों में श्रध्दालुओं के द्वारा माँ दुर्गा के स्वरूप माँ महागौरी की विशेष पूजा अर्चना कर अपने घरों में पकवान बनाकर माता-रानी को भोग लगाकर अष्टमी का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। साथ ही नौ कन्याओं की पूजन अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित किये और माता-रानी को अठवाई चढ़ाने का क्रम देरशाम तक जारी रहा। इस अष्टमी पर्व के अवसर पर मंदिरों में संगीतमय जस गायन का भी आयोजन किया गया। चैत नवरात्र पर्व के नवमीं के अवसर पर 27 मार्च को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मंदिर व घरों में बोये गये जवारों व कलशों को विसर्जित कर इस नौ दिवसीय माता-रानी के उपासना के महापर्व का समापन किया जायेगा।

शासकीय सांदीपनि माध्यमिक विद्यालय बोर्ड कक्षा 5वीं एवं 8वीं परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा वर्ष २०२५-२६ बोर्ड कक्षा ५वीं एवं ८वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष का विगत वर्ष के परीक्षा परिणाम से बेहतर एवं सराहनीय रहा। इस वर्ष विद्यालय में कक्षा ५वीं की परीक्षा में ७७ विद्यार्थियों में ७४ परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए। जिनमें प्रथम श्रेणी में १३, द्वितीय श्रेणी में ५५ तथा तृतीय श्रेणी में ६ विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल ७३ छात्र/छात्राए उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षा परिणाम ९८ प्रतिशत रहा। विद्यालय में प्रथम स्थान पर अक्षरा करकाड़े ने ८९.७५ प्रतिशत अंक लेकर संस्था में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाया। वहीं द्वितीय स्थान पर साक्षी शर्मा ८८.५ प्रतिशत तथा ८३.५ प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान पर मानवी बिंझाड़े एवं भावी कोवाचे रही। इसी प्रकार कक्षा ८ वीं की परीक्षा में विद्यालय में कुल दर्ज १२१ परीक्षार्थीयों में ११९ परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिनमें प्रथम श्रेणी में ६३ ,द्वितीय श्रेणी में ३८ एवं तृतीय श्रेणी में निरंक परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल ११३छात्र/छात्राएं उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षाफ्ल ९५ प्रतिशत रहा। विद्यालय में कक्षा ८वीं में प्रथम स्थान पर हिमांशी राजपूत, प्रियांशी लिल्हारे ने ९३.१६ प्रतिशत अंक लेकर संस्था में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाया। वहीं द्वितीय स्थान पर नव्या गोस्वामी ९२ प्रतिशत तथा ९१ प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान पर डिंपल कोवाचे रही। कक्षा ८ वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राजेश डहारे माध्यमिक शिक्षक की ओर से ५००-५०० रूपये पारितोषित स्वरूप पुरस्कार दिया गया। विद्यालय का बोर्ड कक्षा ५ वीं एवं ८वीं परीक्षा परिणाम नगर में सर्वोत्कृष्ट रहा। विद्यार्थियों की इस आशातीत सफलता पर विद्यालय प्राचार्य हुमराज पटले , लखन रिनायत, किशोर कुमार गजभिये प्रधान पाठक ,श्रीमती प्रतिमा भगत प्रधान , डेलेन्द्र मेश्राम ,रामलाल उईके,

राजेश डहारे, श्रीमती आकांक्षा आस्वले, मंजिल चौरे, साधुलाल अटरे, मोहित हनवत, श्रीमती उर्मिला मरावी, श्रीमती चेतना मड़ावी, अनिल एड़े, श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती भूमिका डोंगरे,श्रीमती नेहा बिसेन,श्रीमती मंजरी भोण्डले, सुश्री स्मिता वनवे ,अमित डोंगरे सहित समस्त शाला परिवार ने अपनी बधाईयाँ प्रेषित की। संस्था प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अनुत्तीर्ण हुए परिक्षार्थियों को निराश ना होकर पढ़ाई करने की बात कही। जिसके लिए हर संभव इन परिक्षार्थियों को मदद देने हेतु संस्था के सभी शिक्षक कृतसंकल्पित है।

केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल का कक्षा 8 वीं और 5 वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा घोषित कक्षा ८वीं एवं ५वीं के परिणामों में केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसमें कक्षा ८वीं के कुल ५३ विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिसमें २१ विद्यार्थियों ने ९० से ऊपर अंक हासिल किये। कक्षा ८वीं में पूर्वी लांजेवार ने ९६.१ प्रथम स्थान, हिमानी पटले ने ९५.६ द्वितीय स्थान एवं महक खंडाते ने ९४ के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर सफलता अर्जित की। इसके साथ ही अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। वहीं कक्षा ५वीं में कुल ६२ विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से १६ विद्यार्थियों ने ९० से ऊपर अंक प्राप्त किये। वहीं कक्षा ५वीं का भी परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा ५वीं में लतिका टेम्भरे ने ९५.७५ प्रथम स्थान, निधि बिसेन ने ९५.५ द्वितीय स्थान एवं निधि नंदनवार ने ९४.२५ के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर सफ्लता अर्जित की। इसके साथ ही अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर सफ लता प्राप्त की। विद्यार्थियों की इस सफलता पर ज्ञान विकास समिति के सचिव विजय तेलास्कर, विद्यालय के अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे, प्राचार्य प्रदीप शर्मा एवं सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गयी।

सरस्वती विद्यालय में कक्षा 5वीं व 8वीं के परीक्षा परिणाम सराहनीय

स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा पांचवी एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सराहनीय रहा कक्षा पांचवी में शत प्रतिशत उतीर्ण परीक्षा परिणाम रहा । जिसमें सभी ७५ अंकों के साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की । जहां प्रथम स्थान मयंक ढोक ९२.५ ,द्वितीय आयशा नकाशे व अक्षत मेश्राम ९१,तृतीय चित्रांश नेवारे ९०.५ तथा कक्षा आठवीं में भी शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा ।सभी परीक्षार्थी ७५ से अधिक अंक प्राप्त किये । प्रथम स्थान में मानसू यादव ९३.६, द्वितीय अनुज मानेश्वर ९२.५, तृतीय सृष्टि आहाके ९१.८ अंक प्राप्त कर अपने माता पिता एवं नगर को गौरवान्वित किया । ज्ञान विकास समिति के पदाधिकारी प्रदीप तिवारी ,संजय मांधाता,विजय तेलास्कर,शौर्य रुसिया ,तिलक पारधी, अजीत जैन,श्रीमती चेतना देवरस,मुकेश अग्रवाल ,प्रदीप शरणागत, डिलेन्द्र देशमुख एवं नगर के गण मान्य नागरिकों,विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा ने बधाई देते हुए अपने विद्यालय आचार्य परिवार के परिश्रम की प्रशंसा की ।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल कक्षा 5वी एंव 8वी बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

राज्य शिक्षा केन्द्र म.प्र.भोपाल के द्वारा कक्षा ५ वी एंव ८वीं बोर्ड परीक्षा २०२६ का परिणाम घोषित हुआ। जिसमें कक्षा ५वीं में प्रीति पराते ८३.२,कुनॉल बिसेन ८३, अनन्या क्षीरसागर ८३, रॉकी पंचेश्वर ८२.२, आर्वी वासनिक ८१.२, तनु टेंभरे ८१, आसु हिवारे ८०.७, नायरा कादरी ८०.५, शिवानी डोंगरे ८०.२, संकल्प टेंभरे ८०, याहीन खान ७९.५,आदित्य मानेश्वर ७९.२,अमन कुरैशी ७८.७ एवं कक्षा ८ वी में चंचल मानेश्वर ८८, अवनि टेंभरे ८७.३, आरूषी बावने ८७, कृतिका सोनकुसरे ८५.१, विभा गजभिये ८३.६, श्रुति मानेश्वर ८३.३, स्नेहा डेकाटे ८२.५, नैना नेवारे ७९.८, दिव्या लांजेवार ७९, फैजान शेख ७६.६, प्रेम हेडाऊ ७६, ओम तुरकर ७५.५, हर्ष दहिलिंगे ७५.६, प्राची झारिया ७५,६, तनवेज खान ७५.६ ने अंक प्राप्त किया। इस प्रकार कक्षा ५ वीं, ८ वीं में सभी छात्र छात्राओं ने ७५ से अधिक अंक प्राप्त किये। तथा परीक्षाफल शत प्रतिशत आने पर संस्था के प्राचार्य निरजंन बिसेन एवं विद्यालय परिवार ने छात्र छात्राओं को बधाई प्रेषित की एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिये विद्यालय के प्रधानाध्यापक दीपक चैतगुरू, प्रभारी प्रधानाध्यापक सुश्री ज्योति गौतम एवं कक्षा ५ वीं व ८वी में अध्यापन कार्य सम्पन्न करा रहे शिक्षक शिक्षिकओं डी एस ठाकुर, श्रीमती अनिता मिश्रा, साधना बंसोड़, ममता सोनकुसरे, ज्ञानेश्वरी बिसेन, ज्योति बाला बोपचे, ज्योति बिसेन, प्राची देवारे, विद्या बिसेन एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

नए सत्र के आगाज से पहले किताबों का टोटा, 41 में से मात्र 25 टाइटल ही पहुंचे जनपद शिक्षा केंद्र

1अप्रैल से शुरू होना है नया शैक्षणिक सत्र शत.प्रतिशत पुस्तकें नही मिलने से शिक्षक चिंतित

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी के अंतर्गत आने वाले शासकीय स्कूलों में नवीन शैक्षणिक सत्र के स्वागत की तैयारियां तो जोरों पर हैं। लेकिन पाठ्यपुस्तकों की अपूर्ण आपूर्ति ने विभाग और छात्रों की चिंता बड़ा दी है।१ अप्रैल से स्कूलों में विधिवत पढ़ाई शुरू होनी है जिसके लिए जनपद शिक्षा केंद्र द्वारा वितरण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। परंतु स्टॉक की कमी के कारण अब तक सभी सेट स्कूलों तक नहीं पहुंच पाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार कक्षा १ से ८ वीं तक के पाठ्यक्रम में कुल ४१ टाइटल विषयवार पुस्तकें शामिल होते हैं। अब तक केवल २५ टाइटल की पुस्तकें ही प्राप्त हुई हैं शेष १६ टाइटल की पुस्तकें अब भी अप्राप्त हैं। जो २५ टाइटल विभाग को मिले हैं, उनकी संख्या भी कुल दर्ज छात्र संख्या के मुकाबले शत प्रतिशत नहीं है। वर्तमान में स्कूलों में नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं ताकि विद्यार्थियों का रिदम बना रहे और नए प्रवेश सत्र में वह शामिल हो सके। लेकिन नए शिक्षण सत्र में बिना किताबों के पाठ समझाना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती बनेगा । विशेषकर प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं के बच्चों के लिए बिना किताबों के विषय वस्तु को समझना कठिन होता है। जागरूक अभिभावकों और शिक्षकों का कहना है कि यदि सत्र की शुरुआत में ही किताबें नहीं मिलीं तो कोर्स पिछड़ जाएगा और बच्चों का मनोबल भी प्रभावित होगा। हालांकि जनपद शिक्षा केंद्र

वितरण प्रक्रिया में पूरी सक्रियता से जुटा हुआ है लेकिन बताया जा रहा है कि ऊपर से ही स्टॉक कम प्राप्त हुआ है। इस वजह से चाहकर भी सभी स्कूलों को पूरे सेट उपलब्ध नहीं कराए जा पा रहे हैं। शिक्षकों और अभिभावकों ने विभाग से मांग की है कि शेष १६ टाइटल्स और कम पड़ रही पुस्तकों की खेप तत्काल मंगवाई जाए। पढ़ाई की लय बरकरार रखने के लिए सत्र के पहले ही दिन बच्चों के हाथों में पूरी किताबें होना अनिवार्य है। अब देखना यह होगा कि शिक्षा विभाग इस कमी को कब तक दूर कर पाता है ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो सके।

पर्याप्त पुस्तक नहीं आई है शिक्षकों के द्वारा पुस्तक मांगी जा रही है-कोमल बिसेन

जनशिक्षक कोमल बिसेन ने बताया की शासन के द्वारा मार्च माह में पाठ्यपुस्तक के प्राप्त हुई उसका वितरण स्कूलों में कक्षा वार हो रहा है। परंतु पर्याप्त पुस्तक नहीं आई है जो होनी चाहिए स्कूलों में शिक्षकों के द्वारा पूरी पुस्तक मांगी जा रही है। हालांकि अभी स्कूल चालू है नए शिक्षण सत्र १ अप्रैल से प्रारंभ होना है परंतु उक्त संबंध में अभी कोई टाइम टेबल जारी तो नहीं हुआ है। किंतु हम नया सत्र १ अप्रैल मानकर चल रहे हैं यदि पूरी पुस्तक के समय रहते स्कूलों को प्राप्त होती है तो बच्चों के शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। अभी कई प्रमुख विषय जैसे कक्षा पहली में भारती एवं गणित ,दूसरी में अंग्रेजी ,चौथी में गणित ,अंग्रेजी ऐसे ही अन्य कक्षाओं की भी प्रमुख पुस्तक नहीं आई है। जो पुस्तक स्कूलों को दी जा रही है वह भी पर्याप्त नहीं है यदि यह पुस्तक स्कूलों को मिल जाती है और नए सत्र में बच्चों को वितरण हो जाती है तो स्कूल के शैक्षणिक कार्य बेहतर तरीके से चलता है। वही १ मई से १५ जून तक छुट्टी लगती है उसमें बच्चे घरों में भी अध्ययन कार्य करते हैं।

41 विषय संचालित होते है 25 विषय की पाठ्यपुस्तक प्राप्त हुई है-बालचंद रहागंडाले

बीएसी बालचंद रहाँगडाले ने बताया कि शासन से पाठ्य पुस्तक के प्राप्त हुई है उसका वितरण कार्य स्कूलों को किया जा रहा है। अभी एक साथ पूरे विषय नहीं आए हैं हमारे यहां कक्षा १ से ८ में ४१ विषय संचालित होते हैं जिसमें २५ विषय की पाठ्यपुस्तक के प्राप्त हो गई है १६ विषय की पाठ्यपुस्तक के अभी नहीं आई है। यह पुस्तक शासन से ९० प्रतिशत हमें प्राप्त होती है जिसे स्कूलों को वितरण समय पर किया जाता है।

इनका कहना है

१अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होना है जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी को प्राप्त पाठ्यपुस्तक का वितरण किया जा रहा है। यह पर्याप्त रूप से प्राप्त नहीं हो पाई है कुछ विषय की पाठ्य पुस्तक आई ही नहीं है। हमारे यहां १२०० पाठ्यपुस्तक की जरूरत होती है अभी ४३८ पाठ्यपुस्तक प्राप्त हुई है जिसका वितरण चल रहा है। आगे अभी जैसे पुस्तक प्राप्त होती है वितरण कर दिया जाएगा।

सतेन्द्र शरणागत बीआरसी वारासिवनी

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने काला अधिनियम के विरुद्ध प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पेंशनर्स ने हाथों में काला कपड़ा बांधकर मनाया काला दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार के द्वारा पेंशनभोगियों के हितों के विपरीत लाए गए बैथला अधिनियम २०२५ के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन ने २५ मार्च २०२६ को इस अधिनियम के लागू होने के एक वर्ष पूरे होने पर इसे काला दिवस के रूप में मनाया और जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन में बताया की वित्त मंत्रालय के द्वारा जारी यह अधिनियम पेंशनर्स के बीच वर्गीकरण और भेदभाव पैदा करता है। यह कानून २९ मार्च २०२५ की अधिसूचना से प्रभावी हुआ है, जिसे बिना पूर्व सूचना के वित्त विधेयक के रूप में पेश किया गया था। यह अधिनियम १ जनवरी २०२६ से पहले सेवानिवृत्त हुए पेंशनभोगियों को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है। यह व्यवस्था सातवें वेतन आयोग द्वारा स्थापित समानता के सिद्धांत के विरुद्ध है। पेंशन कोई खैरात नहीं बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी व्यवस्था है। सरकार का यह नया कदम ना केवल नागरिकों को सामाजिक न्याय देने के वादे के खिलाफहै, बल्कि शीर्ष अदालत के न्यायिक निर्णयों की भी अवहेलना करता है। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के आह्वान पर पूरे देश के साथ साथ बालाघाट में भी पेंशनर्स ने आक्रोश

व्यक्त किया गया। जिसमें समस्त पेंशनर साथियों के द्वारा हाथों में काली पट्टी बांधकर उक्त नियम का विरोध दर्ज करवाया गया। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन पदाधिकारी शिवशंकर गंगेले ने कहा कि यदि इस कुख्यात अधिनियम को वापस नहीं लिया गया तो पेंशन भोगी समाज अपने हक की लड़ाई को और तेज करेगा। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन काला दिवस मना रहा हैं केंद्र सरकार के द्वारा पिछले वर्ष पारित किए गए वित्त विधेयक काला अधिनियम के प्रति अपना कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रस्तुत किया हैं। लोकसभा में पारित वित्त विधेयक पेंशनभोगियों के हितों पर गहरी चोट करता है। हमारी मांग है कि जिस तरह सातवें केंद्रीय वेतन आयोग में सिद्धांत अपनाया गया था उसी तर्ज पर आठवें वेतन आयोग में भी इस व्यवस्था को बरकरार रखा जाए। वित्त मंत्रालय द्वारा २९ मार्च २०२५ को जारी अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से वापस ले। पेंशन योजना का मूल उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अभावमुक्त और सम्मानजनक जीवन देना है,लेकिन वर्तमान अधिनियम मौजूदा पेंशनर्स को अपूरणीय क्षति पहुंचा रहा है। यह विरोध प्रदर्शन अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ दिल्ली के आह्वान पर किया गया। इस अवसर पर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

श्री दिगंबर जैन मंदिर में भक्ति उल्लास के साथ वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री दिगंबर जैन मंदिर के प्राचीन श्री १००८ महावीर जिनालय में १२५ वर्षों के ऐतिहासिक अंतराल के बाद आयोजित तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव पूर्ण वैभव और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पूज्य मुनि श्री १०८ नीरज सागर महाराज एवं पूज्य मुनि श्री १०८ निर्मद सागर महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। समापन दिवस का मुख्य आकर्षण भगवान की दिव्य जिनबिंब स्थापना रही। मंत्रोच्चार के बीच मूलनायक श्री १००८ महावीर स्वामी को उनकी नवनिर्मित और शुद्ध की गई वेदी पर विराजमान किया गया। यह पूजा प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी तरुण भैया इंदौर और बाल ब्रह्मचारी पंडित कमल कुमार खुरई के निर्देशन में संपन्न हुई। इसके पश्चात आयोजित महामस्तकाभिषेक का दृश्य अत्यंत मनोहारी रहा। जिसमें श्रद्धालुओं ने स्वर्ण और रजत कलशों से भगवान महावीर का अभिषेक किया। यह कार्यक्रम तीन दिवसीय रहा जिसमें प्रथम दिन ध्वजारोहण, घट यात्रा और वेदी शुद्धि के साथ महोत्सव का प्रारंभ हुआ। द्वितीय दिन श्री १००८ यागमंडल विधान का

आयोजन हुआ जिसमें श्रावकों ने अष्टद्रव्य से पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। अंतिम दिन जिनबिंब स्थापना और शांतिधारा के साथ श्विश्व कल्याण की मंगल कामना की गई। इस दौरान विधायक विवेक पटेल के द्वारा भी कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के पदाधिकारी सदस्य सहित स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में विद्यारंभ कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।नगर के वार्ड नंबर एक स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक १ में महिला बाल विकास विभाग के तत्वाधान में विद्यारंभ प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमती यशोदा भगत सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात आंगनबाड़ी केंद्र में प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण कर चुके ५ वर्ष की आयु के बच्चों एवं उनके पालकों को तिलक बंधन किया गया। इसके बाद बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र का वितरण किया गया । इस दौरान शिक्षा मंगल दिवस टीकाकरण पोषण आहार पीने के स्वच्छ पानी के बारे में जागरूक करने के उपरांत पोषण आहार एवं आयरन की गोली का वितरण भी किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा कहा गया कि विद्यारंभ उज्वल भविष्य की नींव हैं यह ना केवल हमारे बच्चों के भविष्य को तय करता है बल्कि एक सशक्त समाज की नींव भी रखता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मनुष्य के मस्तिष्क का ८५ प्रतिशत विकास ६ वर्ष की आयु तक

हो जाता है। यह वह समय है जब बच्चा एक स्पंज की तरह होता है। वह जो देखता सुनता महसूस करता उसे सोख लेता है। इसलिए विद्यारंभ का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान नहीं बल्कि बच्चे के व्यक्तित्व का बीजारोपण है। प्रारंभिक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों पर भारी बस्तों का बोझ डालना नहीं है। सोचने और समस्या सुलझाने की क्षमता दूसरों के साथ मिल जुलकर रहना और अपनी भावनाओं को समझना खेल कूद के माध्यम से गामक कौशल का विकास हैं। यदि नींव मजबूत होगी तो आगे की स्कूली शिक्षा और जीवन की चुनौतियाँ बच्चे के लिए सहज हो जाएँगी। विद्यारंभ केवल स्कूल जाने की शुरुआत नहीं है यह जीवन भर चलने वाली सीखने की प्रक्रिया का उत्सव है। इस अवसर पर उमा गोलेन्द्र ,संगीता खोबरागडे ,रोमन बंसोड ,गौरी नागभीरे ,परमेश्वरी कुशवाहा ,सपना बोरकर सहित बालक बालिका एवं पालक मौजूद रहे।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत की सतर्कता

पश्चिम एशिया में बदलते भू- राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने जिस संतुलित,सजग और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह न केवल उसकी प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है,बल्कि नागरिकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी गंभीर स्थिति के बावजूद देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है।यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर समय रहते ठोस और प्रभावी तैयारी कर रखी है।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।पेट्रोल और डीजल के स्टॉक भी संतोषजनक स्तर पर बनाए रखे गए हैं।हालाँकि अफवाहों के चलते कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखने को मिली,लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है।घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए एलपीजी उत्पादन में वृद्धि की गई है। साथ ही, सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी)आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए भी संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,ताकि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।विशेष रूप से होटल,रेस्तरां और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह आदेश देशभर में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को गति देगा और ऊर्जा के स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा देगा।इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा,बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एलपीजी आपूर्ति वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित अवश्य हुई है,लेकिन देश में कहीं भी 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है।सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है, जिससे छोटे व्यवसायों और सेवा क्षेत्रों को राहत मिली है।इसके अतिरिक्त,केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है,ताकि माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे।राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। हजारों छापों और सैकड़ों गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह गंभीर है।जिला स्तर पर निगरानी समितियों और नियंत्रण कक्षों की स्थापना से स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है। समुद्री क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता उल्लेखनीय है।पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नाविकों और उनके परिवारों को निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है।अब तक सैकड़ों भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा चुकी है,जो इस दिशा में सरकार के समर्पण को दर्शाती है।विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावास चौबीसों घंटे कार्यरत हैं और जरूरतमंद नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। 28 फरवरी से अब तक लाखों भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं।विशेष उड़ानों और वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से यह अभियान लगातार जारी है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण-सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलत: सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव प?ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

- ललित गर्ग

आओ खुशियों के खुबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां रिश्तोंनातों की बहुत गहराई से कद्र होती है, जो कि आदि अनादि काल से ही भारत की मिट्टी में समाया हुआ है, इसलिए जो मानव भारत की मिट्टी पर पैदा हुआ है उसमें प्राकृतिक रूप से उसके मन में रिश्ते नातों, संबंधों की कद्र करना समा जाता है, परंतु समय का तकाजा है,उसके चकरे के घूमने से कई चीजें न केवल बदल जाती है,बल्कि व्यक्ति विशेष का स्वभाव, अंदाज, आदत तो छोड़ो लेकिन उसके जीवन की दिनचर्या ही बदल जाती है जिसमें उसके रिश्ते नाते संबंधों में दरार आने लगती है, जिससे वह व्यक्ति खुशीयों की खूबसूरत लकीर से हटकर अकेलापन और दुख की ओर चल पड़ता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसका सबसे मजबूत कारण मिस अंडरस्टैंडिंग मिस कम्युनिकेशन व कम्युनिकेशन गैप है,चूंकि सामने वाला व्यक्ति, कहना कुछ चाहता है, हम समझते कुछ हैं, और हो कुछ और जाता है इसलिए सबसे पहले हमें उस अंडरस्टैंडिंग के अंदाज को समझने की जरूरत है,जिस लहजे में हमसे बोला जा रहा है, अगर हम यह तकनीक सीख गए तो मेरा पूरा विश्वास है हमारे रिश्ते नाते हमेशा दूर-दूर तक साधारण वह मजबूत रहेंगे। अवस्था में रहेंगे और हमें खुशियां मिलेगी क्योंकि खुशियों के लिए हमारे द्वारा बनाए संबंधों रिश्तो नातों को मजबूत स्वस्थ और खुशहाल बनाना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिश्तो के बिना जीवन बेकार है रिश्तो पर ध्यान देने की जरूरत है, खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में गलतफहमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका हैं।खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत ?रूरी हैं।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में रिश्तों नातों को निभाने की करें तो,व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिलेटिव सबसे ज्यादा करीब होते हैं। रिश्ता चाहें जो भी हो,उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। परिवार में हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं।कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं,ऐसा कोई नहीं चाहता कि उनका रिश्ता उनके करीबियों से खराब हो जाए या टूट जाए, इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में लापरवाही या नासमझी नहीं करनी चाहए। रिश्तो को खुशहाल रखने के लिए इन बातों को रेखांकित करना जरूरी है। (1) इज्जत और सम्मान करें-रिश्ता चाहें माता पिता से हो या दोस्तों से हो, उसकी मर्यादा को हमेशा याद रखना चाहिए,कोई भी रिश्ता बिना सम्मान के ज्यादा दिन नहीं टिक पाता है अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना बेहद जरूरी है। (2)भरोसा करें और ईमानदार रहें-दुनियां के हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। भरोसा कमजोर पड़ते ही सालों पुराने और खून के रिश्ते भी टूट जाते हैं,इसीलिए हमको अपने किसी भी रिश्ते में बेवजह शक नहीं करना चाहिए और अपनों का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए। (3) इन चीजों को करने से बचेंरोक-टोक ना करें-हर समय की रोक-टोक किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वे आपसे धीरे धीरे दूर हो सकते हैं, इसीलिए बेवजह बात बात पर रोक टोक ना करें और सामने वाले को उनका पूरा समय देने की कोशिश करें। (4) मिसकॉम्युनिकेशन से बचें-किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने से रिश्ते खराब हो जाते हैं, इस स्थिति से बचने के लिए मन में कोई बात ना रखें और खुलकर बात करें और दूसरो को भी अपने मन की बात कहने का मौका दें।

साथियों बात अगर हम रिश्ते खराब होने के कारणों की करें तो, जब जब किसी रिश्ते के बीच में मैं का भाव आ जाता है तो है रिश्ता खराब होना निश्चित होता है,उसरिश्ते को तब तक नहीं बचाया जा सकता जब तक की मैं का भाव मिटा न दिया जाए।और यह हमारी आपसी तालमेल पर ही निर्भर करता है कभी हम अपनी गलती माने, कभी सामने वाला अपनी गलती माने, इसी प्रकार से जिंदगी खुशी पूर्वक चलती रहती है। परंतु यदि हम यह सोच कर बैठ जाएंगे कि हम तो गल्ती करते ही नहीं, तो फिर रिश्ता निभाना मुश्किल हो जाएगा। कई बार हमको उस बात के लिए भी सामने वाले से माफी मांग लेनी चाहिए, जिसमें कि हमारा कोई दोष नहीं है,क्योंकि कभी-कभी यह समय की आवश्यकता होती है और बाद में सही समय पर उस व्यक्ति को उसकी गलती का एहसास दिलाया जा सकता है।परंतु यदि अभी लड़ाई चल रही है और हम भी अपनी बात पर अड़ गए, तो फिर विवाद का अंत होना संभव ही नहीं है, विवाद बढ़ता ही चला जाएगा और यह स्थिति हमारे जीवन में अशांति और क्लेश घर कर जाएगा। एक सफल रिश्ते की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है,विश्वास और एक दूसरे पर भरोसा, इसे कभी भी नहीं टूटने देना चाहिए, क्योंकि यदि एक बार किसी का भरोसा आप पर से उठ गया, तो यकीन मानिए फिर दोबारा से उस व्यक्ति को भरोसे में ला पाना असंभव ही होता है वह हमेशा हमें शक की दृष्टि से ही देखेगा। यदि एक बार हमारे जीवन में शक नामक घुन लग गया तो यकीन मानिए फिर वह हमको तबाह करके ही छोड़ता है। पुरानी कहावत है लव रिक्वायर्स टोलरेंस।इसका सीधा अर्थ है प्यार में नजर अंन्दाजी यानि झुकना जरुरी है। यानि अगर झुकोगे नहीं,तो टूट जाओगे(रिश्ता खत्म) ।तलाक के 90 प्रतिशत मामले अकड़ का नतीजा होते हैं। दोनों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं होता। इसलिए रिश्ता टूट जाता है।गलती हुई है,तो सॉरी बोलिए।बात को खत्म करिये।नजर अन्दाज करने की आदत डालिये।छोटी सी गलती को तूल देना अच्छा नहीं!अगर रिश्ता पति पत्नी का है,तो न कोई छोटा है,न कोई बड़ा ।टोकरी शहतूत के पेड़ की टहनी से इसलिए बनती है कि उसमें लचक होती है।वह मोड़ने पर टूटती नहीं ।यानि जो व्यक्ति झुकना नहीं जानता,वह टूट जाता है। इसलिए रिश्ता जिन्दा रखना है,तो झुकना सीखें वरना,एक दिन राख के ढेर में यादों को तलाशते रहजाएंगे ।रिश्तों में एक दूसरे को स्पेस देना बहुत जरूरी है। क्योंकि जब तक हम उनसे दूर नहीं जाएंगे वो आपकी कमी को कभी महसूस नहीं कर पाएंगे।और अगर रिश्तों को बेहतर बनाने की सोच से हम नजदीकियां बढ़ाएगे तो कहीं उलटा ही ना हो जाए,क्योंकि ज्यादा मिठास भी शुगर कर देती है, हाहाहा... इसलिए थोड़ी दूरियां बनाइये ताकि हमारी कमी उन्हें महसूस हो,हमको याद करने का उन्हें अवसर दे। साथियों बात अगर हम रिश्तो को जोड़े रखने की टिप्स को समझने की करें तो, रिश्तो को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा कभी बहरा तो कभी गूंगा होना पड़ता है ?जी हां! यह रिश्ते को ही नहीं आज अपने घर में भी हर बुजुर्ग को बच्चों के साथ रहना, खाना है,तो यह करना चाहिए। यह उपाय हमको हर समस्या से बचाए रखता है।(1) समझदारी-रिश्तों को मजबूती से जोड़ने के लिए समझदारी बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं।(2) संवाद कौशल-सही संवाद कौशल रखना रिश्तों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, जिससे समस्याओं का समाधान हो सकता है।(3)समर्पण-रिश्तों को टिकाऊ बनाए रखने के लिए समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप एक दूसरे के साथ खुशियों और दु:खों का हिस्सा बन सकते हैं। (4) सहमति और समर्थन-रिश्तों में सहमति और समर्थन देना जरूरी है ताकि हर कदम पर आप एक दूसरे के साथ हों। (5) आपसी आत्मविश्वासरिश्तों को मजबूत रखने के लिए आपसी आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है, ताकि आप खुद को और दूसरों कोसमझ सकें।जो लोग रिश्तो के प्रतिवफादार नहीं होते, और उनकी मर्यादा नहीं समझते या उनकी कीमत नहीं समझते, ऐसे लोग अपने रिश्तो को आसानी से तोड़ देते हैं।रिश्ते तोड़ते समय उनके मन में जरा सा भी संकोच या शर्म महसूस नहीं होती क्योंकि ऐसे लोग शर्म और संकोच से परे होते हैं, वह जानते ही नहीं है कि ,शर्म, मर्यादा और संकोच क्या कहलाता है? ऐसे व्यक्तियों से यदि रिश्ता टूट जाता है तो दुख नहीं करना चाहिए,क्योंकि यह व्यक्ति आगे जाकर हमें और ज्यादा परेशान करते हैं।हमें यदि कल परेशान होना है तो ,क्यों ना हम इनके रिश्ते से टूट कर, अभी बिखर कर फिर नए तरीके से संभलकर जीवन को आगे बढ़ाएं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें।खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी.रिश्तों नातों को खुशहाल बनाने आपसी आत्मविश्वास, समर्पण सहमति समर्थन व समझदारी का भाव रूपी अस्त्र की महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

(27 मार्च विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष)

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

- ऋतुपर्ण दवे

वास्त्व में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआई द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थिएटर ऑफ नेशंस सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमों प्रस्तुतियों वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखक नाटककार और निर्देशक थे उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्ष थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता है जो रंगमंच और शांति की संस्कृति यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओं मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है। चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यकता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओं प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिन भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता है जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकर रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है। रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमें हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियां संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी हो कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें। भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के नाट्य शास्त्र द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटक पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्राय: हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है। भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफर आर्ट डायरेक्टर स्क्रिप्ट लेखक सेट डिजाइनरए लाइट साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककार कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैं जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.माने प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष महिलाएं महज कलाकार हैं। शेक्सपियर ने हैमलेट रोमियो जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायक कोई खलनायक कोई विदूषक तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय रंगमंच और शांति की संस्कृति है,जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीख समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माल की मिलगत कमजोर पड़ने की आशंका के बीच गुरूवार को किराना बाजार में शक्कर बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी कायम रही। तिलहनों में सोयाबीन व रायडा बना रहा। दलहनों में चने में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में एनर्जी क्राइसेस के मद्देनजर मिलगत कमजोर रहने की आशंका में बाजार तेजी के रहे। अन्य किराना जिंसों में टिकाव की स्थिति रही। खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकी है। तिलहनों में सोयाबीन व रायडा बना रहा। दलहनों में छुटपुट माँग के बीच चना मजबूती बना गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4170, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3800-7000 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 450-1100, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 2800-2900, (200) 2900-3000, (250) 3000-3100

तेल- सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1770, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1445-1450, सोया रिफाइंड 1500-1510, कपास्या 1390-1400, धूलिया 1400, कड़ी 1400,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700-1730, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1530,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 5800-6200, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5400-5500, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7200-7500, काली मुंछ 8800-9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 227000, चाँदी (99) 226000, टंच 225500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147000,

राम नवमी पर देशभर में अलग-अलग दिनों पर बैंक में रहेगा अवकाश

नई दिल्ली। एजेंसी। राम नवमी के पावन अवसर पर देशभर में धार्मिक उत्साह का माहौल है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह चैत मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आता है, जो इस वर्ष 26 मार्च गुरुवार को पड़ रही है। हालांकि तिथि के अंतर के कारण कई स्थानों पर 27 मार्च को भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बैंक और सरकारी कार्यालयों में अवकाश को लेकर लोगों के बीच काफी उत्सुकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार यह छुट्टी पूरे देश में एक समान नहीं होती, बल्कि राज्यों के आधार पर अलग-अलग दिन लागू होती है।

फिनफ्लुएंसर्स पर सख्ती- सेबी ने गूगल से एआई निगरानी बढ़ाने को कहा

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ती निवेश धोखाधड़ी और भ्रामक कंटेंट को रोकने के लिए टेक कंपनियों के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने बताया कि नियामक ने गूगल से अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)टूल्स और प्रवर्तन उपायों को और प्रभावी बनाने का आग्रह किया है, ताकि ऐसे फाइनेंशियल इन्फ्लुएंसर्स पर नजर रखी जा सके जो नियमों का उल्लंघन करते हैं। सेबी के एक अ?धिकारी ने कहा ?कि सेबी अब तक सोशल मीडिया पर भ्रामक निवेश सलाह से जुड़े एक लाख से अधिक लिंक हटवा चुका है। इसके बावजूद, डिजिटल माध्यमों के तेजी से विस्तार के कारण नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि टेक कंपनियों को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस पहल के तहत सेबी और गूगल ने मिलकर वेरीफाइड ऐप लेब?लिंग की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य निवेशकों को नकली ऐप्स से बचाना है, जो खुद को पंजीकृत बाजार मध्यस्थों के रूप में प्रस्तुत कर लोगों को धोखा देते हैं। अब गूगल प्ले स्टोर पर सेबी पंजीकृत इंटरमीडियरीज, जैसे स्टॉक ब्रोकर्स के ऐप्स पर एक विशेष वेरिफिकेशन टिक मार्क दिखेगा। सेबी के अनुसार अब तक 600 से अधिक ऐप्स को सत्यापित किया जा चुका है और जल्द ही इस सुविधा का विस्तार अन्य इंटरमीडियरीज तक किया जाएगा। यह कदम निवेशकों को सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करने और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

कोटक महिंद्रा बैंक ने सावधि जमा धोखाधड़ी मामले में दर्ज की शिकायत

नई दिल्ली। एजेंसी। पंचकुला नगर निगम से जुड़े सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) में कथित धोखाधड़ी के मामले के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने हरियाणा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बैंक ने कहा कि वह नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत मिलान कर रहा है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि अब तक मिलान से पुष्टि हुई है कि खाता खोलने की प्रक्रिया, केवायसी दस्तावेज और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सही थे और लेन-देन बैंकिंग नियमों के अनुरूप प्रबंधित किए गए। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम के साथ मिलान हो चुका है और प्रक्रिया अब भी जारी है। बैंक ने यह भी कहा कि वह नगर निगम, सरकारी अधिकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहा है। यह मामला हरियाणा सरकार की जमा राशि से जुड़ी अन्य धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच सामने आया है। हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में भी अनियमितताएं पाई गईं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में चंडीगढ़ शाखा में 645 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता चला, जिसमें कर्मचारियों ने जाली दस्तावेज़ और भुगतान निर्देशों मंजूर किए। इसमें शामिल कर्मचारियों को निलंबित किया गया और फोरेंसिक ऑडिट के लिए केपीएमजी नियुक्त किया गया। हरियाणा सरकार ने 18 फरवरी को निजी बैंकों में रखे सरकारी खातों को बंद करने का निर्देश दिया। इसके बाद कई खातों को बंद करने के अनुरोध आए और विसंगतियाँ उजागर हुईं। कोटक महिंद्रा बैंक का मामला अभी जांचाधीन है और बैंक ने धोखाधड़ी की राशि सार्वजनिक नहीं की है।

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं। इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी। इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। भाग्य का साथ मिलने से आपके कामों में सफलता के योग बन रहे हैं और समाज में आपकी अच्छी पहचान भी बनेगी। आपके मित्रों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि आपका मधुर व्यवहार लोगों का दिल जीत लेगा। बस ध्यान रखें कि किसी से भी कटु शब्द न बोलें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए थोड़ा व्यस्तता भरा रह सकता है। कामों की अधिकता के कारण भागदौड़ भी बढ़ेगी। पेट से जुड़ी किसी समस्या को हल्के में न लें और अपने खर्चों को भी जरूरत के अनुसार ही रखें। एक साथ कई काम हाथ में आने से मन में तनाव बढ़ सकता है। पड़ोसियों और आसपास के लोगों से अच्छे संबंध बनाए रखें, क्योंकि समय पड़ने पर वही सबसे पहले काम आते हैं।

मिथुन- आज आपको अपने कामों को योजना बनाकर पूरा करने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में लिए गए फैसले परेशानी बढ़ा सकते हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने के संकेत हैं, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। किसी पुरानी गलती से आपको बड़ा सबक मिल सकता है। मेहनत करने से बिल्कुल भी पीछे न हटें, क्योंकि आपकी मेहनत ही आपको आगे ले जाएगी।

कर्क- आज आपको अपने खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना होगा। अविवाहित लोगों की अपने किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। परिवार में किसी बात को लेकर हल्की नोकझोंक होने की संभावना है, इसलिए प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़े मामलों में वरिष्ठ सदस्यों की राय लेकर ही बोलना बेहतर रहेगा। कोई रिश्तेदार आपसे मिलने आ सकता है। छोटे बच्चों के साथ कुछ समय बिताने से आपका मन भी हल्का होगा और तनाव दूर होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहने वाला है। धन से जुड़ा कोई काम जो लंबे समय से अटका हुआ था, वह आज पूरा हो सकता है। आपकी आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। यदि आपने किसी को पैसा उधार दिया था, तो उसका वापस मिलने के योग हैं। जीवनसाथी की सलाह आपके व्यापार के लिए बहुत लाभदायक साबित हो सकती है।

कन्या- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। यदि आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हों, तो पहले लोगों की बात ध्यान से सुनें और फिर ही प्रतिक्रिया दें। आपके विरोधी आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। खर्चों को लेकर आपको कोई खास परेशानी नहीं होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए धन और समृद्धि में वृद्धि का संकेत दे रहा है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ कुछ खास और रोमांटिक पल बिता सकते हैं। हालांकि किसी पुराने रोग के उभरने से थोड़ी परेशानी हो सकती है, इसलिए बाहर का खाना खाने से बचें। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़ी किसी बड़ी डील को अंतिम रूप देने से पहले अच्छे से सोच लें।

वृश्चिक- आज आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। दिखावे के चक्कर में अनावश्यक खर्च करना बाद में परेशानी दे सकता है। आपकी कोई बात जीवनसाथी को बुरी लग सकती है, इसलिए बातचीत में सावधानी रखें। संतान को लेकर आज आपका रवैया थोड़ा सख्त हो सकता है, क्योंकि आप उन्हें गलत रास्ते पर जाने से रोकना चाहेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप किसी यात्रा की योजना बना सकते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए भी समय निकाल सकते हैं। हालांकि, अपने धन का सही उपयोग करना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा। पारिवारिक मामलों में क्रोध पर नियंत्रण रखें, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। सुख-सुविधाओं की वस्तुओं पर खर्च भी बढ़ सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। चारों ओर का माहौल सकारात्मक रहेगा और आप लोगों की मदद के लिए भी आगे आएंगे। हालांकि आपकी खर्च करने की आदत आपको परेशानी में डाल सकती है, इसलिए थोड़ा संयम रखें। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आपकी अच्छी पहचान बनेगी। किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले अच्छी तरह विचार कर लें। यदि कहीं घूमने जा रहे हैं तो वाहन बहुत सावधानी से चलाएं।

कुंभ- आज का दिन आपको थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। कुछ विरोधी आपके कामों में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए किसी भी अजनबी व्यक्ति से लेन-देन करने से बचें। किसी कानूनी मामले में आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। व्यापार से जुड़ी किसी बड़ी डील को पार्टनरशिप में करने से पहले कई बार सोच लें, क्योंकि आगे चलकर उसे निभाना मुश्किल हो सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। घर में कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान या बिजली का उपकरण आ सकता है। यदि आप किसी काम को लेकर पिताजी से सलाह लें, तो उस पर अमल करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। संतान आपसे किसी खास चीज की मांग कर सकती है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने से मन खुश होगा। हालांकि पारिवारिक मामलों को लेकर मन में थोड़ी चिंता भी बनी रह सकती है।

शब्दजाल - 8210

शब्द जाल में मनमोहन सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डे	जु	शि	या	इ	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	ऊ	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 8209 का हल

[illegible]
सा एं ऊ पु द ब क णी ए श ल्हा
क ग ल प र गी स री ओ प पु
क ग ली प लि जी त ऐ ओ प र
क अ म रा व ती स व र्धा प म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7154

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7153

मु	सा	फि	र	■	ड	कै	त	■	गा
क्ति	■	दा	न	वी	र	■	क्ष	त्रि	य
■	री	■	■	र	■	श	क	■	ब
गु	ना	ह	■	ता	ल	■	■	क	■
म	■	वा	दा	■	ग	र्व	■	सू	र्या
ना	ना	■	मि	ल	न	■	सु	र	■
म	■	सु	नी	ल	■	रा	जा	■	ए
■	ने	हा	■	का	श	■	ता	क	त
क्रो	■	ग	द	र	■	दे	■	■	रा
ध	र्मा	■	म	■	रा	व	ण	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.55 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	08.36 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.34 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.03 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.15 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.26 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.41 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.57 बजे से
		मकर	02.02 बजे से
		कुंभ	03.48 बजे से
		मीन	05.21 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 86 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 10.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 15.24 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 22.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.07 बजे तदनन्तर तैतिल 21.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872661
जूलियन दिन 2461126.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 07
विशेष स्वामीनारायण, संत सुंदरदास जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन का लक्ष्य

एक बार बाल गंगाधर तिलक अपने कुछ मित्रों के साथ बात कर रहे थे। उन दिनों उन्होंने वकालत पास की थी। एक मित्र ने पूछा, 'वकालत तो तुमने पास कर ली है। आगे के लिए क्या सोचा है? क्या अब सरकारी नौकरी करोगे या किसी कचहरी में वकालत?' मित्र की बात सुनकर तिलक बोले, 'अब तुमने पूछ ही लिया है तो सुन लो। मुझे ऐसे पैसे की जरूरत नहीं जो मुझे सरकार का गुलाम बना कर रखे। मैं ऐसी वकालत नहीं करना चाहता, जहां दिन में कई बार झूठ बोलना पड़े।' बात आई-गई हो गई। सभी अपने-अपने कामों में लग गए। कुछ समय बाद एक दिन मित्रों को पता चला कि बाल गंगाधर ने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया है। तनख्वाह थी तीस रुपये महीना। यह सुनकर उस मित्र को सबसे ज्यादा आश्चर्य हुआ जिसने कुछ समय पहले उनका मन जानना चाहा था। उससे रहा न गया। वह अपना काम-धाम छोड़कर तिलक के पास जा पहुंचा। उनके पास जाकर उसने कहा, 'यह क्या किया तुमने? वकालत की डिग्री लेकर अध्यापक क्यों बन बैठे? क्या तुम शिक्षकों की आर्थिक स्थिति के बारे में कुछ नहीं जानते? आज एक अध्यापक समाज के सबसे गरीब व असहाय वर्ग में गिना जाता है। दोस्त ! जब तुम अंतिम सांस लोगे, तब तुम्हारे दाह संस्कार के लिए भी शायद घर में कुछ नहीं होगा। साधारण लकड़ी खरीदने के लिए भी पैसे नहीं निकलेंगे। अब भी वक्त है संभलने का। सरकारी अधिकारी बनो। वकील बनो या इन सब में मन नहीं है तो व्यापार ही कर लो।' मित्र की बात सुनकर तिलक मुस्कुराते हुए बोले, 'मेरे जीवन का लक्ष्य कुछ और है। मैंने जो पेशा चुना है, यह बहुत ही पवित्र है। ईमानदारी वाला है। रही अंतिम समय की बात, तो मेरे दाह संस्कार का प्रबंध नगरपालिका कर देगी। मैं इसकी चिंता क्यों करूं?' तिलक की बात सुनकर मित्र हैरान रह गया। वह मन ही मन तिलक के प्रति श्रद्धा से भर उठा।

सूडोकु नवताल- 7463

★★★✯☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7462 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 8678

बाएँ से दाएँ

1.कंठ,गला-3
3.पक्षियों का शौर-4
5.शारीरिक ऊँचाई-2
6.पाचन शक्ति-3
7.मां की माता-2
8.प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10.रचना करने वाला-5
12.शोरबा,तरी-3
15.खाद्य सामग्री-3
17.दोनों हाथों को पीटना-5
20.भाग्य(अंग्रेजी-2)
22.कदली,एक फल-2
23.उपासना,शीश झुकाना-3
24.घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25.तहखाना-4
26.दया-3

ऊपर से नीचे

1.मर्यादा,सीमा-2
2.कहानी लिखने वाला-5
3.अचरज भरा कार्य-3
4.वर,इच्छित वस्तु देना-4
5.जलजला-3
7.मां के पिता-2
9.चिकनाई-2
11.हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13.बोलने का तरीका-3
14.तमीजवाला-5
15.परंपरा,रिवाज-4
16.राजनीतिक पार्टी-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.नाट्य,कथा मंचन-3
21.कमी-3
24.संबोधन-2

शब्द पहेली - 8677 का हल

■	अ	च	र	ज	■	सु	रु	चि
चा	चा	■	म	ही	ना	■	■	न्त
र	न	र	■	न	व	जी	व	न
■	क	म	ला	■	च	■	■	शी
म	■	ल	त	■	ला	त	■	ल
नो	■	■	मा	■	ना	र	द	■
का	न	भ	र	ना	■	ह	र	म
म	■	■	ना	का	रा	■	क	ण
ना	ट	क	■	म	ह	क	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने मोटर सायकल को मारी टक्कर, चार लोग घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना क्षेत्र में सडक हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला ग्राम इटोरा चौक का है, जहां एक तेज रफ्तार स्कार्पियो और मोटर सायकल की आमने-सामने भिड़ंत में चार लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां सभी को भर्ती कर उपचार किया गया। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोचेवाही निवासी लक्ष्मण यादव उम्र 48 वर्ष के यहां विवाह समारोह में शामिल होने छत्तीसगढ़ के छुईखदान निवासी दर्शन यादव उम्र 60, लखन यादव उम्र 65 एवं उनका एक पोता लांजी पहुंचे थे। इन्हें लेने के लिए लक्ष्मण यादव अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 जेड सी 0982 से लांजी आए थे और सभी को लेकर वापस कोचेवाही जा रहे थे। इसी दौरान भिमोड़ी से लांजी की ओर आ रही स्कार्पियो वाहन क्रमांक एपी 28 डीवी 2594 से ग्राम इटोरा चौक पर उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि उक्त स्कार्पियो वाहन पूनाराम कुचलाहे की है, जो हैदराबाद में ठेकेदारी करते है अष्टमी पूजा के लिए परिवार सहित ट्रेन द्वारा गोंदिया पहुंचे थे और उन्हें लेने वाहन गोंदिया गया था। वापसी के दौरान भिमोड़ी में एक बालिका को छोडने् के बाद स्कार्पियो लांजी लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। वाहन चालक का नाम कैफ बताया जा रहा है। घटना में लखन यादव को दाएं पैर की जांघ में गंभीर चोट आई है, जबकि लक्ष्मण यादव एवं दर्शन यादव को हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारू करते हुए दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो को लांजी थाना लाकर अभिरक्षा में रखा गया है पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा का पांचवीं आठवीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा लांजी जिला बालाघाट का कक्षा पंचम् एवं अष्ठम का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिनमें कक्षा अष्टम् में प्रथम स्थान कु. गहेना धनेन्द्र बनोठ 92.30 प्रतिशत ,द्वितीय स्थान कु. आकांक्षा कैलाश डाहाटे 91.30,तृतीय स्थान खुशी राजेन्द्र नंदनवार 88.8, डिंजल चंदनलाल गजबे 86.5, रागिनी रामकिशोर तरोने 86, नंदनी नैनदास वंजारी 83.6, गौरी दिनेश बिसेन 81.6, अनुष्का शंकर नगपुरे 81.1, वेदिका गणेश टेम्भरे 80.3, वेदिका प्रकाश दहिकर 79.5, विशाखा दिलीप 79.3, तुषार कैलाश लिल्हारे 79.1, निलेश बुधराम रतोने 78.5, कावेरी महेश बागड़े 77.3, जयश्री नरेंद्र पाटिल 77.1, भावना प्रेमलाल पांचे 75.1, तनुजा नरेंद्र हेमने 75 प्रतिशत अंक हासिल विद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सभी भैया बहनों एवं अभिभावकों को विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक बधाई। इसी तरह कक्षा पंचम् में प्रथम स्थान पर कु. खुशी महेश डेकाटे 87, द्वितीय स्थान पर कु. माही संजय नंदनवार 85, तृतीय स्थान पर भैया विहान संतोष झारिया 83.2, अंजली सुरेन्द्र उपराड़े 82.2, समीर विरेंद्र कोल्हे 80.5, जसिक सुरेन्द्र भण्डारकर 78.2, मयंक रविशंकर टेंभरे 77.2, समीर दिलीप चुटे 76.7, पीयूष ठमकलाल बनोठे 75.7, वेदांग चेतनलाल राखड़े 75 प्रतिशत प्राप्त किया, सभी भैया बहनों को मिष्ठान खिलाकर पुष्प गुच्छों अभिनंदन किया गया उक्त अवसर पर विद्यालय के आचार्य परिवार सहित अभिभावकों की उपस्थिति रही, सभी भैया बहनों को विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल, अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, उपाध्यक्ष देवेश ऐड़े, मनोनीत सदस्य रामेश्वर मटाले सहित कोषाध्यक्ष श्यामराव राखड़े ने भैया बहनों एवं अभिभावकों को बधाई प्रेषित की।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव का बोर्ड परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखण्ड अन्तर्गत स्व. श्री महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति द्वारा संचालित अशासकीय विद्यालय एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगाँव से राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं एवं 8वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें कक्षा पाँचवी में 112 छात्रों का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। कक्षा पाँचवी से छात्रा फांशी पिता छोटेलाल बिसेन 91.5 प्रतिशत प्रथम स्थान, छात्र डिंजल पिता सुरेश बेदरे 89.75 प्रतिशत द्वितीय स्थान, छात्रा गीत पिता लिलाधर बापुरे 88.75 प्रतिशत तृतीय स्थान से साथ ही कमशः निहालसिंह पिता विद्यानन्द भटेरे 88 प्रतिशत, लक्ष्य पिता महेश नखाते 87.5 प्रतिशत, रितिक पिता श्यामलाल बेदरे 86.25 प्रतिशत, दक्ष पिता चेतन मेश्राम 85.75 प्रतिशत, रिद्धि पिता प्रहलाद बेदरे 85.75 प्रतिशत, चेतना पिता गुनेश मेण्ढेकर 85.5 प्रतिशत, लोकांश पिता विनोद बेदरे 85.25 प्रतिशत, गोनिष पिता चिन्तामन मिसारे 85.25 प्रतिशत, नैतिक पिता सुरेश रावते 85.25 प्रतिशत, कनक पिता महेश बढाई 85 प्रतिशत, खुशबु पिता जागेश्वर बापुरे 85 प्रतिशत, रूही पिता रामकिशोर कुशले 85 प्रतिशत। वैसे ही कक्षा आठवी में 48 छात्रों में से 47 छात्र उत्तीर्ण हुये कक्षा में छात्रा धारिता पिता ओमकार बिसेन 93.16 प्रतिशत प्रथम स्थान, छात्रा वैष्णवी पिता नरेन्द्र बिसेन 91.5 प्रतिशत द्वितीय स्थान, श्रुती पिता संजय कबीरे 90.83 प्रतिशतएवं सृष्टि पिता मनोज अवसरे 90.83 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त किये साथ ही कमशः एकता पिता महेश कालबेले 90 प्रतिशत, हिमांशी पिता लिलाधर बारबुधे 89.66 प्रतिशत, दिपाली पिता रिद्धिराज धनवले 88.5 प्रतिशत, दिपाली पिता बिरबल नाकतोडे 87.66 प्रतिशत, प्रिंस पिता श्रावण कस्बे 87.16 प्रतिशत, हेमा पिता गोपीचन्द मसराम 86.33 प्रतिशत, किर्ती पिता पुरुषोत्तम बिसेन 86.16 प्रतिशत, वैशु पिता शेवेन्द्र तुरकर 86.16 प्रतिशत, कोमल पिता तपेश्वर बल्ले 86 प्रतिशत, अंशुमन पिता अखिलेश नाकतोड़े 85 प्रतिशत प्राप्त किये। छात्रों के बेहतर परीक्षा परिणाम व सफलता पर स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष बलराम बड़घैया, उपाध्यक्ष सुभाष कुशले, सचिव राजाराम कुशले स्कूल संचालक ए. आर. कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले विषय शिक्षक रोहित चंदेल, सुभम मेश्राम, नरेन्द्र कटरे, सुरेन्द्र देवाहे, रानू दखने, मोनिका कर्राहे, यशोदा कलपुरे सहित पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने एवं कार्यालय स्टाफ कमलेश ठाकरे, कु. सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े व समस्त शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये बधाई प्रेषित की है।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ सात दिवसीय श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ

पद्मेश न्यूज। लांजी । दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) की नागपुर शाखा एवं गोंदिया व आमगांव परिवार द्वारा आमगांव में एक भव्य सात दिवसीय श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसका 26 मार्च को सुबह भव्य शोभायात्रा निकालकर शुभारंभ किया गया। सुबह 10 बजे काली मंदिर से कलश शोभायात्रा निकाली गई, भव्य कलश यात्रा के साथ ही राम दरबार की झांकी, राम, लक्ष्मण, सबरी की झांकी एवं परम पूज्य दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की झांकी सजाई गई थी। यह कलश शोभायात्रा यात्रा काली मंदिर से प्रारंभ होकर बनिया मोहल्ला, राम मंदिर, पोलिस स्टेशन, आंबेडकर चौक, गांधी चौक, शीतला मंदिर, कामता चौक होते हुए लगभग 4 किलोमीटर का भ्रमण करते हुए दोपहर 12 बजे लांजी रोड आमगांव कथा स्थल पर पहुंच कर समाप्त हुईं। इसी के साथ सात दिवसीय श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ हुआ। यह पावन आयोजन 02 अप्रैल 2026 तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलेगा। कथा का दिव्य वाचन सुश्री पद्महस्ता भारती जी (परम पूज्य दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या) द्वारा किया जाएगा।

संस्थान के अनुसार, श्री राम का जन्म और उनकी लीलाएँ दोनों ही दिव्य हैं। श्री राम अनादि हैं, जो सृष्टि के प्रत्येक कण में रमण करते हैं और हर जीव के प्राणाधार हैं। इस ज्ञानयज्ञ में भक्तजनों को श्री राम कथामृत के माध्यम से इन दिव्य रहस्यों का उद्घाटन होगा। विभिन्न प्रसंगों, भजनों के साथ-साथ आध्यात्मिक मूल्यों की सरल विवेचना और धर्म के गूढ़ रहस्यों को समझने का अनुपम अवसर मिलेगा। यह कथा परम आनंद प्रदान करने वाली होगी।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान आश्रम, नागपुर एवं दिव्य ज्योति परिवार आमगांव, गोंदिया ने इस भक्ति और ज्ञान के महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की।

गैस संकट से होटल-रेस्टारेंट कारोबारी परेशान

पद्मेश न्यूज। लांजी। दूर कहीं चल रही जंग अब आम आदमी की थाली तक असर डाल रही है। लांजी में गैस संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक घटनाएं अब सीधे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने लगी हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला तो यह संकट और गहराने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल और अमेरिका युद्ध का असर अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय राजनीति या बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी तपिश छोटे कस्बों की रोजमर्रा की जिंदगी तक महसूस की जाने लगी है। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने, गैस और ईंधन की किल्लत बढने् और सप्लाई चेन में आई रुकावटों के बीच देश के भीतर भी हालात बदलते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों को आपात परिस्थितियों के लिये तैयार रहने का संदेश भी चर्चा में है। इन तमाम घटनाक्रमों के बीच बालाघाट जिले के लांजी तहसील क्षेत्र में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई ठप होने से होटल और रेस्टारेंट व्यवसाय पर सीधा असर पड़ा है। जहां एक ओर रसोई की आग ठंडी पड़ती जा रही है, वहीं दूसरी ओर इस व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि कहीं रेस्टारेंट सीमित मेन्यू के साथ जुगाड़ से चल रहे हैं, तो कहीं संचालकों ने ताले

लगाने का निर्णय ले लिया है। वहीं अब इसका सीधा असर होटल-रेस्टारेंट व्यवसाय, रोजगार और आम उपभोक्ताओं की जेब-तीनों पर इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों में यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो इसका असर स्थानीय बाजारों पर और अधिक गहरा सकता है।

गैस खत्म, भविष्य अनिश्चित.....

लांजी-भिलाई मार्ग स्थित फू ड कैपिटल के संचालक प्रताप लिल्हारे ने बताया कि दो दिन बंद रहने के बाद 25 मार्च को रेस्टारेंट खोला गया, लेकिन यह सिलसिला कब तक चलेगा, इसकी कोई निश्चितता नहीं है। उनके अनुसार फि लहाल उनके पास महज दो दिनों का गैस स्टॉक बचा है, जिसके बाद संचालन जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

चूल्हे-भट्टी पर सिमटा मेन्यू....

बालाघाट मार्ग स्थित आनंदी रेस्टारेंट के संचालक चंद्रकांत वंशपाल ने संकट से निपटने के लिये पारंपरिक तरीका अपनाया है। उन्होंने गैस के बजाय लकड़ी की भट्टी और चूल्हे पर खाना बनाना शुरू कर दिया है। हालांकि इस कारण रेस्टारेंट का मेन्यू पूरी तरह बदल गया है- अब सिर्फ वही व्यंजन उपलब्ध हैं जो चूल्हे पर आसानी से बन सकते हैं। फास्ट फूड और त्वरित पकने वाले आइटम फिलहाल ग्राहकों को नहीं मिल पा रहे हैं।

गुणवत्ता से समझौता नहीं, रेस्टारेंट बंद...

नगर के प्रमुख एफ एंड डी रेस्टारेंट के संचालक रविंद्र धारने ने स्पष्ट रूप से कहा कि गैस की पर्याप्त आपूर्ति न मिलने के कारण उन्होंने फिलहाल रेस्टारेंट बंद करने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि ग्राहकों को जिस स्तर का स्वाद और गुणवत्ता देने की अपेक्षा रहती हैए वह वर्तमान परिस्थितियों में संभव नहीं है, इसलिए व्यवसाय बंद रखना ही उचित विकल्प है।

जुगाड़ के सहारे टिके छोटे व्यापारी....

गैस संकट का सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों पर देखने को मिल रहा है। जो लोग 5 किलो के छोटे सिलेंडरों पर निर्भर हैंए उनके लिये स्थिति और भी गंभीर हो गई है। कोई डीजल भट्टीए तो कोई इलेक्ट्रिक साधनों का सहारा लेकर काम चला रहा है, वहीं कुछ लोग घरों से भोजन तैयार कर बेचने को मजबूर हैं।

कर्मचारियों पर मंडराया रोजगार संकट

होटल और रेस्टारेंट व्यवसाय में काम करने वाले कर्मचारियों के लिये यह संकट सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। काम कम होने या रेस्टारेंट बंद होने की स्थिति में उनकी आय प्रभावित हो रही है, जिससे उनके परिवार की आजीविका पर भी संकट गहराने लगा है।

क्या कहतें है गैस एजेंसी के संचालक....

इंडेन गैस एजेंसी के संचालक विवेक बोरकर ने बताया कि घरेलू उपयोग के लिये गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से की जा रही है, लेकिन कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई फिलहाल पूरी तरह बंद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन के निर्देशों के अनुसार ही आगे आपूर्ति की जाएगी।

नगर गौरव दिवस पर आज लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी द्वारा शासन के निर्देशानुसार हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 27 मार्च 2026 को नगर गौरव दिवस के रूप में मनाने जा रही है। नगर गौरव दिवस के अवसर पर आज शुक्रवार को रात्रि 09.00 बजे से वीरांगना रानी अवंती बाई मिनिस्टेडियम, लांजी में भव्य लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में लोक नृत्य, लोक गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जो नगरवासियों के लिए एक यादगार शाम साबित होंगी। नगर परिषद लांजी ने समस्त नगरवासियों, आमजनों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे 27 मार्च 2026 को रात्रि 9 बजे कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर नगर गौरव दिवस मनाने में भाग लें और निकाय को अपना सहयोग प्रदान करें।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला के कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के आदेशानुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला का कक्षा 9वीं एवं 11वीं परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कक्षा 9 वीं का परीक्षा परिणाम 59.7 प्रतिशत तथा कक्षा 11 वीं का परीक्षा परिणाम 60.62 प्रतिशत रहा। जिसमें कक्षा 11वीं कला से 53.6 प्रतिशत तथा साइंस से 89.7 प्रतिशत छात्र सफल हुए। कक्षा 9 वीं में प्रथम स्थान नमन कटरे संजय कटरे 97 प्रतिशत, द्वितीय स्थान नियती दशरिया रामकिशोर दशरिया 94.67 प्रतिशत, तृतीय स्थान आस्था अवसरे रामनिवास अवसरे 94.17 प्रतिशत का रहा इसी प्रकार कक्षा 11वीं जीवविज्ञान समूह में प्रथम स्थान गरिमा लिल्हारे भागीरथ लिल्हारे 92 प्रतिशत, द्वितीय स्थान रेवती टांडेकर मनोज टांडेकर 76.6 प्रतिशत, तृतीय स्थान वर्षा नगपुरे राजेन्द्र नगपुरे 74.6 प्रतिशत । गणित समूह में प्रथम स्थान जतिन पिछोरे पुनाराम पिछोरे 96.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान दिव्या गेडाम खेमेश्वर गेडाम 93.2 प्रतिशत, तृतीय स्थान राज मस्करे देवेन्द्र मस्करे 92.4 प्रतिशत ,कला समूह में प्रथम स्थान पूनम मेश्राम लक्ष्मीनारायण मेश्राम 85.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान नंदनी फुंडे यशवंत फुंडे 85.6 प्रतिशत, तृतीय स्थान शीतल मातरे सुनील मातरे 82.4 प्रतिशत ने प्राप्त किया। प्राचार्य गणेश फरदे एवं समस्त स्टाफ ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा अनुत्तीर्ण छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे निराश नहीं हो उन्हें शासन द्वारा एक अवसर दिया गया है जिसकी परीक्षा जून माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित होगी ।नवीन शिक्षा -सत्र 2026-27 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहा है जिसकी तैयारी चल रही है। वर्तमान में शाला में प्रवेश प्रारंभ है इच्छुक छात्र छात्राएं प्रवेश ले सकते हैं। व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत शाला में कक्षा 9 वीं में इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर तथा 11 वीं में ड्रोन तथा वेब डेवलपर की कक्षाएं संचालित है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट होंगे आधार कार्ड

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सहयोग से प्रदेश के स्कूलों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विद्यार्थियों के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार शिविर का अगला चरण एक अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विद्यालय परिसर में ही आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। यह कार्यक्रम 18 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 के बीच दो चरणों में आयोजित किया जा चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिला था।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट को पूर्ण करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार अभियान का अगला चरण प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर 15 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

500 से अधिक ऑपरेटर्स का किया गया है चयन

आधार शिविरों के कुशल संचालन के लिए लगभग 500 से अधिक ऑपरेटर्स का चयन किया गया है। इसके साथ ही इस सबंध में शालाओं के प्रधानाध्?यापकों को निर्देशित भी किया गया है कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिये जागरूक करें और इसके लिए एक रोस्टर बनाएं।

स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। जिसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आइरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब बच्चा 15 वर्ष का हो जाए। दूसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर नि:शुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होता है।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत अपार आईडी (अपार आईडी) बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। अपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहित, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। अपार आईडी के लिए महत्वपूर्ण है कि स्कूलों द्वारा अपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए।

स्कूल एडमीशन, प्रवेश परीक्षा, स्कॉलरशिप और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रोग्राम जैसी सर्विस पाने के लिए स्टूडेंट के पास मौजूदा बायोमेट्रिक्स वाला आधार होना ज़रूरी है। स्टूडेंट्स के लिए सबसे नए बायोमेट्रिक्स वाला अपडेटेड आधार भी ज़रूरी है, क्योंकि एनटीए, यूपीएससी, जेईई, एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने और परीक्षा केन्?द्रों में आगे एंट्री के लिए मोबाइल नंबर से जुड़ी आधार विवरण आवश?यक होता है। अपडेटेड आधार से स्टूडेंट की अपार आईडी भी आसानी से बन जाती है।

पहले चरण में 2000 से अधिक स्कूलों में लगा था शिविर

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए, मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (यूआईडीएआई) के सहयोग से विद्यार्थी के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार पहल शुरू की गई है। पहले चरण में प्रदेश के 2000 से ज़्यादा विद्यालयों में एमबीयू कैंप लगाए गए थे, जिनमें 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने आधार में बायोमेट्रिक्स अपडेट किए थे।

असम-बंगाल चुनाव में मप्र पुलिस की बड़ी जिम्मेदार

- 15 आईपीएस और 4 हजार जवान तैनात, एसएएफ की 40 कंपनियां भेजी

भोपाल। असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश पुलिस को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रदेश से करीब 4 हजार जवान और 15 आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया गया है। ये सभी पहले असम में अपनी सेवाएं देंगे और वहां मतदान संपन्न कराने के बाद पश्चिम बंगाल के लिए रवाना होंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव की घोषणा के बाद मध्यप्रदेश से विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की 40 कंपनियां भेजी गई हैं। प्रत्येक कंपनी में लगभग 90 से 100 जवान शामिल हैं। इस तरह कुल मिलाकर लगभग 4 हजार सशस्त्र जवान चुनाव ड्यूटी में लगाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, इन कंपनियों को इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर से विशेष ट्रेनों के माध्यम से रवाना किया गया। सभी जवान असम पहुंच चुके हैं और वहां अपनी तैनाती संभाल ली है। असम में 9 अप्रैल को होने वाले मतदान के दौरान ये फोर्स सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। मतदान संपन्न होने के बाद ईवीएम को सुरक्षित स्ट्रॉन्ग रूम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं के पास रहेगी। इसके बाद यही फोर्स पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए तैनात की जाएगी।

एआईजी स्तर के अधिकारी भी ड्यूटी में शामिल

फोर्स के साथ वरिष्ठ अधिकारियों की भी तैनाती की गई है, ताकि जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय और निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इनमें एआईजी टीके विद्यार्थी, कमांडेंट गुरुकरण सिंह, सुनील तिवारी, सिद्धार्थ चौधरी और संजीव सिन्हा शामिल हैं, जो पूरे अभियान की कमान संभालेंगे। इसके अलावा, मध्यप्रदेश के 10 आईपीएस अधिकारियों को विभिन्न राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी भी दी गई है। इनमें अभय सिंह, इरशाद वली, सुशांत कुमार सक्सेना, डॉ। आशीष और कुमार सौरभ प्रमुख हैं।

जांच रिपोर्ट ने खोली भ्रष्टाचार की पोल खोल, इंजीनियरों की घोर लापरवाही उजागर

कारम बांध का फूटना प्राकृतिक नहीं मानवीय आपदा थी

भोपाल। धार जिले के कारम बांध का फूटना प्राकृतिक नहीं मानवजनित आपदा थी। इसमें हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती गई। बांध निर्माण संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया। तत्कालीन कार्यपालन यंत्री बीएल निनामा को पदीय दायित्वों और अनुबंध का निष्पादन कैसे किया जाता है, उसका समुचित ज्ञान नहीं है। वह वरिष्ठ अभियांत्रिकीय दायित्व के निर्वहन के लिए योग्य अधिकारी प्रतीत नहीं होते हैं। यह बात जल संसाधन विभाग के तत्कालीन सचिव और जांचकर्ता अधिकारी जान किंग्सली एआर ने अपनी रिपोर्ट में कही है। उधर, प्रदेश कांग्रेस ने रिपोर्ट के हवाले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर विभागीय मंत्री तुलसीराम सिलावट को मंत्री पद से हटाने और आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2022 में निर्माणाधीन बांध के क्षतिग्रस्त होने से ना केवल प्रदेश को वित्तीय हानि हुई बल्कि आसपास के लोगों के जीवन पर खतरा मंडराने लगा था। डाउनस्ट्रीम क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा। लगभग एक सप्ताह तक राहत एवं बचाव कार्य चलाने पड़े।

सितंबर 2022 में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निलंबित कर विभागीय जांच प्रारंभ की गई। प्रभारी मुख्य अभियंता सीएस घटोले, तत्कालीन अधीक्षण यंत्री धार पी जोशी, तत्कालीन कार्यपालन अधिकारी बीएल निनामा, अनुविभागीय अधिकारी धामनोद विकार अहमद सिद्दीकी और तत्कालीन उप यंत्री विजय कुमार जत्थाप के विरुद्ध आरोप प्रमाणित पाए गए। उपयंत्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार राम और दशावन्ता सिसोदिया के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं पाए गए। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आरोपित इंजीनियरों ने इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी अपने पक्ष में तर्क दिया कि बांध सुरक्षित था। रिपोर्ट के इस निष्कर्ष को आधार बनाकर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रहीं संगीता शर्मा ने प्रधानमंत्री को रिपोर्ट के निष्कर्ष के हवाले से पत्र लिखा कि गंभीर आरोपों के बाद संबंधित निलंबन से बहाल कर जल संसाधन विभाग की महत्वपूर्ण तकनीकी संस्था ब्यूरो ऑफ डिजाइन (बोधी) में संचालक (बांध) का प्रभार दे दिया गया। यह मामला केवल बांध की तकनीकी विफलता का नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा और शासन व्यवस्था की जवाबदेही से जुड़ा हुआ है, इसलिए मंत्री जल संसाधन तुलसीराम सिलावट की जवाबदेही तय की जाना चाहिए।

मोदी सरकार की विफल विदेश नीति और भ्रामक बयानों से देश संकट में जीतू पटवारी

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (जीतू पटवारी ने देश में उत्पन्न पेट्रोल-डीजल संकट और आमजन में फैल रही भय की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विफल विदेश नीति और गैर-जिम्मेदाराना बयानों के कारण आज देश की जनता अनावश्यक संकट का सामना कर रही है।

पटवारी ने कहा कि भारत की पारंपरिक गुटनिरपेक्ष नीति, जो देश के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी, उसे वर्तमान सरकार ने कमजोर किया है। व्यक्तिगत छवि निर्माण और अंतरराष्ट्रीय नेताओं, विशेषकर ट्रंप के साथ दिखावे के संबंधों के कारण देश की कूटनीतिक संतुलन नीति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संसद में दिए गए प्रधानमंत्री के बयान, जिसमें संभावित संकट की आशंका जताई गई, उससे देशभर में भय का माहौल बन गया है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर भाजपा के नेता और प्रशासनिक अधिकारी इस तरह के किसी संकट से इनकार कर रहे हैं, जो सरकार की असंगत

और भ्रमित स्थिति को दर्शाता है।

पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले ही देश को आगाह किया था कि सरकार की नीतियां देश को संकट में डाल सकती हैं, और आज वह चेतावनी सच साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर परिस्थिति में देश और प्रदेश की जनता के साथ खड़ी है। इस समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे आमजन की मदद करें, उन्हें सहयोग प्रदान करें और हर संभव तरीके से राहत पहुंचाने का प्रयास करें।

पटवारी ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह देश में फैल रही आशंका और संकट की स्थिति को स्पष्ट करे, पारदर्शिता बरते और आम जनता को राहत देने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए।

गैस सिलेंडर की दिक्कत के बीच महंगाई का झटका

मप्र में बिजली की दरें 4.80 प्रतिशत बढ़ीं

भोपाल। रसोई गैस सिलेंडर और पेट्रोल डीजल की मारामारी के बीच अब मध्य प्रदेश के उपभोक्ताओं को बिजली का झटका भी लगा है। बिजली कंपनियों के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग ने मुहर लगाते हुए मध्य प्रदेश में बिजली की दरों में इजाफा कर दिया है। मध्य प्रदेश में अब बिजली का बिल आपकी जेब पर और भारी पडने वाला है। मध्य प्रदेश में बिजली की दरों में 4.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। नए रेट एक अप्रैल से लागू होंगे। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नया टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, इस बार घरेलू, गैर-घरेलू, औद्योगिक और कृषि सभी श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं।

नए टैरिफ आदेश में लो टेंशन उपभोक्ताओं को राहत मिली है,

जिनके लिए न्यूनतम शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इससे छोटे और कम खपत वाले उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम होने की उम्मीद है।

घरेलू उपयोग में पुराना स्लैब ही

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पहले की तरह स्लैब सिस्टम लागू रहेगा, जिसमें कम खपत पर कम और अधिक खपत पर ज्यादा दर से बिल लिया जाएगा। वहीं, गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लोड और खपत के आधार पर रेट लगेगा। इंडस्ट्रियल कस्टमर के लिए स्थायी शुल्क और ऊर्जा शुल्क अलग-अलग तय किए गए हैं जबकि कृषि उपभोक्ताओं को चरणबद्ध दरों के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

ईवी स्टेशन के उपयोग में 20 प्रतिशत की छूट

इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए भी नए टैरिक आदेश में विशेष प्रावधान किए गए हैं। ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली उपयोग पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी जबकि अन्य समय में 20 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

केंद्र की अधिसूचना नुकसान करेगी 5 लाख पेंशनर्स को

- अधिसूचना के विरोध में पीएम के नाम ज्ञापन, पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

भोपाल । केंद्र सरकार की अधिसूचना के विरोध में प्रदेश के पेंशनर्स संगठनों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। संगठन का कहना है कि नए प्रावधान लागू होने पर करीब 5 लाख पेंशनरों को नुकसान हो सकता है और असमानता बढ़ेगी। पेंशनर्स एसोसिएशन ने 29 मार्च 2025 को जारी अधिसूचना को नुकसानदायक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है।

संगठन के अनुसार पेंशन पात्रता और सेवानिवृत्ति तिथि के आधार पर किए गए नए वर्गीकरण से पुराने पेंशनरों को लाभ कम मिल सकता है। पेंशनर्स ने मांग की है कि सातवें वेतन आयोग के दौरान लागू व्यवस्था के आधार पर ही सभी को समान लाभ दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

ज्ञापन में 'डीएस नाकारा केस' का जिक्र करते हुए कहा गया कि पेंशन सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा है और इसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए। संगठन ने 25 मार्च 2025 के वित्त विधेयक में किए गए प्रावधानों को सामाजिक सुरक्षा नीति के विपरीत बताया है। ऐसे में अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने विरोध में 25 मार्च 2026 को काला दिवस मनाया गया। विभिन्न राज्यों के संगठनों ने इसका समर्थन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि सरकार पेंशनरों की मांगों पर विचार कर सकारात्मक निर्णय लेगी।

भाजपा ने शासन को भेजी एल्डरमैनों की सूची

प्रदेश के नगरीय निकायों में जल्द होगी एल्डरमैनों की नियुक्ति

भोपाल (ईएमएस)। मप्र में अब जल्द ही एल्डरमैनों की नियुक्ति होगी। भाजपा ने सूची बनाकर शासन को भेज दी है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही एल्डरमैनों की नियुक्त की जाएगी। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में पहले एल्डरमैनों के नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी हो गई। तय किया गया है कि पहले नियुक्त आदेश जारी होंगे और इसके बाद पुलिस वेरिफिकेशन की जाएगी। इसके लिए कार्योत्तर अनुमोदन बाद में ले लिया जाएगा। राज्य सरकार ने एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के 1800 से अधिक नामों की फाइनल सूची पर मुहर लगा दी है। इनमें ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी गई है जो नगरीय निकायों में प्रशासनिक और नगर पालिका व नगर पालिका अधिनियम के जानकार हैं। पार्टी संगठन ने विधायकों से नाम मांगे थे।

बता दें कि मोहन सरकार बनने के बाद से ही भाजपा कार्यकर्ताओं को इसका इंतजार था। इसमें अन्य दलों से आए नेताओं को समायोजित किया जाएगा। वर्ष 2027 में नगरीय निकाय चुनाव होना है ऐसे में एल्डरमैनों को सवा डेढ़ साल का समय मिलेगा। प्रदेश के नगरीय निकायों में प्रशासनिक और नगर पालिका व नगर पालिका अधिनियम के जानकारों को एल्डरमैन के रूप में नियुक्त करने का प्रविधान है। एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में भाग ले सकते हैं, लेकिन उनके पास परिषद में मत का अधिकार नहीं होता है। आमतौर पर क्षेत्र के सक्रिय पार्टी कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन नियुक्त करने के लिए संगठन की ओर से नाम प्रस्तावित किए जाते हैं। परिषद के कार्यकाल तक इनका भी कार्यकाल रहता है।

निगम-मंडलों में भी नियुक्ति का इंतजार

मध्य प्रदेश के भाजपा नेताओं को निगम-मंडलों में नियुक्ति का भी इंतजार है। इनमें पूर्व मंत्री व कांग्रेस से आकर चुनाव जीतने वाले नेताओं की नियुक्त की जा सकती है। कई वरिष्ठ नेताओं को 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत मिलने के बाद कैबिनेट में नहीं लिया गया था, ऐसे नेताओं को भरोसा था कि अब उन्हें मंत्री बनाया जा सकता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कई बार टलते-टलते अब निगम-मंडलों में नियुक्तियों का सही समय आ गया है। ऐसे में निगम मंडलों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष की नामों की सूची भी जल्द आ सकती है। बता दें कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस संबंध में दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा भी की है ताकि क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधा जा सके। मध्य प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में जनभागीदारी समितियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया की जा रही है। इन समितियों में भी कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों को शामिल करने के लिए विधायकों की पसंद के अनुसार नामों पर विचार किया जा रहा है।

भोपाल की करोंद मंडी 8 दिन बंद रहेंगी

भोपाल । भोपाल की करोंद अनाज मंडी 10 में से 8 दिन तक बंद रहेगी। 27 मार्च से 5 अप्रैल के बीच मंडी सिर्फ 2 दिन ही खुलेगी। ऐसे में किसान अपना अनाज नहीं बेच पाएंगे। भोपाल ग्रेन मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजीव जैन ने बताया कि 27 मार्च, शुक्रवार से ही मंडी बंद हो जाएगी। इस दिन रामनवमीं है। 28 मार्च को बैंक अवकाश, 29 मार्च को रविवार की छुट्?टी और 30 मार्च को महावीर जयंती की वजह से मंडी बंद रखी जाएगी।

प्रवक्ता एवं मंडी व्यापारी जैन ने बताया, 4 दिन बाद 31 मार्च को मंडी खुलेगी। इस दिन व्यापारी लेन-देन कर सकेंगे, लेकिन इसके बाद मंडी फिर से बंद रखी जाएगी। 1 अप्रैल को बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी होगी। वहीं, 2 अप्रैल को हनुमान जयंती, 3 अप्रैल को बैंक अवकाश है। 4 अप्रैल को शनिवार के दिन मंडी जरूर खुलेगी, लेकिन 5 अप्रैल को रविवार की छुट्?टी होने से फिर से बंद हो जाएगी। इस तरह 10 में से 8 दिन मंडी बंद रहेगी, जबकि दो दिन ही खुल सकेगी।

गेहूं की आवक 5 हजार बोरी

वर्तमान में मंडी में गेहूं की आवक 5 हजार बोरी तक है। यह कम है, क्योंकि किसानों को रेट 2200 से 2300 रुपए प्रति क्विंटल तक मिल रहे हैं। अप्रैल में सरकार गेहूं की सरकारी खरीदी शुरू कर देगी। इसलिए किसान सरकारी खरीदी के लिए रुका है।

भोपाल-इंदौर कमिश्नरेट में बड़ा बदलाव

4 साल बाद भरे जाएंगे एसीपी लीगल के पद, अपराधियों पर कसेगा कानूनी शिकंजा

भोपाल। भोपाल और इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पेशेवर बनाने की दिशा में अहम बदलाव की तैयारी है। दोनों कमिश्नरेट में अब एसीपी (लीगल) के पद भरे जाएंगे, जो एसीपी कोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई का जिम्मा संभालेंगे। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद सभी एसीपी कोर्ट संबंधी कार्य एसीपी (लीगल) के माध्यम से ही संचालित होंगे। वहीं सब डिवीजन में पदस्थ एसीपी पर थानों की मॉनिटरिंग का जिम्मा बढ़ेगा।

इस संबंध में दोनों कमिश्नरेट ने पुलिस मुख्यालय के सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखकर एसीपी (लीगल) के पद शीघ्र भरने की मांग की है। अधिकारियों का मानना है कि इससे कोर्ट कार्य और फील्ड ड्यूटी के बीच स्पष्ट विभाजन होगा, जिससे दोनों ही क्षेत्रों में कार्यकुशलता बढ़ेगी। कमिश्नरेट में एसीपी लीगल के दो पद रिक्त, चार साल से खाली कमिश्नरेट व्यवस्था में एसीपी लीगल के दो पद हैं, लेकिन भोपाल-इंदौर में लंबे समय से ये पद रिक्त हैं। भोपाल कमिश्नरेट के शुरुआत दौर में एसीपी चंद्रशेखर पांडे को पहला एसीपी लीगल नियुक्त किया गया था, करीब तीन महीने बाद ही उनका स्थानांतरण हुआ और पद तभी से रिक्त हैं। यदि अगले महीने तक पदों पर नियुक्ति होती है तो यह पहली बार होगा कि दोनों एसीपी लीगल के पद भरे जाएंगे।

दो-दो जोन संभालेंगे दो एसीपी लीगल

भोपाल कमिश्नरेट चार जोन में विभाजित है। यदि दोनों एसीपी लीगल के पदों पर नियुक्ति हो जाती है तो दोनों एसीपी अधिकारियों को दो-दो जोन की जिम्मेदारी मिलेगी। एक एसीपी जोन-1 और जोन-2 के लिए पदस्थ किए जाएंगे और इन जोन के अंतर्गत आने वाले एसीपी कोर्ट में सुनवाई करेंगे, जबकि जोन-3 व जोन-4 की जिम्मेदारी दूसरे एसीपी को होगी।

कम होगा सब डिवीजन एसीपी का बोझ

नई व्यवस्था के तहत सब डिवीजन के एसीपी अधिकारियों को अब पूरी तरह मैदानी पुलिसिंग और थानों की मॉनिटरिंग पर फोकस करना होगा। वर्तमान में एसीपी को कोर्ट पेशियों और कानूनी प्रक्रियाओं में भी समय देना पड़ता है, जिससे फील्ड में उनकी सक्रियता प्रभावित होती है। एसीपी (लीगल) की नियुक्ति के बाद यह बोझ कम होगा और वे कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जांच की निगरानी पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

एसीपी कोर्ट में इस तरह के प्रकरणों की होती है सुनवाई

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत एसीपी कोर्ट में मुख्य रूप से शांति और कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रकरणों की सुनवाई होती है। इनमें शांति भंग की आशंका में बाउंड ओवर की कार्यवाही, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी और आदतन अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई शामिल है। इसके अलावा सार्वजनिक शांति भंग, जमानत शर्तों के उल्लंघन और सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े मामलों की सुनवाई भी एसीपी कोर्ट में की जाती है।

दिग्विजय ने अयोध्या में पहली बार किए रामलला के दर्शन

भोपाल। एमपी के पूर्व सीएम और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने पहली बार आज गुरुवार को यूपी के अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री से मुलाकात करने उनके आवास पहुंचे। राम मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद यह दिग्विजय सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे और उन्होंने रामलला के दर्शन किए।

दिग्विजय सिंह ने अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के बाद कहा- कांग्रेस में हर व्यक्ति अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करता है। हम धर्म का दुरुपयोग न तो व्यवसाय के लिए करते हैं न राजनीति के लिए करते हैं। कोई किसी भी धर्म का व्यक्ति क्यों न हो चाहे हिन्दू हो, मुसलमान हो, सिख हो, चाहे पारसी हो या ईसाई हो, हर व्यक्ति अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करता है। लेकिन उसका राजनैतिक दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। धर्म का दुरुपयोग व्यवसाय के लिए नहीं करना चाहिए।

ईरान-इजराइल युद्ध को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह सब देख रहे हैं कुकिंग गैस के लिए और पेट्रोल पंपों पर भीड़ लगी हुई है। जब प्रभु का बुलावा आता है तो हर व्यक्ति आ जाता है। वहीं, आप प्रभु राम के यहां आएं और हनुमान जी के दर्शन न करें ऐसा तो संभव नहीं हैं।

राज्यसभा सीट मांगने गए दिग्विजय

दिग्विजय सिंह के अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पर बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा दिग्विजय सिंह भगवान से अपनी राज्यसभा सीट जाने के बाद तरह तरह से प्रयास कर रहे हैं। मुझे लगता है कि या तो वे उसी राज्यसभा सीट को मांगने गए हैं या फिर गांधी परिवार पर प्रेशर बनाने गए हैं।

—राशिद की फॉर्म चिंता का विषय, सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत—

IPL: गिल की कप्तानी में गुजरात की नजरें दूसरी ट्रॉफी जीतने पर

नई दिल्ली,एजेंसी। गुजरात टाइटंस ने 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में अपने पहले ही सीजन में आईपीएल का खिताब जीता था। अब टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है जो भारत के टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं। अब गिल की कप्तानी में टीम को दूसरे खिताब की तलाश है।

गिल पर आईपीएल में नजरें होंगी क्योंकि टी20 प्रारूप में पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिस कारण वह टी20 विश्व कप टीम में भी जगह नहीं बना सके थे। गुजरात को अपनी कप्तानी में चैंपियन बनवाने के लिए वह शांत रहकर आत्मविश्वास पाना चाहते हैं।

आईपीएल 2026 का सीजन से गिल भारतीय टी20 टीम में वापसी करने की कोशिश करेंगे। गुजरात की टीम पहला मैच 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेलेगी।

ओपनिंग जोड़ी सबसे बड़ी ताकत

ओपनिंग जोड़ी के रूप में शुभमन गिल और साई सुदर्शन टीम की सबसे बड़ी ताकत हैं। दोनों बल्लेबाज स्थिरता और निरंतरता के लिए जाने जाते हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में भी शामिल रह सकते हैं। पिछले सत्र में 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले साई सुदर्शन से इस बार भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम की ताकत ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान और जेसन होल्डर होंगे। पिछले सत्र के 15 मैचों में 25 विकेट लेकर पर्पल कैप जीतने वाले प्रसिद्ध कृष्णा का इस बार भी शुभमन फायदा उठाना चाहेंगे। उन्हें दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज से अच्छा साथ मिल सकता है। दक्षिण अफ्रीकी पेसर कगिसो रबाडा और अनुभवी ईशांत शर्मा भी कारगर हैं। फिनिशर के तौर पर राहुल तेवतिया पर बड़ी जिम्मेदारी होगी, जबकि राशिद खान और शाहरुख खान को भी बल्ले से योगदान देना होगा।

गुजरात टाइटंस की टीम इस प्रकार है

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, टॉम बेंटन, अनुज रावत, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, जेसन होल्डर, ग्लेन फिलिप्स, जोस बटलर, राशिद खान, निशांत सिंधू, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, अशोक शर्मा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, पृथ्वी राज, कगिसो रबादा, साई किशोर, ईशांत शर्मा, ल्यूक वुड, जयंत यादव।

टीम के लिए क्या है चिंता का विषय

राशिद खान की हालिया खराब फॉर्म गुजरात टाइटंस के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर भी पिछले कुछ समय से लय में नहीं दिख रहे हैं। मध्यक्रम एक बार फिर टीम की कमजोरी बन सकता है। ग्लेन फिलिप्स या बैंटन को इस भूमिका में आजमाया जा सकता है।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा

टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में

नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

नई दिल्ली । इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छक्के लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा , किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव

कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है।

वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी –बद्रीनाथ

नई दिल्ली। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने

के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है। बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

बीसीसीसीआई ने 2026-27 के लिए घरेलू क्रिकेटर सीरीज घोषित की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के लिए 2026-27 का पूरा घरेलू कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस घरेलू सत्र में भारतीय टीम वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी। यह सत्र विशेष रुप से आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2027 की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय टीम पिछले कुछ सालों से लिमिटेड ओवर क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रही है पर टेस्ट प्रारुप में हाल के समय में टीम को कुछ हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने हाल के आईसीस टूर्नामेंट्स में भी शानदार प्रदर्शन किया है।भारतीय टीम अपने 2026-27 घरेलू सत्र की शुरुआत सितंबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। इस सीरीज में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला वनडे, 27 सितंबर 2026, तिरुवनंतपुरम, दोपहर 2:00 बजे
दूसरा वनडे, 30 सितंबर 2026, गुवाहाटी, दोपहर 2:00 बजे
तीसरा वनडे, 03 अक्टूबर 2026, न्यू चंडीगढ़, दोपहर 2:00 बजे
पहला टी20, 06 अक्टूबर 2026, लखनऊ, शाम 7:00 बजे
दूसरा टी20, 09 अक्टूबर 2026, रांची, शाम 7:00 बजे
तीसरा टी20, 11 अक्टूबर 2026, इंदौर, शाम 7:00 बजे
चौथा टी20, 14 अक्टूबर 2026, हैदराबाद, शाम 7:00 बजे
पांचवां टी20, 17 अक्टूबर 2026, बेंगलुरु, शाम 7:00 बजे

श्रीलंका के साथ घरेलू सीरीज

पहला वनडे, 13 दिसंबर 2026, दिल्ली, दोपहर 2:00 बजे
दूसरा वनडे, 16 दिसंबर 2026, बेंगलुरु, दोपहर 2:00 बजे
तीसरा वनडे, 19 दिसंबर 2026, अहमदाबाद, दोपहर 2:00 बजे
पहला टी20, 22 दिसंबर 2026, राजकोट, शाम 7:00 बजे
दूसरा टी20, 24 दिसंबर 2026, कटक, शाम 7:00 बजे
तीसरा टी20, 27 दिसंबर 2026, पुणे, शाम 7:00 बजे

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज

पहला वनडे, 03 जनवरी 2027, कोलकाता, दोपहर 2:00 बजे
दूसरा वनडे, 06 जनवरी 2027, हैदराबाद, दोपहर 2:00 बजे
तीसरा वनडे, 09 जनवरी 2027, मुंबई, दोपहर 2:00 बजे

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

पहला टेस्ट, 21-25 जनवरी 2027, नागपुर, सुबह 9:30 बजे
दूसरा टेस्ट, 29 जनवरी-02 फरवरी 2027, चेन्नई, सुबह 9:30 बजे
तीसरा टेस्ट, 11-15 फरवरी 2027, गुवाहाटी, सुबह 9:00 बजे
चौथा टेस्ट, 19-23 फरवरी 2027, रांची, सुबह 9:30 बजे
पांचवां टेस्ट, 27 फरवरी-03 मार्च 2027, अहमदाबाद, सुबह 9:30 बजे

गावस्कर, बॉर्डर सहित इन क्रिकेटरों ने लगातार 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर बनाया रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य भारतीय क्रिकेटर के नाम नहीं है। गावस्कर एकमात्र ऐसे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने लगातार 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। वहीं किसी भी अन्य भारतीय क्रिकेटर ने लगातार इतने टेस्ट नहीं खेले हैं क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में पांच दिनों तक खेलने के दौरा चोटिल होने का खतरा बना रहता है। भारत के अलावा अन्य देशों के भी कई क्रिकेटरों के नाम लगातार सौ से अधिक टेस्ट खेलने का रिकार्ड है।

सुनील गावस्कर (भारत) -जनवरी 1975 से फरवरी 1987 तक 106 टेस्ट

महान सलामी बल्लेबाजों में शामिल गावस्कर ने 70 और 80 के दशक में अपनी बल्लेबाजी से दुनिया भर में अपनी धाक जमाई। उस दौर में बिन हेलमेट के खेलते हुए गावस्कर ने अपने करियर में कुल 125 टेस्ट खेले। इसमें से 106 लगातार खेले। वे 10,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले पहले क्रिकेटर बने। उन्होंने 10,122 रन बनाए, औसत 51.12 रहा! वे 30 टेस्ट शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी थे और 34 टेस्ट शतकों का रिकॉर्ड उनके नाम था।

एलन बॉर्डर (ऑस्ट्रेलिया) -मार्च 1979 से मार्च 1994 तक 153 टेस्ट

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर को एक अच्छे कप्तान के रूप में याद किया जाता है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉर्डर ने टेस्ट में 11 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में 156 में से 153 टेस्ट लगातार खेले हैं। . लंबे समय तक यह रिकॉर्ड उनके नाम रहा जिसे बाद में कुक ने तोड़ा। 1994 में संन्यास के समय बॉर्डर ने सबसे ज्यादा टेस्ट, सबसे ज्यादा लगातार टेस्ट, सबसे ज्यादा टेस्ट कप्तान के तौर पर और सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था.

मार्क वॉ (ऑस्ट्रेलिया) - जून 1993 से अक्टूबर 2002 तक 107 टेस्ट

ऑलराउंडर मार्क वॉ ने 3 जून 1993 से 19 अक्टूबर 2002 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार 107 टेस्ट खेले। 128 टेस्ट मैचों में वॉ ने 8029 रन और 59 विकेट लिए।

ब्रेंडन मैक्कलम (न्यूजीलैंड)- मार्च 2004 से फरवरी 2016 तक 101 टेस्ट

न्यूजीलैंड के करिश्माई क्रिकेटर ब्रेंडन मैक्कलम ने करियर के सभी 101 टेस्ट लगातार खेले। मैक्कलम ने 6453 टेस्ट रन बनाए। 14 साल के करियर में उन्होंने 2 टेस्ट शतक और 31 अर्धशतक लगाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज शतक 54 गेंद में लगाने का रिकॉर्ड भी हैं।

एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड) -मई 2006 से सितंबर 2018 तक 159 टेस्ट

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने 11 मई 2006 से 7 सितंबर 2018 के बीच अपने करियर के 161 में से 159 टेस्ट लगातार खेले। कुक ने 2018 में 33 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे टेस्ट क्रिकेट में 11,000 और 12,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले सलामी बल्लेबाज हैं।

ठेठ देशी अंदाज से मीडिया से मिले ईशान

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल के शुरुआती मैचों में कप्तानी करने जा रहे बल्लेबाज ईशान किशन भारतीय क्रिकेट बोर्ड की कप्तानों के साथ हुई उस बैठक में शामिल हुए जिसमें सभी आईपीएल टीमें के कप्तान बुलाये गये थे। ईशान को नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। बीसीसीआई के साथ बैठक से बाहर निकले तो ईशान का अंदाज जबरस्त था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। ईशान जब बैठक के बाद पार्किंग एरिया में आए तो वहां पर मीडिया भी उपस्थि था। इस दौरान ईशान ने ठेठ देशी अंदाज में सभी का हाल पूछा जिससे सभी उत्साहित दिखे। ईशान पिछले साल ही सनराइजर्स की टीम में शामिल हुए थे।

ऋषभ को अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा – आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अगर बेहतर प्रदर्शन करना है तो उन्हें अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा। चोपड़ा के अनुसार ऋषभ अपने अनौखे शॉट के लिए जाने जाते हैं पर अब यही उनकी परेशानी बन गये हैं। इस प्रकार के शॉट खेलने में जोखिम ज्यादा होने के कारण वह अपना विकेट गंवा देते हैं। इसपर विचार करते हुए उन्हें हालात के अनुसार टिककर खेलना होगा। विशेषकर सफेद गेंद प्रारुप में उन्हें अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करते लंबी पारी खेलनी होगी तभी वह भारतीय टी20 टीम में भी वापसी कर पायेंगे।

चोपड़ा ने बताया कि भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह वापस पाने के लिए उन्हें मूल बातों पर ध्यान देना होगा। चोपड़ा ने कहा, ऋषभ को अब हालात के अनुसार विकेट पर रुककर खेलने का प्रयास करना चाहिये। पिछले सीजन में उन्हें समय लेकर अपनी फॉर्म वापस पाने के मौके मिले थे, फिर भी वह जोखिम भरे शॉट खेलते रहे जिसकी वजह से उनकी आलोचना हुई। उन्होंने आगे कहा, पिछले टी20 विश्वकप विजेता टीम में शामिल होने के बाद भी अब वह राष्टीय टीम से बाहर हैं और उनके लिए इसमें जगह बनाना काफी कठिन है। इसका कारण है कि चयनसमिति आज ऐसा विकेट कीपर चाहती है जो तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी कर सके। ऐसे में उन्हें अपन जगह हासिल करने काफी प्रयास करना होगा।

चोपड़ा ने कहा कि खेल को देखने का अनोखा नजरिया ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में काफी रन बनाने के बाद भी उनके जोखिम भरे बल्लेबाजी के तरीके को पूर्व कोच राहुल द्रविड़ पसंद नहीं करते थे। चोपड़ा ने कहा, कभी-कभी हम यह समझ नहीं पाते कि वह खेल को किस अंदाज से देखते हैं। टेस्ट क्रिकेट के दौरान जब द्रविड़ हेड कोच थे, तब उनसे इस बारे में बातचीत हुई थी। चोपड़ा ने आगे कहा कि उनका पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह से सलाह लेने की इच्छा दिखाना एक अच्छा संकेत है, जो दिखाता है कि वह अपने खेल को बेहतर बनाने और उसमें सुधार करने के लिए तैयार हैं।

मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर खुशी जतायी

युवा प्रतिभाओं को मिलेगा अच्छा मंच

रायपुर । यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (केआईटीजी) शुरु हो गये हैं जो 3 अप्रैल तक खेले जाएंगे। जिसमें 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित 9 खेलों में उतरेंगे। वहीं प्रदर्शनी खेलों में मल्लखंभ और कबड्डी को भी शामिल किया गया है। इससे आदिवासी क्षेत्रों की उभरती हुई प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलेगा।

इसी को लेकर ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने खुशी जतायी है। मीराबाई के अनुसार देश भर से आने वाले आदिवासी समाज के खिलाड़ियों के एक मंच पर आने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। चानू ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर मुझे बहुत खुशी हुई है। आदिवासी समुदाय से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं, इसलिए इस प्रकार के मंच उसके लिए जरुरी हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इंडिया ट्राइबल गेम्स में उन आदिवासी खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो अलग-अलग खेल और राज्यों से होंगे। जिस प्रकार हमें राष्टीमण्डल सहित अन्य खेलों में दूसरे खिलाड़ियों से सीखने को मिलता है। वैसा ही अवसर इन खिलाड़ियों को भी मिलेगा।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है।

टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं।

वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है।

आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्टीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं ।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आठवीं मे सुहासी बोरकर और पांचवीं मे अवनी ऐडे ने पाया प्रथम स्थान

सार्थक स्कूल का बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट रहा परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। राज्य शिक्षा केंद्र बोर्ड भोपाल द्वारा कक्षा पांचवी एवं आठवीं की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट 25 मार्च 2026 को जारी किया गया है।जिसमें किरनापुर नगर में बाबा जुमदेवजी जनकल्याण समिति वारा किरनापुर द्वारा अंग्रेजी माध्यम में संचालित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षण संस्थान सार्थक पब्लिक स्कूल (सीनियर सेकेंडरी)किरनापुर का कक्षा पांचवी और आठवीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट बहुत सराहनीय रहा।स्कूल के कक्षा आठवीं में कुल 49 स्टूडेंट सम्मिलित हुए थे जिसमें से सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे और कक्षा 8वी में 16 स्टूडेंट्स ने 90प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल कर संस्था का साथ ही क्षेत्र का नाम रोशन किया है।कक्षा आठवीं में अधिकतम अंक सुहासी हरीश बोरकर ने 95 प्रतिशत प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया है द्वितीय पालनी चौधरी 93.83 प्रतिशत , हर्षिका पांचे 93.5 प्रतिशत ,कुणाल बिसेन

93.3प्रतिशत ,प्रतिज्ञा सिल्हारे 93.17प्रतिशत ,ग्रेशी बिसेन 92.67प्रतिशत ,सुजल दमाहे 92.33प्रतिशत,मृदुल कुथे 91.83प्रतिशत ,दिशा कावडे 91.67प्रतिशत ,रिफत कुरैशी 91.5प्रतिशत ,प्रशीक मेश्राम 91.33प्रतिशत ,धैर्य तुरकर 91.17प्रतिशत ,भावी पाटले 91प्रतिशत ,शाश्वत सिंह मार्को 91प्रतिशत,प्रणय नागफासे 90.17प्रतिशत ,वेदांशी कुर्वे 90.17प्रतिशत ,राशि पांचे 90.17प्रतिशत व अन्य सभी स्टूडेंट्स नें उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उसी प्रकार कक्षा 5वी में अवनी योगेश ये? नें 90.75 प्रतिशत से प्रथम आयुषी भीमटे 87 प्रतिशत,डेनिश पंन्द्रे 87 प्रतिशत, आराध्या लिल्हारे 84.5 प्रतिशत,क्रिश चौधरी 84.5 प्रतिशत,मेहर पांचे 84.25 प्रतिशत, आर्यन सहारे 83.75 प्रतिशत, अथर्व शुक्ला 83.75 प्रतिशत, मोहम्मद अयान कुरैशी 83 प्रतिशत, नामिश बानेवार 82 प्रतिशत, आइशा गाडेश्वर 81.25 प्रतिशत, दीक्षा बाहे 80.5 प्रतिशत, लावण्या गिरेपुंजे 80.5 प्रतिशत, धैर्य दवने 79.5 प्रतिशत, नेहा बहेकार 79.5 प्रतिशत सम्बोधि चौरे 79.25,द्रोनी चौधरी 79प्रतिशत ,परिधि नेरकर 78.75प्रतिशत ,रिया ठाकरे 78.75प्रतिशत , श्रेया सिंह मार्को 78.75प्रतिशत ,दर्शीनी पांचे 78.25प्रतिशत ,दुर्गनंदिनी पांचे 78प्रतिशत ,पहल मानेश्वर 77.75प्रतिशत ,तन्वी सहारे 77.75प्रतिशत,चिराग परिहार 77.5प्रतिशत,दृश्य सोनी 77.5प्रतिशत,नव्या पिछो? 77.5प्रतिशत,प्रज्ञा तुरकर 77.5प्रतिशत,पाखी बसीचंद्र 77.25प्रतिशत,निभा चौधरी 77प्रतिशत,पहल बनसोडे 77प्रतिशत,चिन्मय नागफासे 76.25प्रतिशत,हेमांग पंचेश्वर 76.25प्रतिशत,आरव रावते 76प्रतिशत,येशीका घोरमारे 76प्रतिशत,आरव लिल्हारे 75.75प्रतिशत,अलमास खान 75.75प्रतिशत,गगन पांचे 75.5प्रतिशत,.मंतशा खान 75.5प्रतिशत, टीना मराठे 75.5प्रतिशत,नमन बोहरे 75.25प्रतिशत,प्रियल गजभिये 75.25प्रतिशत प्राप्त कर सार्थक स्कूल का एवं अपने माता पिता परिवारजनों को गौरवानित किया सभी स्टूडेंट्स की सफलता पर संस्था प्रमुख इंजी. जितेन्द्र भोंडेकर एवं स्टाफ में भूपेंद्र सिंह, जिखरिया नाइक,रोहिणी ऊके, शोभा ठाकरे, कपिल गजभिये, सुनील सोलंकी,नेहा कावडे, अजित भगलकर, यशुला नगपुरे, रुपाली जांगड़े, अजय सूर्यवंशी, कल्याणी सहारे, शिफा खान, सविता कुथे ललिता सिंगनदुपे व अन्य टीचर्स नें बधाई प्रेषित किया है।

कक्षा 8वीं में दीपाली नगपुरे ने लहराया परचम, 96.6प्रतिशत अंक से बढ़ाया क्षेत्र का मान

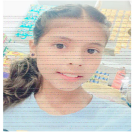

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायदी की निजी शिक्षण संस्था यशोदा इंग्लिश कॉन्वेंट की कक्षा आठवीं की छात्रा कु. दीपाली नगपुरे ने बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। दीपाली ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। दीपाली नगपुरे ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता श्री हेमंत नगपुरे, माता श्रीमती लता नगपुरे तथा विद्यालय के समर्पित शिक्षकों को दिया है। उनकी इस उत्कृष्ट सफलता पर परिवार, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ज्योति कलश पब्लिक स्कूल, चांगोटोला का शानदार परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला ज्योति कलश पब्लिक स्कूल चांगोटोला, जो कि विवेक नाग वेलफेयर सोसाइटी बालाघाट द्वारा संचालित है, ने इस वर्ष कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के सशक्त मार्गदर्शन के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

कक्षा पांचवी के परीक्षा परिणाम

लाची ठाकरे (90.25प्रतिशत), कुनाल चौधरी (89.25प्रतिशत), श्रद्धा शांडिल्य (88.75प्रतिशत), डॉली पटले (87.75प्रतिशत), टिशु राहंगडाले (86.5प्रतिशत), शुभम नामदेव (86प्रतिशत), रागिनी राजुरकर (85.75प्रतिशत), मानशी ठाकरे (85.75प्रतिशत), आकृति चौधरी (84.75प्रतिशत), गौरव नगीने (84.75प्रतिशत), रिया भगत (84.5प्रतिशत), आयशा नाज (84.25प्रतिशत), अलीशा शाह (83.75प्रतिशत), संजीवनी पटले (83.75प्रतिशत), द्रष्टि मरकाम (83.75प्रतिशत), माधव मसराम (83प्रतिशत), त्रिशा ठाकरे (83प्रतिशत), अजय पटले (82.25प्रतिशत), आलिया शाह (82प्रतिशत), अहिल शाह (81प्रतिशत), हर्षवी ठाकरे (80.75प्रतिशत), जयेश ईड़पाचे (80.25प्रतिशत), अंकिता चक्रवर्ती (80.25प्रतिशत), विजय पटले (80प्रतिशत), पार्थ कौशले (80प्रतिशत), नमन राहंगडाले (79.75प्रतिशत), अंश राजुरकर (79.75प्रतिशत), डिया तूरकर (79.25प्रतिशत), जतिन बिसेन (79प्रतिशत), तनवी परते (78.5प्रतिशत), निकिता वाघाड़े (78.25प्रतिशत), अंश भांडेकर (77.75प्रतिशत), आरिश साह (77.75प्रतिशत), आर्यन भगत (77.25प्रतिशत), अंशिका साहु (76.5प्रतिशत), असद शाह (72.5प्रतिशत), वंश ठाकरे (71.5प्रतिशत), विनायक पटले (69.25प्रतिशत)।

कक्षा आठवीं के परीक्षा परिणाम

समर शाह (92.66प्रतिशत), वंशिका राहंगडाले (90.16प्रतिशत), नितिन बघेले (89प्रतिशत), विवेक पटले (85.83प्रतिशत), भूमिका पंचेश्वर (85.66प्रतिशत), ओम ठाकरे (84.66प्रतिशत), दीपांशु मड़ावी (84प्रतिशत), आयुष जैतवार (83.83प्रतिशत), लाची ठाकरे (83.33प्रतिशत), अरशु वाघाड़े (83.33प्रतिशत), दीपांशु ठाकरे (82.5प्रतिशत), अमन ठाकरे (81.66प्रतिशत), तरुण चौधरी (81.5प्रतिशत), गिरीश भगत (80.83प्रतिशत), अंकेश ठाकरे (80.33प्रतिशत), लक्ष्मी राहंगडाले (79.83प्रतिशत), अरशिन शाह (78प्रतिशत), प्रशुन शिववंशी (77.66प्रतिशत), अक्षरा खरे (77प्रतिशत), ऋतेश पटले (77प्रतिशत), उर्फिया नाज (76.33प्रतिशत), अनंत उईके (75.66प्रतिशत), अलफिया शाह (73.16प्रतिशत), राज चौधरी (73प्रतिशत), आर्या पटले (70.83प्रतिशत), प्रांशी शिव (69.83प्रतिशत)।अंक लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विद्यालय प्रबंधन की प्रतिक्रिया

विद्यालय की प्रधानपाठिका श्रीमती प्रणिता शिवेदी, को-ऑर्डिनेटर श्रीमती पुष्पा कौशले, सुश्री संजना लिमजे एवं डायरेक्टर श्रीमती श्यामली हरीश नाग ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों की निष्ठा तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है।अंत में विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

केरलम में मुख्य मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच, बीजेपी को देकर वोट बेकार ना करे

-शशि थरूर ने चुनाव पर किया फोकस

तिरुवंतनपुरम। केरल में विधानसभा चुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जुबानी जंग शुरू हो गई है। कांग्रेस के तिरुवंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने दो दिन में बीजेपी पर दूसरा हमला बोला है। गुरुवार को केरलम चुनाव पर शशि थरूर ने कहा कि मेरा फोकस केरलम राज्य चुनाव पर है। असम, बंगाल, तमिलनाडु में मेरे साथी सभी कैंपेन करने में जुटे हैं। केरलमवासी बदलाव चाहते हैं। भाजपा राज्य में कोई अप्रासंगिक कारक नहीं है। असली लड़ाई यूडीएफ और एलडीएफ के बीच है इसलिए बीजेपी को वोट देना बेकार वोट है। यूडीएफ को वोट दें। कांग्रेस सांसद थरूर गुरुवार को केरलम के कोल्लम पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने कहा कि केरलम में बीजेपी कोई फैक्टर नहीं है। चुनाव में सीधा मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच है। शशि थरूर ने एक दिन पहले भी कहा था कि राज्य में बीजेपी लड़ाई में नहीं है। उन्होंने तब यह कहकर निशाना साधा था कि बीजेपी केरल में जीरो सीट वाली पार्टी है। थरूर के कहने का मतलब था कि बीजेपी 2021 के चुनावों में शून्य पर सिमट गई थी। गौरतलब हो कि वाम दलों की अगुवाई वाली एलडीएफ सत्ता में है। वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ विपक्ष में है। केरल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ की कोशिश है कि वह हैट्रिक लगाए, जबकि यूडीएफ की कोशिश है कि 10 साल के शासन के बाद वामदलों को सत्ता से हटाया जाए। 2011 के चुनावों में यूडीएफ ने 4 सीटें अधिक जीतकर सत्ता हासिल की थी। 2016 के चुनावों में एलडीएफ को 91 सीटें और फिर 2021 के चुनावों में 99 सीटें मिली थीं। 2016 में बीजेपी ने एक विधानसभा सीट जीती थी। राज्य में बीजेपी और कांग्रेस लगभग बराबर सीटों पर लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बीच एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने का काम भी बदस्तूर जारी है। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस देश में बीजेपी की बी-टीम हैं। थरूर ने पिनराई के बयान को बकवास बताया।

पश्चिम एशिया संकट के बीच नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रेल-डीजल के दाम

पेट्रोल पांच तो डीजल 3 रूपए हुआ महंगा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी ईंधन रिटेलर कंपनियों में शामिल नायरा एनर्जी ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है।

सूत्रों के अनुसार, यह फैसला वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी के बाद लिया गया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में तेज उछाल आया है, जिसका असर अब घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है।

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी

बताया जा रहा है कि 28 फरवरी के बाद से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसी दौरान भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें लंबे समय से स्थिर बनी हुई थीं, जिससे ईंधन विपणन कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ रहा था।

देश के 6,967 पेट्रोल पंपों पर कंपनी का संचालन

नायरा एनर्जी देश के कुल 1,02,075 पेट्रोल पंपों में से करीब 6,967 पंप संचालित करती है। कंपनी ने अब बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। हालांकि, इस मुद्दे पर कंपनी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया फिलहाल सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार, रूस की रोसनेफ्ट के स्वामित्व वाली नायरा ने पेट्रोल की कीमत में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है, लेकिन प्रभावी वृद्धि दर राज्यों के अनुसार अलग-अलग है, जो वैट जैसे स्थानीय करों पर निर्भर करती है। कुछ स्थानों पर पेट्रोल की कीमत में 5.30 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई है।

प्रीमियम पेट्रोल के दाम हुए महंगे

हालांकि, सरकारी कंपनियों ने हाल ही में प्रीमियम पेट्रोल (95 ऑक्टेन) के दाम में दो रुपये प्रति लीटर और औद्योगिक उपयोग के लिए बल्क डीजल की कीमत में करीब 22 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में प्रीमियम पेट्रोल 99.89 रुपये से बढक़र 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि बल्क डीजल 87.67 रुपये से बढक़र 109.59 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इसके बावजूद सामान्य पेट्रोल (94.77 रुपये) और डीजल (87.67 रुपये) की कीमतें जस की तस बनी हुई हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

ईरान के साथ युद्ध तेज होने के कारण इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें 119 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं, लेकिन बाद में घटकर लगभग 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गईं।

भारत 88 प्रतिशत कच्चा तेल करता है आयात

दिल्ली में सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर है, जबकि उसी श्रेणी के डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए आता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजरानी पर असर के कारण सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। सरकार का कहना है कि पेट्रोल और डीजल डीरेगुलेटेड उत्पाद हैं और इनके दाम तय करने का अधिकार तेल विपणन कंपनियों के पास है। ऐसे में वैश्विक कीमतों और भू-राजनीतिक हालात के आधार पर आगे भी ईंधन कीमतों में बदलाव संभव है।

अपोलो की शानदार सफलता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शानदार सफलता की पहचान अपोलो कॉन्वेंट हॉयर सेकेण्डरी स्कूल जहाँ अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा की सुनियोजित तैयारी करवाई जाती है जिनमें नियमित टेस्ट, विशेष अभ्यास कक्षाएँ (रेमेडियन क्लासेस) महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास तथा व्यक्तिगतह ध्यान के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु तैयार किया जाता है।

प्रत्येक वर्ष 5वी 8वी 10वी 12वी का परिणाम और मैरिट सूची में विद्यालय के छात्रों का नाम इस बात का प्रमाण है। इस वर्ष सत्र 2025-26 का 5वी व 8वी बोर्ड का परीक्षा परिणाम दिनांक 25.03. 2026 को घोषित किया गया जिसमें शाला के 5वीं कक्षा में 73 तथा 8वी में 80 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत थी। जिनमें दोनों कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। तथा प्रत्येक छात्र -छात्राएँ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस कड़ी में कक्षा 5वी में कु. इनाया मिर्जा 95.2प्रतिशत तथा 8वी में कु. लावण्या भारद्वाज 980.1प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर रही। कक्षा 5वी में द्वितीय स्थान कु. आयरा शेख 90.2 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में द्वितीय स्थान कु. डिम्पल चौहान 93.6प्रतिशत ने प्राप्त किया। वही तृतीय स्थान पर 5वीं व 8वीं में क्रमशः कोशिकी पांडे 88.75त्न तथा माही सोनेकर 88.5प्रतिशत रही।

शाला संचालक डॉ. बी. गौतम, प्राचार्य श्रीमति विद्या गौतम, शाला प्रबंधक श्रीमति अर्शी खान, तथा समस्त स्कूल स्टाफ ने उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामनाएँ की है।

अनुशासन गुणवत्ता और शानदार परिणाम सदैव अपोलो की पहचान रहा हैं। प्रयास की इसी श्रृंखला को जारी रखते हुए तथा समय की मांग को ध्यान में रखते हुए अपोलो इस नवीन सत्र में रोबोटिक्स, ए. आई व कोडिंग की कक्षाएँ बिना अतिरिक्त शुल्क के प्रारंभ करने जा रहा है। यह बच्चों के सर्वागीण विकास व कौशल निपुणता की ओर अपोलो का एक नया कदम होगा। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करे।

असम में बिखरा यूपीए कुनबा, जेएमएम के बाद ममता भी उतरीं मैदान में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से बाहर अपनी सियासी जमीन मजबूत करने के प्रयास में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव 2026 में किसी भी गठबंधन से दूरी बनाते हुए 'एकला चलो' रणनीति के तहत चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। शुरुआत में ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब टीएमसी ने 22 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारकर साफ कर दिया है कि वह सीमित लेकिन रणनीतिक तरीके से मैदान में उतर रही है। टीएमसी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा दो चरणों में की।

सैटेलाइट की परमाणु घड़ी में आई खराबी, भारतीय सेनाओं के सामने खड़ी हुई चुनौती

विदेशी नैविगेशन सैटेलाइट सिस्टम हमारी सैन्य जरूरतों के लिए सुरक्षित नहीं

नई दिल्ली। भारत का स्वदेशी रीजनल नैविगेशन सिस्टम बहुत बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। नैवआईसी नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन के सैटेलाइट की परमाणु घड़ी में आई खराबी की वजह से इसके सामरिक और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह चिंता इसलिए बढ़ गई है कि इंडियन रीजनल नैविगेशनल सैटेलाइट सिस्टम-1एफ सैटेलाइट में लगा अंतिम संचालित परमाणु घड़ी ने भी 10 मार्च को अचानक काम करना बंद कर दिया। इसके बाद पोजिशनिंग, नैविगेशन और टाइमिंग सेवाओं के लिए सिर्फ तीन ही सैटेलाइट बच गए, जो इस काम के लिए सक्षम हैं।

मीडिया रिपोर्ट में एक्सपर्ट कहते हैं कि नैवआईसी सिस्टम के प्रभावी तरीके से काम करने के लिए कम से कम ऐसे चार सैटेलाइट की जरूरत है, जिनमें परमाणु घड़ियां ठीक से काम कर रही हों। अगर यह न्यूनतम जरूरत पूरी नहीं होती है तो चाहे नागरिक उपकरण हों या फिर रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण, नैवआईसी सिस्टम भरोसेमंद नहीं रह जाता। इसरो की एक पूर्व वैज्ञानिक अनन्या रे के मुताबिक नैवआईसी जैसे सिस्टम दो तरह के सिंग्नलों पर काम करते हैं। एक ओपन सिंग्नल है, जो सिविलियन इस्तेमाल के लिए होता है और दूसरा प्रतिबंधित और संवेदनशील होते हैं, जो सिंग्नल बहुत ही सटीक होते हैं और इसका इस्तेमाल सशस्त्र सेनाएं करती हैं। सैन्य कार्रवाइयों के लिए यह बहुत ही अहम है, क्योंकि इससे इसकी सटीकता प्रभावित होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक नैविगेशन सैटेलाइट सेनाओं के लिए लॉजिस्टिक, मैपिंग और योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक्सपर्ट विदेशी नैविगेशन सैटेलाइट सिस्टम को सैन्य जरूरतों के लिए सुरक्षित नहीं मानते हैं, क्योंकि विशेष तौर पर संघर्ष के दौरान युद्ध रणनीति के दुश्मनों के हाथ लगने का जोखिम बढ़ जाता है। अगर दुश्मनों तक संवेदनशील सिंग्नल पहुंच गया तो वह उसका फायदा भारत के खिलाफ उठा सकते हैं। कारगिल युद्ध के समय अमेरिका ने जीपीएस डेटा देने से मना कर दिया था। इसके बाद स्वदेशी नैवआईसी सिस्टम विकसित करने पर काम शुरू हुआ था। वैसे इंडियन रीजनल नैविगेशनल सैटेलाइट सिस्टम कार्यक्रम पर औपचारिक काम 2013 से 2018 के बीच हुआ, ताकि सामरिक क्षेत्र में पूरी तरह से स्वायत्तता मिल सके, लेकिन इस सिस्टम को कई तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें सैटेटाइटों पर लगे परमाणु घड़ियों में आने वाली खराबी सबसे बड़ी समस्या है। सटीक नैविगेशन और पोजिशनिंग के लिए बहुत ही सटीक टाइमिंग की जरूरत होती है और उसके लिए यह घड़ियां बहुत ही अहम हैं।

देश में आईएएस के 1300 और आपीएस के 605 पद खाली हैं

- ओडिशा में 63 तथा मध्यप्रदेश में 48 पद रिक्त

नई दिल्ली। देश में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर एक बड़ी चिंता सामने आई है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के करीब 1300 और भारतीय पुलिस सेवा (आपीएस) के 605 पद वर्तमान में खाली पड़े हैं। यह स्थिति शासन-प्रशासन के कामकाज पर असर डाल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक की स्थिति में विभिन्न राज्यों में अधिकारियों की कमी साफ देखी जा रही है। ओडिशा में आईएएस के सबसे अधिक 63 पद रिक्त हैं, जबकि मध्यप्रदेश में आपीएस के 48 पद खाली हैं। इससे कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। देशभर में अखिल भारतीय सेवाओं के कुल स्वीकृत पदों की संख्या हजारों में है, लेकिन बड़ी संख्या में पद खाली होने के कारण कार्यरत अधिकारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे प्रशासनिक दक्षता पर दबाव पड़ता है और नीतियों के क्रियान्वयन में देरी हो सकती है। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि इन रिक्तियों को भरने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से हर साल नियमित भर्ती प्रक्रिया जारी है। बीते वर्षों में भी सिविल सेवा परीक्षा के जरिए सैकड़ों नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। फिलहाल, बढ़ती रिक्तियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या मौजूदा भर्ती प्रक्रिया इस कमी को समय रहते पूरा कर पाएगी या नहीं।

नंदिनी परसाई/26 मार्च 2026

मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर परेशान हूं, अस्पताल में सोफे पर सोया

सोनिया गांधी अस्पताल में हैं भर्ती, राहुल गांधी ने वीडियो में कहा- केरल की नर्स ने रखा बेहतर ख्याल

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी पिछले दो दिनों से दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती हैं। सोनिया को पेट और यूरिनरी इंफेक्शन के चलते मंगलवार रात को भर्ती कराया गया था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी मां सोनियां गांधी की देखभाल के लिए अस्पताल में ही रहे। राहुल ने कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर बहुत परेशान हूं। हालांकि केरल की नर्स ने मेरी मां का बहुत ख्याल रखा, जिससे उन्हें राहत मिली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल सोनिया की खराब तबीयत के चलते बुधवार को संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में भी शामिल नहीं हुए। वहीं, केरल में उनका दौरा भी रद्द कर दिया गया था। उनकी जगह मल्लिकार्जुन खड़गे गए। राहुल ने सभा को वर्चुअली संबोधित किया था।

राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि अस्पताल में उन्हें सिर्फ एक चीज से सुकून मिला कि केरल की एक नर्स जो हर घंटे मेरी मां को देखने आती थी। वह मुस्कुराती थी और मां का हाथ पकड़ती थी। मैंने सोचा कि केरल की नर्सों ने कितने बेटों, बेटियों, भाइयों और बहनों को उनके सबसे मुश्किल पलों में सुकून दिया है। सुबह-सुबह, मैंने उनसे पूछा, क्या आप रात में सोती हैं, या पूरी रात काम करती हैं? उन्होंने कहा कि मैं पूरी रात काम करती हूं। तो जब पूरी दुनिया सो रही है, केरल की औरतें, सिर्फ केरल में ही नहीं बल्कि दिल्ली में पूरे देश में और दुनियाभर में लोगों को सुकून दे रही हैं। उनका हाथ थाम रही हैं और उन्हें आराम महसूस करा रही हैं।

वहीं राहुल गांधी ने केरल की जनता को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी ने नेशनल लेवल पर 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया था। केरल के सीएम ने राज्य में 40 लाख नौकरियों का वादा किया था। 10 साल बीत गए उन्होंने लोगों को एक भी नौकरी नहीं दी है। असल में, उन्होंने नौकरियां खत्म कर दी हैं। न तो बीजेपी और न ही एलडीएफ को लगता है कि वे लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें नहीं लगता कि केरल के लोगों को उनसे सवाल पूछने का हक है। देशभर में विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, लेकिन केरल के सीएम पिनराई विजयन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने इसे मिलीभगत का सबसे बड़ा सबूत बताया।

महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए, फाइनेंशियल मदद के तौर पर हर महीने 1000 रुपए दिए जाएंगे।

देश में परिसीमन के बाद बढ़ जाएंगी लोकसभा सीटें, दिल्ली में होंगे 10 से ज्यादा सांसद

नई दिल्ली। देश में परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 हो जाएगी। इसमें से महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित होंगी। लोकसभा के साथ ही विधानसभा क्षेत्रों की संख्या में भी इजाफा होगा। बदलाव के बाद यूपी में 120 सांसद हो सकते हैं तो दिल्ली में 10 से ज्यादा सांसद होंगे। विधायकों की संख्या भी केंद्र शासित प्रदेश में 100 से ज्यादा हो सकती है। दिल्ली में अभी लोकसभा की 7 सीटें हैं। वहीं, विधायकों की संख्या 70 है। परिसीमन के बाद 50 फीसदी सीटें बढ़ जाएंगी। इस हिसाब से जहां सांसदों की कुल संख्या 11 हो जाएगी तो विधायकों की संख्या 105 हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला आरक्षण लागू होने के बाद 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा में जहां कम से कम चार महिलाएं दिल्ली से संसद पहुंचेंगी तो विधानसभा में करीब 35 सीटें आरक्षित रहेंगी। प्रस्तावित सरकार लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए संसद के मौजूदा बजट सत्र में दो विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण का प्रावधान संविधान में संशोधन करके लाया गया था, लेकिन यह परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू होगा। देश की विधानसभाओं के लिए भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जहां सीटों का आरक्षण आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि जहां एक ओर संविधान संशोधन विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण कानून के रूप में जाना जाता है, में बदलाव करेगा। वहीं, दूसरी ओर एक अन्य साधारण विधेयक परिसीमन अधिनियम में संशोधन करेगा।

न्यूज गैलरी

हनुमान जन्मोत्सव पर 2 अप्रैल को निकलेगा चल समारोह, रामनवमी पर हुआ ट्रायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर में हनुमान जी महाराज का चल समारोह निकाला जाएगा, जिसमें 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर विशेष आकर्षण प्रस्तुत किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों के तहत 26 मार्च को रामनवमी के अवसर पर समिति द्वारा चल समारोह का ट्रायल लिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समिति के सदस्य शामिल हुए। यह ट्रायल श्री हनुमान सेवा दल समिति एवं मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शाम करीब 7 बजे मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से प्रारंभ हुआ यह चल समारोह जय स्तंभ चौक और कालीपुतली चौक होते हुए पुन: हनुमान मंदिर की ओर बढ़ा। पूरे मार्ग में श्री राम जय राम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। चल समारोह के दौरान कालीपुतली चौक स्थित हनुमान प्रतिमा के समक्ष हनुमान जी महाराज ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस वर्ष हनुमान जी का चोला मोहित सोनी द्वारा धारण किया जा रहा है, जो बीते 40 दिनों से ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते हुए विशेष साधना और पाठ कर रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर से यह चल समारोह निकाला जाता है, जो शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों का भ्रमण कर पुन: मंदिर परिसर में संपन्न होता है। ट्रायल के सफल आयोजन के बाद अब 2 अप्रैल को होने वाले मुख्य चल समारोह को और अधिक भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर समिति एवं प्रशासन स्तर पर भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

पेट्रोल-डीजल संकट में राहत, शहर में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य

सुबह तक लगी रहीं लंबी कतारें, शाम होते ही अधिकांश पंपों पर बहाल हुई आपूर्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में पेट्रोल और डीजल को लेकर बनी अफरा-तफरी के बीच अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होती नजर आ रही है। 26 मार्च की सुबह से दोपहर तक जहां अधिकांश पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं, वहीं कुछ पेट्रोल पंप स्टॉक खत्म होने के कारण बंद भी रहे। हालांकि दिनभर की स्थिति के बाद शाम होते-होते हालात में सुधार देखने को मिला। शहर के लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर पुन: स्टॉक पहुंचने के बाद आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू कर दी गई, जिससे वाहन चालकों को राहत मिली। फिलहाल कुछ पेट्रोल पंपों पर एहतियात के तौर पर सीमित मात्रा में पेट्रोल और डीजल दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को ईंधन उपलब्ध हो सके और दोबारा अफरा-तफरी की स्थिति न बने।

24 मार्च की रात पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह ने जिलेभर में अचानक हड़कंप की स्थिति पैदा कर दी। सोशल मीडिया और मौखिक चर्चाओं के चलते फैली इस खबर के बाद शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर देर रात से ही लंबी-लंबी कतारें लग गईं। लोग अपने घरों से केन, बोतलें और अन्य बर्तन लेकर बड़ी मात्रा में पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन

तत्काल सक्रिय हुआ और आमजन से अपील करते हुए स्पष्ट किया कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है तथा सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। इसके बावजूद अफवाह का असर अगले दिन भी देखने को मिला।

अत्यधिक खपत से खाली हुए टैंक

25 मार्च को बड़ी संख्या में लोगों ने आवश्यकता से अधिक पेट्रोल-डीजल भरवाया, जिससे कई पेट्रोल पंपों पर अचानक स्टॉक समाप्त हो गया। लोगों को आशंका थी कि आगे ईंधन नहीं मिलेगा, जिसके चलते उन्होंने वाहनों की टंकियां फुल कराने के साथ-साथ अतिरिक्त भंडारण भी किया। इस असामान्य मांग के कारण शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों में पेट्रोल खत्म हो गया, जबकि कुछ पंपों पर सीमित मात्रा में ही ईंधन दिया गया। संचालकों ने स्थिति को देखते हुए उपभोक्ताओं के लिए मात्रा तय कर वितरण किया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को ईंधन मिल सके।

रात में पहुंची सप्लाई, फिर सुबह उमड़ी भीड़

25 मार्च की देर रात कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की नई खेप पहुंच गई थी, लेकिन 26 मार्च की सुबह एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंपों पर पहुंच गए। दोपहर तक कई स्थानों पर कतारें बनी रहीं और अफरा-तफरी जैसी स्थिति बनी रही। हालांकि दोपहर के बाद धीरे-धीरे हालात सुधरने लगे। पंपों पर नियमित सप्लाई पहुंचने के साथ ही भीड़ कम होने लगी और शाम तक अधिकांश स्थानों पर स्थिति सामान्य हो गई।

अफवाहों से बचने की अपील

प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल-डीजल का उपयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले में ईंधन की सप्लाई पूरी तरह सुचारू है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि अफवाहें किस तरह सामान्य स्थिति को भी संकट में बदल सकती हैं, हालांकि समय रहते प्रशासनिक हस्तक्षेप और सप्लाई बहाल होने से हालात अब काबू में हैं।

जिले में पेट्रोल और डीजल की कमी नही हैं - सुनील किरार

नागरिक आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा कहीं भी वास्तविक कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि जिन पेट्रोल पंपों पर रिजर्व स्टॉक की स्थिति बन गई है, वहां के लिए इंडेंट (आपूर्ति आदेश) पहले ही जारी कर दिए गए हैं और संबंधित ऑयल कंपनियों द्वारा ईंधन की आपूर्ति लगातार की जा रही है। वर्तमान में जिले में लगभग 511 किलोलीटर पेट्रोल और 718 किलोलीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। इसके अलावा 533 किलोलीटर पेट्रोल और 229 किलोलीटर डीजल के अतिरिक्त इंडेंट जारी किए गए हैं, जो आज शाम से लेकर कल तक जिले में पहुंच जाएंगे। नागरिक आपूर्ति अधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे केवल अपनी आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल भरवाएं और किसी भी भ्रामक जानकारी और अफवाह के कारण पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हट्टा पुलिस की कार्रवाई, दो बाइक चोर गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के थाना हट्टा पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के मामले में सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी की गई एक मोटर साइकिल बरामद की है।

गिरफ्तार दोनो आरोपी उदयसिंह पिता रूप सिंह धुर्वे 32ग्राम मढकामढई थाना हट्टा एवं मनीष पिता बघेलसिंह उर्फ मंगल सिंह टेकाम 25 वर्ष ग्राम धुनधुनवार्धा चौकी डाबरी थाना लांजी निवासी है।

जानकारी के अनुसार थाना हट्टा क्षेत्र के ग्राम नेवरगांवखुर्द से 11 मार्च की रात्रि समारू उईके के घर के सामने खड़ी मोटर साइकिल चोरी हो गई थी। इस मामले में थाना हट्टा में अपराध क्रमांक 23/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना हट्टा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए ग्रामीणों से लगातार संपर्क बनाए रखा और मुखबिर तंत्र को मजबूत किया। 25 मार्च 2026 को प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेह के आधार पर दो युवकों को अभिरक्षा लेकर से पूछताछ की तब उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदयसिंह 32 वर्ष निवासी मढकामढई थाना हट्टा एवं मनीष 25 वर्ष धुनधुनवार्धा चौकी डाबरी थाना लांजी निवासी के नाम से की गई । दोनों आरोपियों ने मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की घटना को अंजाम दिया था।हट्टा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई हीरो होंडा एच.एफ. डिलक्स मोटर साइकिल स्क्र50-स्र्झ-5193 बरामद की है।जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 65 हजार रुपये बताई जा रही है।

थाना हट्टा क्षेत्र के जंगल से लगे गांवों में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता का माहौल था।जिसे देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश सिंह, प्रधान आरक्षक सतीश पारधी, आरक्षक विष्णु प्रताप, आरक्षक अभिषेक एवं होमगार्ड सुनील नागपुरे का विशेष योगदान रहा।

पानी मांगना पड़ा भारी, युवक को चोर समझकर बेरहमी से की पिटाई

पैसे और मोबाइल छीनने का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के इंदिरा नगर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां पानी मांगने पहुंचे एक यूवक को चोर समझकर कुछ युवकों ने बेरहमी से मारपीट दिये। मारपीट में घायल युवक राजेश पिता रामचंद्र वैध 38 वर्ष इंदिरा नगर निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल इस युवक ने मारपीट के दौरान उसके पास से 30 हजार रुपये और मोबाइल फोन छीनने का भी आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश की नगर के दीनदयालपुरम कालोनी में बेकरी है। 25 मार्च को सुबह राजेश काम करने के लिए घर से निकला था और काम करने के बाद शाम को घर जाने निकला और उसने घर जाते समय पास में ही स्थित शराब दुकान में शराब पी और अपने घर जा रहा था ।रात्रि करीब 12ः00 बजे राजेश विवेकानंद आईटीआई के बाजू वाली गली से पैदल अपने घर जा रहा था उसी समय राजेश को प्यास लगी और वह किराए से रहकर पढ़ाई करने वाले लड़कों से पानी पीने के लिए मांगा। किंतु इन लड़कों ने पूछताछ किए बिना राजेश को चोर समझ कर मारपीट करने लगे और बाहर के लड़कों को भी बुला लिए थे। मारपीट करने के बाद राजेश को रोड में फेंक दिए। इसी दौरान दीनदयाल पुरम में रहने वाले किसी व्यक्ति ने डायल 112 को फोन करके बुलाई। मारपीट में घर राजेश को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल में भर्ती राजेश ने मारपीट के दौरान उसके जेब से 30 हजार रुपये और मोबाइल छीनने का भी आरोप लगाया है। जिला अस्पताल पुलिस से राजेश का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी के मकान में शराबी शरारती तत्व ने मचायी तोड़फोड़

दीनदयाल पुरम कालोनी में रहता है शरारती तत्वों का आंतक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर मुख्यालय में पंडित दीनदयाल पुरम कालोनी में निवासरत पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी उपसंचालकर डॉ.राजेश्वर सिंह नगपुरे के मकान में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया हैं। यहां पर एक शरारती तत्व ने शराब के नशे में सामने बाउंड्रीवाल पर लगे लाईट लैंप और सीढ़ी के ऊपर लगी कांच को तोड़ दिया। इस घटनाक्रम से परिजनों में दहशत का माहौल हैं। जानकारी में आया कि यह वारदात बीती 25 व 26 मार्च की रात लगभग 12 से साढ़े 12 बजे की हैं। जिसकी सूचना पर 112 पुलिस वाहन भी पहुंची थी। लेकिन तत्व के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। पीढ़ित परिवार की ओर से इस मामले में कोतवाली में एक शिकायत भी दी गई हैं और कार्यवाही की मांग की गई। जानकारी में आया कि घटना दिनांक की रात में परिजन सोये हुये थे। जिन्हें किसी तोड़-फोड़ की आवाज आयी। जिसपर उन्होने बाहर देखा कि प्रवेश गेट के दोनों ओर लगे लैंप को तोड़ दिया गया और उसकी कांच टूट गई हैं। इसके अलावा सीढ़ी में लगी कांच भी एक ओर में तोड़ दी गई। नीचे आने पर देखा कि भीतर में दो-तीन

ईट के बड़े टूकड़े पड़े हुये हैं। समझा जा रहा हैं कि ईट मारकर ही इस तरह से तोड़ फोड़ की गई। पीड़ित परिवार ने इस मामले को लेकर तत्काल पुलिस के 112 को डायल किया। जो कि मौके पर पहुंची। वही जानकारी में आया कि यहां पर तोड़फोड़ करने वाला एक युवक का नाम राजेश वैद्य हैं। जो शराब के नशे में था। जिसे डायल 112 पुलिस के हवाले किया गया। संबंधित युवक झुग्गी झोपड़ी का रहने वाला बताया गया हैं। हालांकि आरोपी के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई हैं। इस मामले में परिजनों की ओर से कोतवाली में शिकायती आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की गई हैं। जानकारी में पीढ़ित परिवार ने बताया कि वे इस घटनाक्रम से दहशत व भयभीत हैं। क्योंकि उन्हीं के मकान को निशाना बनाया गया हैं। उन्होने पुलिस प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्यवाही करने की मांग की हैं। जानकारी में आया कि निकट में ही मोती तालाब है। जिसके चलते इस क्षेत्र में रात के समय में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता हैं। जो कि शराब के नशे में रहते हैं। जिससे इस क्षेत्र के लोगों को परेशानी होती हैं। ऐसे स्थानों पर गश्ती कर तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की भी मांग की गई हैं।

महकारी नाला समीप नर्सरी में एक युवक की फांसी लगाने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना अंतर्गत महकारी नाला के पास नर्सरी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।मृतक आशीष उर्फ अनीश भोकासे पिता मोहनलाल भोकासे 24 वर्ष वार्ड नंबर 17 मरारी मोहल्ला लामता निवासी है। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष पोकलेन चलाते थे और वह मरारी मोहल्ला में हीअपने परिवार के साथ रहता था। उसी मोहल्ले में ही उसका सगा भतीजा युगनेश भोकासे भी रहते हैं। 25 मार्च को दोपहर 3ः00 बजे करीब आशीष मोबाइल से किसी से बात करते हुए युगनेश के घर आया और 10-15 मिनट करीब मोबाइल से बात करने के बाद वह अपने भतीजे युगनेश के घर चला गया था। भतीजे युगनेश के घर से जाने के 15 मिनट बाद आशीष ने अपने भतीजे युगनेश को फोन करके बोला कि मुझे ढूंढना होगा तो काला पत्थर तरफ आ जाना। युगनेश ने इस संबंध में अपने पड़ोसी सीताराम यादव को बताया और वह सीताराम यादव के साथ अपने चाचा आशीष को ढूंढते हुए काला पत्थर महाकारी नाला के पास मुझे देखे चाचा आशीष भोकसे भेरिया के पेड़ में रस्सी से फांसी पर लटके हुए थे और उसकी मौत हो चुकी थी। युगनेश ने इस संबंध में आशीष के परिवार वालों को फोन करके बताया और रिपोर्ट करने के लिए लामता पुलिस थाना पहुंचा। लामता पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आशीष का पेड़ में फांसी पर लटका शव नीचे उतरवाए और पोस्टमार्टम हेतु लामता अस्पताल भिजवाए। आशीष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है लामता पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

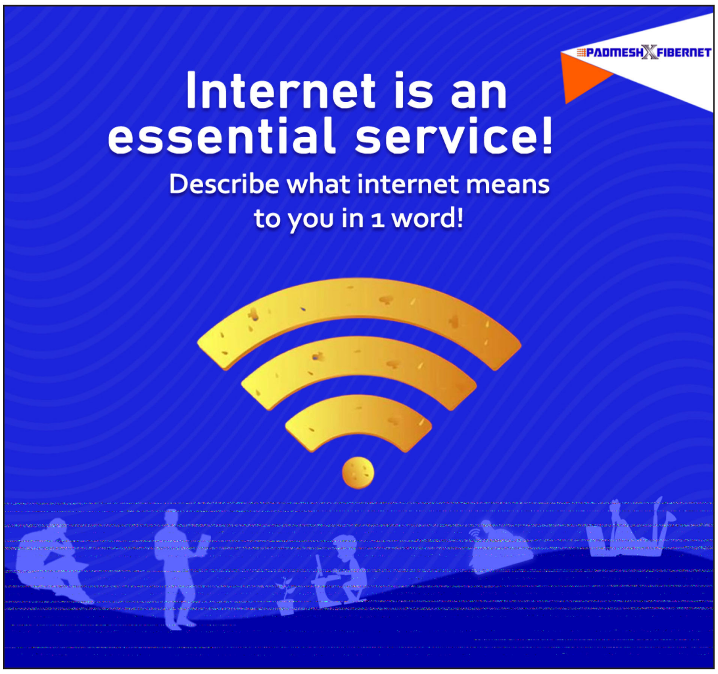

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट